सूर्योदय 5:27 सूर्यास्त 7:28

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	23.5 अधि
धर्मशाला	20.2 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,569
निफ्टी	24,206

सोना 1,43,000 चांदी 2,22,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 13 जुलाई 2026 | 29 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 79, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

महिला से अश्लील हरकत करने वाला डिलीवरी ब्वॉय गिरफ्तार

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक महिला ने फ्लिपकार्ट डिलीवरी एजेंट पर घर में जबरन घुसने और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। महिला ने सोशल मीडिया पर अपनी आपबीती साझा की, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शिकायत दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला के अनुसार, वह अपने फ्लैट में अकेली थी, तभी डिलीवरी एजेंट पार्सल देने आया। पार्सल देने के बाद आरोपी ने वॉशरूम इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी। महिला ने मना किया, लेकिन पड़ोसियों से मदद लेने को कहा, लेकिन आरोप है कि वह नहीं माना और जबरन घर में प्रवेश कर गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंध्र प्रदेश में कोविड के 8 मामले, 2 मरीजों की मौत

एजेंसी, अमरावती। आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 के आठ मामले सामने आए हैं, जबकि दो संक्रमित मरीजों की उपचार के दौरान मौत हो गई है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और बचाव तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राजमपेट क्षेत्र के 52 वर्षीय व्यक्ति की वेल्लोर के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई, जबकि कडप्पा के 43 वर्षीय अन्य मरीज ने भी दम तोड़ दिया। कडप्पा मेडिकल कॉलेज के एक 25 वर्षीय छात्र की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जिसका उपचार होम आइसोलेशन में चल रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात कर करीब 40 लोगों के सैंपल लिए हैं। संक्रमण की पहचान और रोकथाम के लिए जीनोम अनुक्रमण भी कराया जा रहा है। लोगों से सतर्क रहने और लक्षण दिखने पर जांच करवाने की अपील की गई है।

पूर्व मंत्री रवींद्रनाथ घोष बागी गुट में शामिल

एजेंसी, कूचबिहार। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अंदरूनी कलह लगातार बढ़ती जा रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर बंगाल विकास विभाग के पूर्व मंत्री रवींद्रनाथ घोष ने रविवार को बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी के गुट का दामन थाम लिया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को फिलहाल सक्रिय राजनीति से अलग कर दें, तो पार्टी छोड़ चुके अधिकांश नेता और कार्यकर्ता वापस टीएमसी में लौट सकते हैं। रवींद्रनाथ घोष का यह फैसला कूचबिहार में टीएमसी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बागी गुट उन्हें कूचबिहार जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी दे सकता है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई 10.9 किलो हेरोइन बरामद की

एजेंसी, तरनतारन। तरनतारन पुलिस ने रविवार को पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारतीय क्षेत्र में गिराई गई 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद हेरोइन की कीमत करीब 55 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार वल्टोहा पुलिस स्टेशन को देर रात सूचना मिली थी कि गांव लखना के बहकान के पास जसविंदर सिंह पुत्र बाली सिंह के खेतों में ड्रोन के जरिए कुछ पैकेट गिराए गए हैं। इसके बाद वल्टोहा थाने के हेड सब-इंस्पेक्टर विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ गांव लखना पहुंचे और सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया।

ईरान ने मिडिल-ईस्ट के 6 देशों पर किए हमले

ओमान के पास जहाज पर हमला, 11 भारतीय थे सवार, 10 सुरक्षित; एक अब भी लापता

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका की एयरस्ट्राइक के बाद ईरान ने मिडिल-ईस्ट में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। ईरान ने 6 देशों जॉर्डन, कुवैत, बहरीन, कतर, यूएई और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और रणनीतिक ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

इससे पहले अमेरिका ने ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, यह बमबारी होर्मुज स्ट्रेट में साइरस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के बाद की गई। जहाज में आग लग गई, इंजन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक दल का एक सदस्य लापता हो गया। इसके बाद ईरान ने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस, कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट, बहरीन में अमेरिकी सैन्य संचार केंद्र, जबकि कतर और यूएई की ओर भी मिसाइल और ड्रोन दागे। वहीं, ओमान तट के पास एक व्यापारी जहाज 'जीएफएस गैलेक्सी' पर हमला हुआ। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है।

ईरान ने जॉर्डन पर 3 मिसाइलें दागीं

ईरान ने रविवार तड़के जॉर्डन पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के मुताबिक, तीनों मिसाइलें अलग-अलग जगह गिरीं। इनमें कोई हताहत नहीं हुआ और केवल मामूली संपत्ति का नुकसान हुआ है। इससे पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया था कि उसने जॉर्डन के प्रिंस हसन एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया। ईरान का कहना है कि इस हमले में एयरबेस का कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और एमक्यू-9 ड्रोन रखने वाले हैंगर नष्ट कर दिए गए।

भारत ने ओमान के पास जहाज पर हमले की निंदा की

भारत ने ओमान तट के पास व्यापारी जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर सवार 11 भारतीयों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है। एमईए ने कहा कि मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ओमान सरकार के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन पर नजर रख रहा है। भारत ने नागरिक जहाजों पर हमले रोकने, तनाव कम करने और क्षेत्र में जल्द शांति बहाल करने की अपील की है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही बहाल करने की भी मांग की है।

हमारी सीमा में कोई मिसाइल नहीं आई: यूएई

ईरान के हमलों के बीच संयुक्त अरब अमीरात ने कहा है कि उसकी सीमा के भीतर कोई मिसाइल नहीं आई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रविवार सुबह जिन मिसाइलों का पता चला, वे देश की सीमा के बाहर थीं। मंत्रालय के मुताबिक, एयर डिफेंस और निगरानी प्रणाली पूरी तरह अलर्ट पर है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ईरान ने ओमान पर भी ड्रोन हमला किया

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ओमान भी इसकी चपेट में आ गया है। ओमानी सरकार ने पुष्टि की है कि देश के मुसंदम गवर्नरेट में ड्रोन हमले हुए हैं। ओमान सरकार ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि देश और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने या नुकसान की जानकारी फिलहाल नहीं दी गई है। इससे पहले ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी विमानवाहक पोतों के लॉजिस्टिक सपोर्ट सेंटर और ईंधन आपूर्ति ठिकानों पर बड़ा हमला किया है।

ईरान बोला- होर्मुज स्ट्रेट पर फैसला हम और ओमान करेंगे

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही से जुड़े भविष्य के फैसले केवल ईरान व ओमान की आपसी सलाह से होने चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि शनिवार को मस्कट में दोनों देशों के कानूनी और तकनीकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई। बघाई ने कहा कि बैठक में होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और दोनों देशों के संप्रभु अधिकारों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं अंतरराष्ट्रीय कानून और अमेरिका-ईरान के बीच हुए रूम के दायरे में होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही

एजेंसी, भोपाल/पटना। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70% हिस्से में मानसून के बादल गायब हो गए हैं।

राजस्थान, दिल्ली, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच एक अच्छी खबर आई है कि प्रशांत महासागर में 3 मौसमी सिस्टम बन रहे हैं। अगर ये बंगाल की खाड़ी पहुंचे तो 18-25 जुलाई तक बारिश का एक और दौर शुरू हो सकता है।

मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम कमजोर पड़े

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 70% हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं।

न्यायालय की भव्यता नहीं, न्याय तक आसान पहुंच है अधिक महत्वपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

एजेंसी, गुरुग्राम। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का 'टॉवर ऑफ जस्टिस' इसी सोच का प्रतीक है और इससे न्यायिक क्षमता बढ़ने के साथ लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी। रविवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना में नए न्यायिक परिसरों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय

◆ **मुख्य न्यायाधीश ने सीएम सैनी के साथ गुरुग्राम में किया टॉवर ऑफ जस्टिस का लोकार्पण**

कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा सहित कई न्यायाधीश एवं गणमान्य उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसरों का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और न्यायिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी और विशेष रूप से वाणिज्यिक विवादों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

जेल जाने पर पीएम-सीएम हटेंगे नहीं, होंगे निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली। 130वें संविधान संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों के गंभीर आपराधिक मामलों में हिरासत के दौरान पद से हटाने के बजाय निलंबन का सुझाव दिया है। समिति ने कहा कि यदि कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध के आरोप में 30 दिनों तक हिरासत में रहता है तो उसे कानूनी प्रक्रिया पूरी होने तक निलंबित किया जाए। बरी होने या तय समय में मुकदमा आगे न बढ़ने पर निलंबन समाप्त करने की सिफारिश की गई है। समिति ने पांच वर्ष या अधिक सजा वाले अपराधों को गंभीर श्रेणी में रखने का सुझाव दिया है।

हिमाचल में हाई वैल्यू नट मिशन से बागवानी क्षेत्र में नई क्रांति की तैयारी

अखरोट-बादाम-चिलगोजा से बढ़ेगी किसानों की आय

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बागवानी क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार वर्ष 2026 से 2031 तक हाई वैल्यू नट मिशन शुरू करने जा रही है। इस मिशन के तहत अखरोट, बादाम, खुमानी और चिलगोजा जैसी उच्च मूल्य वाली समशीतोष्ण नट फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

मिशन का उद्देश्य पुराने बागानों का कायाकल्प, उत्पादकता में वृद्धि, कटाई के बाद बेहतर प्रबंधन और किसानों को मजबूत बाजार उपलब्ध करवाना है। इसके तहत करीब 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया जाएगा, जिसमें 900 हेक्टेयर पुराने व कम उत्पादन वाले बागानों का वैज्ञानिक तरीके से पुनरुद्धार किया जाएगा। इसमें कैनोपी प्रबंधन, टॉप वर्किंग, पुराने पौधों का प्रतिस्थापन, मृदा स्वास्थ्य सुधार और जल प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 100 हेक्टेयर क्षेत्र में मॉडल उच्च घनत्व वाले बाग विकसित किए जाएंगे। किसानों को रोगमुक्त और प्रमाणित पौध सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए

◆ **मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा- ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे**

प्रमुख नट उत्पादक क्षेत्रों में चार हाईटेक नर्सरियां और दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मिशन के तहत 10 आधुनिक संग्रह, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन इकाइयां भी स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि हाई वैल्यू नट मिशन हिमाचल के बागवानी क्षेत्र में विकास, विविधीकरण और आधुनिकीकरण का नया अध्याय शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि मिशन से किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ेगी तथा ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार बागवानी को तकनीक आधारित और बाजारोन्मुखी क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

किरेन रिजिजू ने मानसून सत्र को लेकर 19 जुलाई को बुलाई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले 19 जुलाई को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की जानकारी देगी, जबकि विपक्ष सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों को सामने रखेगा।

अधिकारियों के अनुसार, बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। इस बार सरकार का एजेंडा काफी व्यापक है और कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। हालांकि, विपक्षी दलों के बीच हालिया मतभेदों के चलते सत्र के हंगामेदार रहने के भी आसार हैं। मानसून सत्र में विपक्ष नीट-यूजी पेपर लीक, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े मुद्दों और अन्य मामलों पर सरकार को घेर सकता है। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दिया

◆ **सरकार बताएगी विधायी एजेंडा, विपक्ष नीट और अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगा**

है। इस बीच सरकार संविधान संशोधन विधेयक को आगे बढ़ा सकती है, जिसमें गंभीर आपराधिक मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान प्रस्तावित है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में नक्सली डंप से हथियार बरामद

एजेंसी, कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कांकेर-नारायणपुर सीमा पर आलपरस और गुमचुर के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों का एक डंप बरामद किया। डंप से दो .303 रायफल, 32 राउंड कारतूस, लैपटॉप, टैबलेट, वायरलेस उपकरण, नक्सली वर्दी और अन्य सामग्री जब्त की गई। इसकी पुष्टि कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने की है।

पुलिस के अनुसार, जिले के संवेदनशील और नक्सल प्रभावित रहे सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प ये सामग्री बरामद की है। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व बीएसएफ 40वीं वाहिनी के एसी अंकुश कुमार, थाना प्रभारी कोयलीबेड़ा निरीक्षक निर्मल जांगड़े, बीएसएफ

◆ **नक्सली डंप से दो .303 राइफल समेत हथियार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले**

इंस्पेक्टर अनुज कुमार, उप निरीक्षक नवीन प्रकाश, उप निरीक्षक सौरभ यादव तथा डीआरजी टीम कमांडर सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र नेताम ने किया। कांकेर पुलिस ने बताया कि नक्सल

◆ **संयुक्त सर्चिंग अभियान में नक्सलियों के मंसूबे नाकाम सुरक्षा बलों ने जब्त किया सामान**

प्रभावित रहे सीमावर्ती क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से आने वाले दिनों में भी सघन सर्चिंग अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पूर्व सांसद विनायक राऊत और बेटे पर जादू-टोना का आरोप, मामला दर्ज

एजेंसी, मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राऊत, उनके बेटे गीतेश राऊत तथा अन्य लोगों के खिलाफ ठाणे के कापुरबावड़ी पुलिस थाने में जादू-टोना कराने और प्रताड़ित करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

शिकायत विनायक राऊत की बहू गिरिजा राऊत ने दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले में कथित तांत्रिक फिरोज शेख को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे अदालत ने 14 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा है। गिरिजा राऊत ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद उनके पति गीतेश राऊत उनसे दूरी बनाए रखते थे और वैवाहिक संबंधों से बचते थे। उन्होंने दावा किया कि परिवार की ओर से कथित रूप से समस्या के समाधान के लिए तांत्रिक क्रियाओं का सहारा लिया गया। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें एक बाबा के पास ले जाया गया, जहां उनके साथ

◆ **बहू की शिकायत पर तांत्रिक गिरफ्तार, परिवार के खिलाफ प्रताड़ना के आरोपों की जांच शुरू**

आपत्तिजनक व्यवहार किया गया और विभिन्न तांत्रिक गतिविधियां की गईं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन कथित तांत्रिकों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वहीं, विनायक राऊत ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनकी बहू और बेटे के बीच पिछले कुछ वर्षों से पारिवारिक विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने शिकायत दर्ज करने के समय पर भी सवाल उठाए। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राऊत ने इसे पारिवारिक विवाद बताते हुए राजनीतिक रंग नहीं देने की बात कही।

शुभारंभ आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे भी मुख्यमंत्री योगी ने किया पौधरोपण, लगाया मौलश्री का पौधा

भौतिक विकास की रफ्तार के साथ यूपी में वनाच्छादन का भी विस्तार

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखपुर से एक दिन में 35 करोड़ रिकार्ड पौधरोपण के लक्ष्य वाले प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ 2026 का शुभारंभ किया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर भगवानपुर टोल प्लाजा के समीप पवित्र त्रिवेणी (नीम, पीपल, बरगद) का पौधा लगाया और सेल्फी भी ली। इसके बाद पौधरोपण महायज्ञ के उपलक्ष्य में गीडा सेक्टर 28 में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश में भौतिक विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही वनाच्छादन का भी विस्तार हुआ है। पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करने के बाद गोरखनाथ मंदिर वापस लौटते समय मुख्यमंत्री योगी ने आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे भी पौधरोपण किया। यहां उन्होंने मौलश्री का पौधा लगाया। गीडा के सेक्टर 28 में हुए पौधरोपण महायज्ञ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी वृद्धि हुई है। एक्सप्रेसवे, हाईवे के साथ बड़े पैमाने पर सड़कों का जाल बिछा है। नए-नए उद्योग लगे हैं। शहरीकरण का दायरा बढ़ा है और नई-नई कॉलोनियां विकसित हुई हैं। भौतिक विकास में तेज योगदान देने वाले इस राज्य ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित प्रयासों से वनाच्छादन के विस्तार में भी सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती पर जब एक पेड़ उगता है तो वह सैकड़ों टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करता है। उन्होंने बताया कि विगत नौ वर्षों में यूपी का वनाच्छादन बढ़ने से 6 करोड़ 37 लाख 74 हजार 130 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषण तथा 4 करोड़ 63 लाख 90 हजार 130 टन ऑक्सीजन उत्सर्जन हुआ।

मौसम चक्र में परिवर्तन से कृषि उत्पादन पर होता है असर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण पर मंडरा रहे संकट का प्रभाव मौसम चक्र पर भी पड़ा है। हाल के दिनों में जो बारिश शुरू हुई है, उसे 15 जून से प्रारंभ हो जाना चाहिए था। बारिश करीब महीने भर लेट है। जो बीज 15 जून तक लग जाना चाहिए था यदि उसे 15 जुलाई को लगाएंगे तो उत्पादन में 25 से 30 प्रतिशत तक अंतर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से कभी गर्मी चरम पर पड़ रही है तो कभी सर्दी। दुनिया के अंदर लगातार ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी दी जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि आने वाले समय में समुद्र के किनारे बहुत सारे शहर डूबने की स्थिति में होंगे तो कहीं जल का भीषण संकट भी हो जाएगा।

सीएम रेखा ने दिल्ली पीएम-उदय योजना के पहले चरण के लिए केंद्र से मांगी 100 करोड़ की वित्तीय सहायता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में संशोधित पीएम-उदय (प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनियों के विकास व उत्थान योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार से प्रथम चरण में 100 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मांगी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर यह वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति करते हुए कहा कि 6 अप्रैल को अधिसूचित संशोधित विनियमों के तहत अनधिकृत कॉलोनियों में निवासियों के संपत्ति अधिकारों की प्रक्रिया को नया कानूनी आधार मिला है। इसके साथ ही 'जैसी स्थिति है, उसी आधार पर' अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की व्यवस्था लागू होने

◆ **1511 कॉलोनियों में संपत्ति अधिकार की राह होगी आसान डिजिटल मैपिंग पर जोर**

से लाखों लोगों को संपत्ति अधिकार प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सरल एवं प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन की नोडल एजेंसी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के तहत राजस्व विभाग को दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित करने होंगे, जिनका नेतृत्व एडीएम करेंगे। इसके अलावा दिल्ली की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्तियों का भौतिक सत्यापन, आधुनिक तकनीक के माध्यम से डिजिटल मैपिंग तथा भू-अभिलेखों को अप-टू-डेट करने का व्यापक कार्य किया जाएगा। इन सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए वर्ष 2026-27 में प्रथम चरण के रूप में 100 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई है। मुख्यमंत्री ने पत्र में प्रस्तावित व्यय का विस्तृत विवरण भी दिया है। इसके अनुसार 65 करोड़ रुपए डीआरआईएसएचटीआई पहल के तहत आधुनिक भू-सर्वे एवं मैपिंग प्रणाली विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे।

शिमला

भारतेन्दु शिखर

युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेलों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता : रोहित

शिक्षा मंत्री ने बटाड़ गांव में किया वॉलीबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ, खेलों को बताया नशामुक्त समाज का सशक्त माध्यम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने प्रवास के दौरान जुब्बल क्षेत्र की ग्राम पंचायत कठासु के अंतर्गत बटाड़ गांव में नवयुवक मंडल स्टेटा ब्रदर्स बटाड़ द्वारा आयोजित वॉलीबाल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ-साथ खेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वॉलीबाल पर्वतीय क्षेत्रों का अत्यंत लोकप्रिय खेल है और खेल गतिविधियां युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व तथा टीम भावना का पाठ पढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखती हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन आवश्यक है। रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने खिलाड़ियों की डाइट मनी 120 रुपए से बढ़ाकर 220 रुपए कर दी है। इसके अलावा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय, जुब्बल की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां वॉलीबॉल सहित आठ खेलों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। खेल छात्रावास के बेहतर संचालन के लिए हाल ही में मंत्रिमंडल ने 32 नए पदों को भी स्वीकृति प्रदान की है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं अथवा तेजी से प्रगति पर हैं।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कठासु में 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है तथा सड़क निर्माण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। विधानसभा क्षेत्र में 181 नई सड़कों का निर्माण एवं स्वीकृति दी गई है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि कठासु पंचायत से उनका पारिवारिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है, जिसकी नींव स्वर्गीय ठाकुर रामलाल के समय में रखी गई थी। इसी आत्मीय संबंध के कारण क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि 18 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से भगोली-बरथाटा सड़क का स्तरोन्नयन कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि कठासु-सावड़ा सड़क का स्तरोन्नयन 19.13 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसका लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरथाटा (बटाड़गलू) रिकॉर्ड दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है, जिससे बरथाटा, कठासु तथा बढ़ाल पंचायतों के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

दुर्गम क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

जुब्बल। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रविवार को जुब्बल विधानसभा क्षेत्र की दूरदराज ग्राम पंचायत सोलंग का दौरा कर लगभग 34 लाख रुपए की लागत से निर्मित दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को समर्पित किए। उन्होंने 25 लाख रुपए की लागत से निर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला सोलंग के नए भवन तथा 9 लाख रुपए से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है और सोलंग जैसी दुर्गम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय भवन का निर्माण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नए विद्यालय भवन से स्थानीय बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का आधार और अधिक सुदृढ़ होगा। रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। राज्य के कुल बजट का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर व्यय किया जा रहा है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और सुदृढ़ बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रथम चरण के तहत 151 विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के प्रारंभ में शिक्षा विभाग में लगभग 15 हजार पद रिक्त थे। इनमें से करीब 9 हजार पद भरे जा चुके हैं तथा लगभग 3 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि वाई.एस. परमार विद्यार्थी ऋण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए 20 लाख रुपये तक का ऋण मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिल रही है। शिक्षा मंत्री ने 9 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए कहा कि इससे स्थानीय ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक तथा सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति : डॉ. राजीव बिंदल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सिरमौर भाजपा कार्यालय, नाहन में आयोजित हिमाचल प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारियों की बैठ सिद्धार्थन, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनीष चौहान, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी एवं संगठन के अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान तथा विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, बेहतर समन्वय एवं सेवा भाव के साथ संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। डॉ. राजीव बिंदल ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित, समाजसेवा और अंत्योदय की भावना के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाकर ही पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग तक अपनी विचारधारा एवं जनसेवा के कार्यों को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सेवा, समर्पण और संगठन के मूल मंत्र के साथ प्रत्येक बूथ पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए आमजन से निरंतर संवाद स्थापित करें तथा पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी कार्यों को घर-घर तक पहुंचाएं। बैठक में प्रदेश कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं निर्णयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

सहकारी सभा कर्मियों की आवाज बनेगा संघ, सरकार के समक्ष रखेगा लंबित मांगें

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश प्राथमिक सहकारी सभाएं कर्मचारी संघ की राज्य स्तरीय बैठक शनिवार को डिड्वीं टिक्कर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहकारी सभाओं के कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, लंबित मांगों तथा भविष्य की चुनौतियों पर गंभीरता से मंथन किया।

बैठक में प्रदेशाध्यक्ष विजय शर्मा के सेवा निवृत हो जाने पर सर्वसम्मति से सुरेंद्र ठाकुर को संघ का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सहकारी सभाओं के कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े सभी मुद्दों को शीघ्र ही राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा। साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय शर्मा तथा महासचिव रजनीश गुलेरिया ने कर्मचारियों से संगठन की एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए संघ निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

इस बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार, संगठन सचिव अशोक शर्मा, कांगड़ा जिला अध्यक्ष रणबीर सिंह, बिलासपुर जिला अध्यक्ष नरदेव ठाकुर, ऊना जिला महासचिव मुकेश कुमार, पूर्व प्रदेशक्ष्य धीरज शर्मा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेधावी आईटीआई विद्यार्थियों का दल कजाकिस्तान रवाना

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के मेधावी आईटीआई विद्यार्थियों का दल नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट के लिए कजाकिस्तान रवाना हुआ।

इस अवसर पर राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मेधावी आईटीआई विद्यार्थियों को यह एक्सपोजर विजिट इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, उन्नत औद्योगिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कार्य संस्कृति को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी दक्षता के साथ वैश्विक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कजाकिस्तान का यह दौरा विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। वहां प्राप्त अनुभव उन्हें नई तकनीकों को अपनाने, नवाचार की भावना विकसित करने और रोजगार व स्वरोजगार के बेहतर अवसरों के लिए तैयार करेगा। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ बनाने के लिए कई नवाचार कर रही है। युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, उद्योगों की मांग के अनुसार कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखने के अवसर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी इस एक्सपोजर विजिट के दौरान नई तकनीकी जानकारी और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ कजाकिस्तान की कार्य संस्कृति, अनुशासन और नवाचार से भी प्रेरणा लेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और अर्जित ज्ञान व अनुभव का उपयोग हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक एवं तकनीकी विकास में योगदान देने के लिए करें।

डमटाल में जम्मू से हरिद्वार जा रही बस पलटी, 16 यात्री घायल

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। जम्मू से हरिद्वार जा रही एक निजी ट्रैवल कंपनी की लग्जरी बस देर रात कांगड़ा जिले के डमटाल क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में 16 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस में कुल 57 यात्री सवार थे।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मी हॉलिडेज की बस (नंबर एआर 20 बी 0962) जम्मू-जालंधर वाया पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर डमटाल स्थित नसला पेट्रोल पंप के समीप अचानक अनियंत्रित होकर मुख्य मार्ग से सर्विस लेन की ओर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों, पुलिस और बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायल यात्रियों को 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से सिविल अस्पताल इंदौरा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार दो घायलों की स्थिति गंभीर है। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस तेज रफ्तार, तकनीकी खराबी या अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। सूचना मिलते ही एसडीपीओ इंदौरा संजीव कुमार यादव और थाना प्रभारी विशाल राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। बाद में पुलिस अधीक्षक नूरपुर इलमा अफरोज ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

105 पदों के लिए मांगे आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न स्वास्थ्य पदों पर 105 अतिरिक्त भर्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इनमें ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट (ओटीए) के 60 पद, रेडियोग्राफर के 30 पद और वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन/एमएलटी ग्रेड-2 के 15 पद शामिल हैं। इन पदों पर भर्ती जॉब ट्रेनी आधार पर की जाएगी। आयोग के अनुसार ये पद पूर्व में विज्ञापित 196 पदों के अतिरिक्त हैं। तीनों पोस्ट कोड के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 जुलाई से 25 जुलाई, 2026 तक दोबारा शुरू की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 25 जुलाई रात 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन एचपीआरसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर किया जा सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि पहले आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

प्राकृतिक खेती से समृद्धि की ओर बढ़ रहे प्रदेश के किसान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आर्थिकी मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए प्राकृतिक खेती, बेहतर विपणन व्यवस्था और वैज्ञानिक तकनीकों को प्रोत्साहन दे रही है। हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने प्राकृतिक खेती से तैयार फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की खरीद 80 रुपए प्रति किलोग्राम, मक्की 50 रुपए प्रति किलोग्राम, कच्ची हल्दी 150 रुपए प्रति किलोग्राम, पांगी घाटी की जौ 80 रुपए प्रति किलोग्राम और अदरक 30 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से की जा रही है। सरकार की इन पहलों से किसानों का प्राकृतिक खेती के प्रति विश्वास बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां 838 किसानों से 2,123.58 क्विंटल प्राकृतिक गेहूं की खरीद की गई थी, वहीं इस रबी सीजन में 1,891 किसानों से 2,679.89 क्विंटल गेहूं की खरीद सुनिश्चित की गई है। जनजातीय क्षेत्रों के पारंपरिक और पोषणयुक्त खाद्यान्नों को बाजार उपलब्ध करवाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जिला चंबा के पांगी उपमंडल को राज्य का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है।

यहां किसान अपनी पारंपरिक कृषि पद्धतियों का संरक्षण करते हुए प्राकृतिक उत्पादों को बेहतर मूल्य प्राप्त कर रहे हैं। पिछले खरीफ सीजन में पांगी क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के किसानों ने जौ की अच्छी कीमत पर बिक्री की। मुख्यमंत्री ने हाल ही में बड़ा भंगाल प्रवास के दौरान अधिकारियों को क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा उत्पादित राजमाह को जीआई टैग दिलाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में प्रदेश के 2,56,870 किसान 44,784.73 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवाने के लिए कृषि विभाग में अलग मार्केटिंग विंग स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशिक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में हमीरपुर में 8.64 करोड़ रुपये की लागत से राज्य अवशेष परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहां प्राकृतिक उत्पादों और बीजों की गुणवत्ता एवं प्रमाणिकता की वैज्ञानिक जांच की जाएगी। प्रदेश सरकार शून्य बजट प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी की गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण और लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही है। हिमाचल का प्राकृतिक खेती मॉडल देशभर में एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में उभर रहा है।

कांग्रेस सरकार ने गांवों तक पहुंचाई महंगाई अब हर घर से कचरा शुल्क वसूलेगी : संदीपनी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने पंचायतों में घरेलू व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण के लिए यूजर चार्ज वसूलने के निर्णय पर कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता पिछले ढाई से तीन वर्षों से लगातार आर्थिक बोझ झेल रही है।

कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले राहत देने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद महंगाई और नए शुल्कों की लंबी श्रृंखला शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक सामान्य परिवार से 50 रुपए प्रतिमाह, सामान्य दुकानों, ढाबों और छोटे प्रतिष्ठानों से 100 रुपए प्रतिमाह, बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से 500 रुपए प्रतिमाह तथा बैंकों, रेस्टोरेंट, मैरिज पैलेस, बड़े अस्पतालों जैसी संस्थाओं से 1,000 रुपए से 3,000 रुपए प्रतिमाह तक यूजर चार्ज वसूला जाएगा। कांग्रेस सरकार गांवों के गरीब, किसान, मजदूर और छोटे दुकानदार तक को नहीं छोड़ रही है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही प्रदेशवासियों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का अभियान चला रखा है। डीजल पर वैट बढ़ाया, बिजली उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त शुल्क और विभिन्न सरचार्ज लगाए, पानी की दरों में वृद्धि की, रजिस्ट्री एवं अन्य सरकारी सेवाओं के शुल्क बढ़ाए, और अब कचरा संग्रहण के नाम पर नया यूजर चार्ज लगा दिया गया है। यह सरकार विकास के बजाय केवल राजस्व जुटाने के लिए जनता की जेब पर डाका डाल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के समय 5 लाख रोजगार, 1 लाख सरकारी नौकरियां, महिलाओं को 1,500 रुपए प्रतिमाह, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और महंगाई से राहत देने के वादे किए थे, लेकिन आज तक इनमें से अधिकांश वादे पूरे नहीं हुए। दूसरी ओर प्रदेश की जनता पर लगातार नए आर्थिक बोझ लादे जा रहे हैं।

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री एक्सीलेंस अवार्ड बना मेधावियों की नई प्रेरणा

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। प्रोफेसर सिम्मी अग्निहोत्री फाउंडेशन की ओर से शुरू की गई प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री एक्सीलेंस अवार्ड पहल का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देना शुरू हो गया है। पिछले वर्ष जहां हरोली विधानसभा क्षेत्र से हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 150 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया था। वहीं, इस बार ऐसे मेधावी विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो गई। इनमें दसवीं कक्षा के 139 और जमा दो के 64 विद्यार्थी शामिल रहे।

फाउंडेशन ने मेधावी विद्यार्थियों को 5100 रुपये एवं 3100 रुपए की नकद राशि, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। हरोली के पालकवाह ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मुख्यातिथि के रूप में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

मुकेश अग्निहोत्री बोले- जीवन में कुछ बड़ा करने का संकल्प लेकर जाएं विद्यार्थी

उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि जीवन में कुछ बड़ा करना है। उन्होंने कहा कि सफलता का मार्ग चुनौतियों से होकर गुजरता है, इसलिए कठिन परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका डटकर सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रोफेसर सिम्मी अग्निहोत्री फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष शुरू की गई इस पहल ने विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार किया है। इस बार 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में हुई वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि ऐसे सम्मान बच्चों को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में और अधिक विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इस सम्मान के पात्र बनेंगे।

मक्की की फसल पर फॉल आर्मी वर्म का प्रकोप विधायक जीतराम ने दिए त्वरित समाधान के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में मक्की की फसल पर फॉल आर्मी वर्म कीट के बढ़ते प्रकोप को लेकर विधायक जीतराम कटवाल ने चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर किसानों को तत्काल तकनीकी सहायता और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। रविवार को सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डाहड पंचायत पहुंचे विधायक को स्थानीय किसानों ने मक्की की फसल को हो रहे नुकसान की जानकारी दी। किसानों ने बताया कि कीट के लगातार बढ़ते प्रकोप से उनकी मेहनत पर संकट मंडरा रहा है। यदि समय रहते इसका नियंत्रण नहीं किया गया तो पूरी फसल खराब होने की आशंका है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है। विधायक जीतराम कटवाल ने किसानों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए मक्की के खेतों का निरीक्षण किया और फसल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की मजबूत नींव हैं।

किसानों की समृद्धि से ही गांवों का विकास संभव है। उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर फसल का निरीक्षण किया जाए और कीट नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही गांव स्तर पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर किसानों को फॉल आर्मी वर्म की पहचान, रोकथाम और वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी जाए। विधायक ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या को सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा और फसल को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।

चर्चा आर्ट ऑफ लिविंग की मीडिया बैठक में संचार व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

मीडिया को-ऑर्डिनेटरों को मिला प्रभावी प्रेस प्रबंधन का प्रशिक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। आर्ट ऑफ लिविंग की प्रदेश स्तरीय मीडिया कोऑर्डिनेटरों की बैठक गुजरेहड़ा स्थित कैलाश आश्रम में आयोजित की गई। बैठक में मीडिया प्रबंधन, प्रेस रिलेशन और संस्था की गतिविधियों को प्रभावी तरीके से समाज तक पहुंचाने के लिए संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कुल्लू से सुशांत, मंडी से माया प्रधान और रुचि, ऊना से टेक चंद, चंबा से राजेश, हमीरपुर से निर्मल और जोगिंदर ठाकुर, आश्रम से देशराज चम्बयाल तथा बिलासपुर से रचना मेहता और एडी रीतू सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के मीडिया कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए आर्ट ऑफ लिविंग की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर मनीषा ठाकुर ने कहा कि संस्था के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर के दिशा-निर्देशों के अनुसार देश सहित विश्व के 182 देशों में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संस्था के विचारों और मानव मूल्यों से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मीडिया समन्वय के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मीडिया कोऑर्डिनेटरों का कार्य केवल प्रेस विज्ञप्तियां भेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारों और मीडिया संस्थानों के साथ विश्वास, पारदर्शिता और बेहतर संवाद स्थापित करना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मनीषा ठाकुर ने कहा कि जिला स्तर के मीडिया कोऑर्डिनेटर, शिक्षक और जिला शिक्षक कोऑर्डिनेटर आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि समाचारों की गुणवत्ता बेहतर हो सके। उन्होंने स्थानीय मीडिया के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने और प्रमाणिक सूचनाओं के आदान-प्रदान पर जोर दिया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर त्रिप्ता शर्मा और स्टेट डिप्टी मीडिया कोऑर्डिनेटर जीएल वर्मा ने प्रभावी प्रेस विज्ञप्ति तैयार करने, समाचार लेखन की मूल तकनीकों तथा पत्रकारों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी दी। बैठक में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार एवं राज्य संपादक नवनीत शर्मा ने कहा कि किसी भी समाचार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विश्वसनीयता होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में सूचनाओं के तेज प्रसार को देखते हुए समाचारों के प्रकाशन से पहले तथ्यों का सत्यापन आवश्यक है। उन्होंने मीडिया कोऑर्डिनेटरों से तथ्यपरक, संतुलित और जनहित आधारित समाचारों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। बैठक में आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा गतिविधियों, मानव मूल्यों और आध्यात्मिक संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए प्रभावी मीडिया रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

एम्स बिलासपुर में प्रसूति सेवाएं होंगी हाईटेक एक साथ कई मरीजों पर रहेगी डॉक्टरों की नजर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। एम्स बिलासपुर मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक आधुनिक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रहा है।

संस्थान के प्रसूति व स्त्री रोग विभाग में मल्टीपैरा मॉनिटर विद सेंट्रल मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद लेबर रूम व प्रसूति वार्ड में भर्ती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ एक ही स्थान से लगातार नजर रख सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत वार्ड में लगे सभी मॉनिटर एक केंद्रीय मॉनिटरिंग स्टेशन से जुड़े होंगे। इससे किसी भी मरीज की हृदय गति, रक्तचाप, ऑक्सीजन स्तर, ईसीजी, श्वसन दर और अन्य महत्वपूर्ण संकेतों की 24 घंटे रियल-टाइम निगरानी संभव होगी। यदि किसी मरीज की स्थिति अचानक बिगड़ती है, तो सिस्टम तुरंत अलार्म जारी करेगा, जिससे चिकित्सा टीम बिना देरी के आवश्यक उपचार शुरू कर सकेगी। यह तकनीक विशेष रूप से हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी, जटिल प्रसव और सर्जरी के बाद भर्ती महिलाओं की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी मानी जाती है।

हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं की रियल-टाइम निगरानी करेगा नया सिस्टम

लगातार मॉनिटरिंग के कारण किसी भी गंभीर जटिलता का समय रहते पता लगाया जा सकेगा और मरीज को तत्काल चिकित्सकीय सहायता मिल पाएगी। अभी तक डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को प्रत्येक मरीज की स्थिति जानने के लिए अलग-अलग बेड तक जाना पड़ता था, लेकिन सेंट्रल मॉनिटरिंग सिस्टम लागू होने के बाद सभी मरीजों की जानकारी एक ही स्क्रीन पर उपलब्ध रहेगी। इससे उपचार की गति और कार्यक्षमता दोनों में सुधार होगा। एम्स प्रबंधन का मानना है कि इस अत्याधुनिक प्रणाली के शुरू होने से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुरक्षित, प्रभावी और आधुनिक बनेंगी। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और मरीजों की जान बचाने में भी यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

न्यूज ब्रीफ

देहरादून: नंदा की चौकी का नया पुल यातायात के लिए खुला, जाम से मिलेगी बड़ी राहत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जिले के नंदा की चौकी क्षेत्र में निर्मित नया पुल रविवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। पुल के शुरू होने से स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। पुल के संचालन से क्षेत्र में लंबे समय से बनी यातायात संबंधी समस्या का समाधान होने के साथ ही देहरादून और आसपास के क्षेत्रों के बीच संपर्क भी अधिक सुगम हो जाएगा। पुल खुलने के बाद वाहनों की आवाजाही सामान्य रूप से शुरू हो गई है। प्रशासन ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और पुल पर निर्धारित गति सीमा का अनुपालन करने की अपील की है। स्थानीय नागरिकों ने पुल के शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सुविधा बताया।

हरिद्वार में ऑटो और ई-रिक्शा की भिड़ंत, कई यात्री घायल

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के व्यस्त दूधाधारी चौक के समीप रविवार को ऑटो और ई-रिक्शा की आमने-सामने हुई टक्कर में महिलाओं सहित कई यात्री घायल हो गए। हादसे का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। दूधाधारी चौक के पास दोनों वाहन आमने-सामने आ गए और जोरदार टक्कर हो गई।

उत्तराखंड में बारिश का कहरः भूस्खलन होने से गंगोत्री हाईवे बंद, प्रशासन अलर्ट पर

भारतेंदु संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के विभिन्न स्थानों पर पिछले 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश के कारण नालू पानी व नगून के पास भूस्खलन होने और मलबा आने से गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बार-बार बाधित हो रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, मार्ग को साफ करने के लिए प्रशासन की कई टीम मौके पर मौजूद है लेकिन बारिश और गिरते पत्थरों के कारण मलबा हटाने में दिक्कतें आ रही हैं।

धामों की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे : बीकेटीसी

बीकेटीसी बैठक में फैसला, धामों की व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का होगा इस्तेमाल

बीकेटीसी सदस्यों का आरोप, धामों की छवि खराब करने की हो रही साजिश।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक वरिष्ठ सदस्य महेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन और बीकेटीसी सदस्य दिनेश डोभाल के संयोजन में आयोजित की गई। बैठक में चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं, मंदिर समिति पर लगाए जा रहे आरोपों और आगामी मानसून सत्र में सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सदस्यों ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व उत्तराखंड के प्रसिद्ध धामों की छवि को सुनियोजित तरीके से खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। सदस्यों का आरोप है कि सोशल मीडिया के माध्यम से पवित्र धामों को निशाना बनाया जा रहा है और सनातन परंपरा को लेकर गलत संदेश फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब सभी आरोपों की जांच गढ़वाल मंडल के आयुक्त की अध्यक्षता में चल रही है तो जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाना चाहिए।

बीकेटीसी सदस्यों ने मंदिर समिति पर यात्रा भत्ता राशि को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सदस्यों ने बोर्ड बैठकों, उपसमिति की बैठकों और मंदिर समिति के कार्यों से संबंधित यात्राओं के लिए नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता लिया है, जिसे सरकार की स्वीकृति प्राप्त है।

चढ़ावा चोरी प्रकरण पर चर्चा करते हुए सदस्यों ने कहा कि मामला सामने आते ही मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इसे गंभीरता से लिया था। आरोपी कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया और आंतरिक जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा मामले को महापाप बताते हुए गढ़वाल मंडल आयुक्त की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई गई है, जिसकी जांच अभी जारी है।

हल्द्वानी में दर्दनाक हादसा, स्कॉर्पियो की टक्कर से चार युवकों की मौत

◆ तेज रफ्तार वाहन ने बुझाए चार घरों के चिराग

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। हल्द्वानी में हुए भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दुर्घटना तीनपानी–गौलापार बाईपास फ्लाईओवर पर हुई, जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने सामने से आ रही स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उस पर सवार चारों युवक उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे।

पुलिस के अनुसार हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। लालकुआं की ओर से आ रही स्कॉर्पियो कार ने नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रही स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में स्कूटी सवार राहुल राजपूत उम्र 17 वर्ष शिवम उम्र 25 वर्ष और अंशु आर्य उम्र 20 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल आदित्य टम्टा उम्र 18 वर्ष को उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया जहां देर रात उसने भी दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक चारों युवक हल्द्वानी क्षेत्र के ही रहने वाले थे और हादसे के समय अपने घर लौट रहे थे।

पुलिस अधीक्षक नगर मनोज कत्याल ने बताया कि स्कॉर्पियो कार में सवार दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जनरल चौहान ने पूर्व सैनिकों को दिया रणनीतिक सोच बढ़ाने का संदेश

निष्ठा ही सैनिक की सबसे बड़ी पहचान : पूर्व सीडीएस

◆ देहरादून में पूर्व सीडीएस अनिल चौहान का सम्मान समारोह आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) ने कहा कि भविष्य के युद्धों में तकनीक, संयुक्त सैन्य क्षमता और बहु-आयामी रणनीति निर्णायक भूमिका निभाएगी। बदलते युद्ध स्वरूप के अनुरूप सशस्त्र बलों को लगातार तैयार करना और नई तकनीकों को अपनाना समय की आवश्यकता है।

रविवार को सैनिक संस्थान गढ़ी कैंट में ऑल इंडिया गोरखा एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए अनिल चौहान ने कहा कि वह 47 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं।उनका सीडीएस के रूप में कार्यकाल अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा कि सैनिक हमेशा युद्ध नहीं लड़ता, बल्कि अधिकांश समय युद्ध की तैयारी, रणनीति निर्माण और विभिन्न विकल्पों के साथ समन्वय की तैयारी में लगा रहता है। उन्होंने कहा कि युद्ध में जीत ही लक्ष्य होती है और पराजय कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने कहा कि मई 2025 में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में भारत की सफलता एक बड़ी उपलब्धि रही। ऑपरेशन सिंदूर संयुक्त सैन्य संचालन, एकीकरण और समन्वित रणनीति का उदाहरण था, जिसकी तैयारी तीन वर्ष पहले से की गई थी।

पिथौरागढ़ से सोमनाथ दर्शन के लिए रवाना हुआ 40 श्रद्धालुओं का दल

भारतेंदु संवाददाता, पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 40 श्रद्धालुओं का दल रविवार को गुजरात स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के दर्शन-पूजन के लिए रवाना हुआ। नगर निगम की मेयर कल्पना देवलाल और अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह ने श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। मेयर कल्पना देवलाल ने कहा कि यह यात्रा भगवान सोमनाथ के प्रति आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु अपने साथ रामेश्वरम से लाया गया पवित्र जल कलश में लेकर जा रहे हैं, जिसे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग पर अर्पित किया जाएगा। उन्होंने उत्तराखंड सरकार और गुजरात पर्यटन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों सरकारों के सहयोग से यह यात्रा पूरी तरह निशुल्क कराई जा रही है।

उत्तराखंड में मानसून सक्रिय, सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में मानसून सक्रिय बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान ने राज्य के सात जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में गर्जन, आकाशीय बिजली और वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार देहरादून, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, नैनीताल और चम्पावत जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। पर्वतीय जनपदों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की भी आशंका है। राज्य के पर्वतीय जिलों में अनेक स्थानों और मैदानी जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा अथवा गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

राजधानी देहरादून में दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और एक-दो दौर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में वर्षा का दौर भारी भी हो सकता है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रा के दौरान सतर्कता बरतने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है।

भू-कानून और रोजगार जैसे मुद्दों पर यूकेडी चलाएगा जनअभियान

उत्तराखंड क्रांति दल ने 2027 चुनाव के लिए कसी कमर

◆ गांव-गांव पहुंचेगा यूकेडी जनसरोकारों को बनाएगा चुनावी मुद्दा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक देहरादून स्थित वृंदावन गार्डन, कारगी चौक में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दल के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने की। इस दौरान दल के सर्वोच्च नेता काशी सिंह एरी, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक नारायण सिंह जंतवाल, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पुष्पेश त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने और राज्य से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि दल आगामी समय में संगठन को गांव स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करेगा। इसके लिए सदस्यता अभियान को तेज करने और कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर व्यापक जनआंदोलन चलाने का भी निर्णय लिया गया। नेताओं ने कहा कि जनता से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए संगठन लगातार संघर्ष करेगा।

केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि उत्तराखंड की जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस की नीतियों से प्रदेश के लोग निराश हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल राज्य के मूल मुद्दों जैसे भू-कानून, मूल निवास, रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के पीछे जिन उद्देश्यों को लेकर आंदोलन हुआ था, उन्हें पूरा करना दल की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड क्रांति दल पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल होगा। उन्होंने कहा कि दल सत्ता में आने के बाद प्रदेश के विकास, युवाओं के रोजगार और स्थानीय हितों को केंद्र में रखकर कार्य करेगा।

नकली करंसी गिरोह का पर्दाफाश पंजाब से दो आरोपी गिरफ्तार

◆ प्रिंटर और कार समेत दोनो आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने नकली करेंसी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.10 लाख रुपये के जाली नोट, नकली नोट तैयार करने में इस्तेमाल किया गया प्रिंटर और एक कार बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से नकली नोटों के कारोबार से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन कुमार निवासी गुरदासपुर पंजाब और सुखबीर सिंह निवासी अमृतसर पंजाब के रूप में हुई है। दोनों पर नकली नोटों की छपाई और आपूर्ति से जुड़े होने का आरोप है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पंजाब में दबिश देकर गिरफ्तार किया।

इस मामले की शुरुआत छह जुलाई को हुई थी जब हरिद्वार पुलिस ने नकली नोटों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सरजीत सिंह, टिंकू, सुमित कुमार और संजीव कुमार को 84 हजार 500 रुपये के जाली नोटों के साथ पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू की और मामले की गहराई से जांच की।

जांच के दौरान पुलिस को नकली करेंसी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय से अनुमति लेकर टिंकू और सुमित को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने पंजाब में छापा मारकर पवन कुमार और सुखबीर सिंह को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के पास से बरामद प्रिंटर की जांच की जा रही है। आशंका है कि इसी उपकरण के माध्यम से नकली नोट तैयार किए जाते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह का नेटवर्क कितने राज्यों तक फैला हुआ है और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

हरिद्वार पुलिस का कहना है कि नकली करेंसी का कारोबार देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

लोक संवर्धन पर्व बना भारत की सांस्कृतिक विरासत के सम्मान का उत्सव

भारत की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव है लोक संवर्धन पर्व : रिजिजू

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने देहरादून में आयोजित पांच दिवसीय छठे लोक संवर्धन पर्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक शिल्प और लोक कला के संरक्षण को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि लोक संवर्धन पर्व केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, कारीगरों की प्रतिभा और उनके सम्मान का राष्ट्रीय उत्सव है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत सरकार पारंपरिक शिल्प, हस्तकला और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार का उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना है, ताकि उन्हें अपनी कला का उचित मूल्य मिल सके और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि लोक संवर्धन पर्व जैसे आयोजन देश के अलग-अलग हिस्सों की सांस्कृतिक पहचान को एक मंच प्रदान करते हैं। यहां कारीगरों को अपनी कला और उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ती है बल्कि भारत की पारंपरिक विरासत को भी नई पहचान मिलती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन योजना के तहत आयोजित ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों सहित सभी वर्गों के कारीगरों को आगे बढ़ाना है। योजना के माध्यम से शिल्पकारों को प्रशिक्षण, विपणन सहायता और अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने के अवसर दिए जा रहे हैं।

पारंपरिक कारीगरों को मिला राष्ट्रीय मंच

कार्यक्रम के दौरान किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार योजनाओं का लाभ पहुंचाते समय किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करती। उन्होंने कहा कि सरकार जब काम करती है तो हिंदू-मुस्लिम या जाति-धर्म के आधार पर अंतर नहीं करती, बल्कि सभी नागरिकों के विकास और कल्याण को प्राथमिकता देती है।

उन्होंने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में सभी समुदायों को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता और सभी वर्गों के सम्मान से होती है।

लोक संवर्धन पर्व में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कारीगरों ने अपनी पारंपरिक कला और उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में हस्तनिर्मित वस्तुएं, लोक कला, पारंपरिक परिधान और विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। आयोजन का उद्देश्य कारीगरों को सीधे ग्राहकों और बाजार से जोड़ना भी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविध संस्कृति और परंपराओं से है। इन परंपराओं को सुरक्षित रखना और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

निगरानी | उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा के दिए निर्देश, एक सितंबर से शुरू होंगे नए छात्रावास

एनईपी 2020 के तहत महाविद्यालयों को स्वायत्तता देने की तैयारी तेज

राजकीय कॉलेजों में निर्माण कार्यों की निगरानी करेगा उच्च शिक्षा विभाग।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए सरकार ने निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने का निर्णय लिया है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए हैं कि सभी निर्माण कार्यों की हर माह प्रगति समीक्षा की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा नहीं करने वाली कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून स्थित शासकीय आवास पर आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। बैठक में विभागीय उच्चाधिकारी और विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान महाविद्यालयों में निर्माणाधीन भवनों, नए कक्षा कक्षों, छात्रावासों, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और सामुदायिक केंद्रों की प्रगति की समीक्षा की गई।

उच्च शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण की गुणवत्ता और समय सीमा दोनों का विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है। उन्होंने विभागीय सचिव को निर्देश दिए कि प्रत्येक माह निर्माण कार्यों की समीक्षा कर प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि किसी भी समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके।

बैठक में राजकीय महाविद्यालयों में संचालित और नव निर्मित छात्रावासों को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी नए छात्रावासों का संचालन आगामी एक सितंबर से शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों के बेहतर प्रबंधन, भोजन व्यवस्था और अन्य सुविधाओं के संचालन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जाए, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य के विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन बालक और बालिका छात्रावासों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। छात्रावासों के शुरू होने से दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को काफी सुविधा मिलेगी और उच्च शिक्षा तक उनकी पहुंच आसान होगी। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रस्तावित महाविद्यालयों की स्वायत्तता के मामलों पर भी चर्चा हुई।

छात्राओं को छात्र संघ में मिलेगी 50 प्रतिशत भागीदारी

बैठक के दौरान छात्र संघ चुनावों को समय पर आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि छात्र संघ चुनाव निर्धारित समय पर कराए जाएं और छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए छात्र संघ में 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र-छात्राओं की समान भागीदारी से लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिलेगी।

अग्निवीर और अन्य सैन्य पदों के लिए शारीरिक परीक्षा 25 जुलाई से रानीखेत में

अल्मोड़ा भर्ती कार्यालय ने जारी किए निर्देश, दस्तावेजों के बिना नहीं मिलेगा प्रवेश।

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। भारतीय सेना भर्ती कार्यालय अल्मोड़ा ने भर्ती वर्ष 2027 के लिए अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम जारी हो चुका है और अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना परिणाम देख सकते हैं। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के केंद्रीय, जोनल और अग्निवीर श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा 25 जुलाई से 7 अगस्त तक रानीखेत के सोमनाथ ग्राउंड में आयोजित होगी।

भर्ती के दौरान शारीरिक परीक्षण के साथ दस्तावेजों की जांच भी की जाएगी। अभ्यर्थियों को रैली में प्रवेश के लिए प्रवेश पत्र, आधार कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र और पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। सेना ने फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है और युवाओं से तैयारी जारी रखने की अपील की है।

युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट उड़ान की हुई शुरुआत

पीएचडीसीसीआई की पहल, कौशल प्रशिक्षण देकर महिलाओं को सम्मानजनक जीवन से जोड़ने का लक्ष्य

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। पीएचडीसीसीआई के रीजनल फैशन टेक्सटाइल फोरम और पंजाब स्टेट चैप्टर की ओर से स्टूडियो बाय हिमानी अरोड़ा के सहयोग से अमृतसर केंद्रीय जेल में स्थापित पीएचडीसीसीआई कौशल विकास केंद्र में 'प्रोजेक्ट उड़ान' का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे और उन्होंने कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। कौशल विकास के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना उनके पुनर्वास के लिए बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए पीएचडीसीसीआई पंजाब स्टेट चैप्टर के चेयर करण गिल्होत्रा ने कहा कि यह कौशल विकास केंद्र महिला बंदियों के पुनर्वास और उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट उड़ान का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार से जुड़े कौशल प्रदान करना है, ताकि वे रिहाई के बाद आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन की नई शुरुआत कर सकें।

उन्होंने कहा कि कई बार परिस्थितियों के कारण महिलाएं मुश्किल दौर से गुजरती हैं। ऐसे में उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण और आर्थिक अवसर उपलब्ध करवाकर समाज में दोबारा स्थापित होने में सहायता दी जा सकती है। पीएचडीसीसीआई का प्रयास है कि महिलाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी संसाधन और मार्गदर्शन भी उपलब्ध करवाया जाए।

प्रोजेक्ट उड़ान के तहत महिलाओं को फैशन, डिजाइन, सिलाई-कढ़ाई और अन्य रोजगारपरक गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इससे उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और भविष्य में स्वरोजगार या रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि कौशल विकास केंद्र महिलाओं को नई क्षमताएं सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

इस पहल में फैशन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को आधुनिक तकनीकों और बाजार की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करने के लिए तैयार किया जाएगा। इससे वे बदलते समय के साथ अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग कर सकेंगी। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने कहा कि पुनर्वास की प्रक्रिया में कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब किसी व्यक्ति के पास हुनर और आत्मनिर्भर बनने का साधन होता है तो वह समाज में सकारात्मक योगदान दे सकता है।

वेंटिलेटर की कमी बनी नवजात की मौत का कारण, आयोग ने जांच के दिए आदेश

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने हिसार के सिविल अस्पताल में वेंटिलेटर की सुविधा नहीं मिलने के कारण नवजात की मौत के मामले में सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने कहा है कि यदि सामने आए तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह केवल एक नवजात की मौत का मामला नहीं, बल्कि प्रदेश की नवजात स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन व्यवस्था में गंभीर कमी को दर्शाता है।

आयोग के अनुसार, हिसार के सिविल अस्पताल में एक नवजात बच्चे का जन्म हुआ था। जन्म के बाद बच्चे को सांस लेने में परेशानी होने लगी और उसे तत्काल वेंटिलेटर की आवश्यकता थी। लेकिन अस्पताल में उपलब्ध एकमात्र नवजात वेंटिलेटर पहले से किसी अन्य मरीज के उपयोग में था। समय पर आवश्यक सुविधा नहीं मिलने के कारण नवजात की मौत हो गई।

मामले को गंभीर मानते हुए हरियाणा मानवाधिकार आयोग की पीठ ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशक, पीजीआईएमएस रोहतक, महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा, सिविल सर्जन हिसार और जिला चिकित्सा लापरवाही बोर्ड हिसार से जवाब मांगा है।

आयोग ने अधिकारियों से अस्पताल में नवजात देखभाल की सुविधाओं, रेफरल व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जानकारी देने को कहा है। आयोग ने यह भी जानना चाहा है कि ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। आयोग ने अधिकारियों से शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत कर कमियों को दूर करने के निर्देश जारी किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिविल अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल, चोरों ने ऑक्सीजन पाइपलाइन को बनाया निशाना

भारतेंन्दु संवाददाता, पंचकूला। सिविल अस्पताल के मदर एंड चाइल्ड अस्पताल में शुक्रवार को चोरी की घटना से हड़कंप मच गया। दो चोर मुख्य गेट से अंदर दाखिल हुए और लिफ्ट के जरिए सातवीं मंजिल तक पहुंच गए। यहां उन्होंने केंद्रीय ऑक्सीजन पाइपलाइन की कॉपर पाइप काट दी, जिससे पूरे अस्पताल की ऑक्सीजन सप्लाई बाधित हो गई। इस घटना का सबसे गंभीर असर चौथी मंजिल स्थित पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट में हुआ, जहां वेंटिलेटर पर भर्ती दो नवजातों की हालत बिगड़ने लगी। डॉक्टरों और स्टाफ ने तुरंत मोर्चा संभाला और ऑक्सीजन सिलिंडर लगाकर दोनों बच्चों को वैकल्पिक सपोर्ट दिया। समय रहते कार्रवाई से बड़ी अनहोनी टल गई। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है।

पुरानी दुश्मनी बनी वजह, नया गांव में युवकों से मारपीट; पांच पर केस

भारतेंन्दु संवाददाता, नयागांव। जनता कॉलोनी में पुरानी रंजिश के चलते युवकों पर हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में अप्पू हवलदार सहित कई युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता अप्पू हवलदार के अनुसार आठ जुलाई की शाम वह अपने दोस्तों मनदीप, सुनील कुमार, रणजीत और लक्ष्मण के साथ सीमेंट स्टोर के पास खड़ा था। इसी दौरान संदीप, रूबल, नोडी, लक्ष्य और रवि वहां पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

अबोहर में डिग्गी में डूबे भाई-बहन, लुधियाना में नाबालिग से दुष्कर्म केस

भारतेंन्दु संवाददाता, अबोहर। गांव में बने पानी की डिग्गी में डूबने से चचेरे भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। दोनों बच्चे खेलते हुए डिग्गी के पास पहुंचे थे, जहां हादसा हुआ। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। वहीं, शहर में खुद को पुलिस अधिकारी बताकर नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों मामलों में कार्रवाई शुरू कर दी है। अबोहर हादसे की जांच जारी है, जबकि लुधियाना मामले में आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

शहर में जलभराव से लोग परेशान, नगर परिषद को कार्रवाई का अल्टीमेटम

भारतेंन्दु संवाददाता, जीरकपुर। शहर में जलभराव, ओवरफ्लो सीवर और जनस्वास्थ्य समस्याओं को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता निखिल शर्मा ने जीरकपुर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में नगर परिषद पर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता ने कहा कि मामूली बारिश के बाद भी शहर की कई सड़कें जलमग्न हो जाती हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जलभराव के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होता है। खुले सीवर और पानी में छिपे गड्ढों से हादसों का खतरा बना रहता है। नोटिस में 48 घंटे के भीतर स्थिति सुधारने और आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि गंदे पानी और कचरे के कारण डेंगू, मलेरिया सहित अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। समय रहते समाधान नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

पानी कनेक्शन नहीं देने पर चंडीगढ़ नगर निगम पर लगा 10 हजार रुपये जुर्माना

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पानी का कनेक्शन देने में असमर्थ होने के बावजूद उपभोक्ता से शुल्क लेना और जमा राशि वापस नहीं करना चंडीगढ़ नगर निगम को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने मामले में नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यवहार माना है। आयोग ने नगर निगम को शिकायतकर्ता की बकाया 2,237 रुपये की राशि वापस करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मानसिक परेशानी और मुकदमे के खर्च के रूप में उपभोक्ता को 10 हजार रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता से शुल्क लेने के बाद सेवा उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी होती है। नगर निगम को आदेश का पालन 45 दिनों के भीतर करना होगा।

उपभोक्ता को राहत, नगर निगम को लौटानी होगी जमा राशि

आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी विभाग द्वारा उपभोक्ता से शुल्क लेने के बाद सेवा उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी होती है। मामले में देरी और लापरवाही को गंभीर मानते हुए आयोग ने उपभोक्ता के हित में फैसला सुनाया। नगर निगम को निर्धारित अवधि में राशि और मुआवजे का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन नहीं होने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इस फैसले से उपभोक्ताओं के अधिकारों को मजबूती मिली है। आयोग ने कहा, सेवा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी तय होगी।

सुखना लेक का बढ़ा जलस्तर, तेज बारिश पर खुल सकते हैं फ्लड गेट, प्रशासन अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर में लगातार हो रही बारिश के चलते सुखना लेक का जलस्तर बढ़ गया है। बढ़ते पानी को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों ने स्थिति पर नजर रखने के लिए निगरानी शुरू कर दी है। मौसम विभाग की ओर से आने वाले समय में तेज बारिश की संभावना जताई गई है, ऐसे में प्रशासन ने आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर ली है।

प्रशासन के अनुसार यदि बारिश का सिलसिला तेज हुआ और सुखना लेक में पानी का स्तर निर्धारित सीमा से ऊपर पहुंचा तो फ्लड गेट खोलने का निर्णय लिया जा सकता है। इसके लिए संबंधित विभागों को अलर्ट पर रखा गया है। झील के आसपास के क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सुखना लेक के जलस्तर, आसपास के नालों और पानी की निकासी व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे।

लोगों से भी अपील की गई है कि वे बारिश के दौरान झील और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचें। मानसून के दौरान सुखना लेक का जलस्तर बढ़ना सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन तेज बारिश की स्थिति में पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए फ्लड गेट खोले जाते हैं। इससे आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। प्रशासन ने नगर निगम, आपदा प्रबंधन और अन्य संबंधित विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि लोगों की सुरक्षा और शहर की व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। मौसम की स्थिति के अनुसार आगे के फैसले लिए जाएंगे। प्रशासन ने कहा है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कदम उठाए जाएंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

सतलुज फिल्म में 25 हजार लापता लोगों के दावे पर रवनीत बिट्टू भड़के, सबूत नहीं देने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

केंद्रीय रेल राज्य एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म 'सतलुज' में किए गए 25 हजार लोगों के लापता होने अथवा अवैध रूप से अंतिम संस्कार किए जाने के दावे पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने फिल्म के निर्माता और निर्देशक को इस दावे के समर्थन में ठोस प्रमाण सार्वजनिक करने की चुनौती दी है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों को लेकर यदि निर्माता-निर्देशक के पास सरकारी रिकॉर्ड, दस्तावेजी साक्ष्य, न्यायिक निष्कर्ष और प्रमाणित आंकड़े मौजूद हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतने गंभीर दावे केवल आरोपों के आधार पर नहीं किए जा सकते, बल्कि उनके पीछे विश्वसनीय प्रमाण होना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि फिल्म में किए गए 25 हजार लोगों के लापता होने या गैर-कानूनी तरीके से अंतिम संस्कार किए जाने के दावे सही साबित होते हैं तो वह स्वयं सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए तैयार हैं।

लेकिन यदि इन दावों के समर्थन में कोई प्रमाण नहीं दिया जाता तो इस मामले में उपलब्ध सभी संवैधानिक और कानूनी विकल्पों पर विचार किया जाएगा। बिट्टू ने कहा कि किसी भी घटना या विषय को लेकर फिल्म बनाने की स्वतंत्रता है, लेकिन इसके माध्यम से समाज में भ्रम फैलाने वाले या बिना प्रमाण वाले दावे करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में तथ्यों की प्रमाणिकता और जिम्मेदारी का ध्यान रखा जाना चाहिए।

उन्होंने फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे अपने दावों को स्पष्ट करें और संबंधित दस्तावेज सामने रखें, ताकि सच्चाई लोगों के सामने आ सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई गंभीर आरोप लगाया जाता है तो उसकी पुष्टि के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड और जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध होनी चाहिए। रवनीत सिंह बिट्टू के बयान के बाद फिल्म को लेकर राजनीतिक और सामाजिक चर्चा तेज हो गई है।

उन्होंने कहा कि पंजाब और देश के इतिहास से जुड़े मामलों में तथ्यों के साथ छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। ऐसे विषयों पर जनता के बीच गलत संदेश जाने से बचना जरूरी है। उन्होंने दोहराया कि यदि फिल्म में किए गए दावे प्रमाणित होते हैं तो वह अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने में पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन बिना सबूत के ऐसे दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए प्रमाण और रिकॉर्ड का सार्वजनिक होना आवश्यक है। बिट्टू ने कहा कि संवेदनशील ऐतिहासिक विषयों पर फिल्म निर्माण की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है। उन्होंने निर्माताओं से तथ्यों की पुष्टि कर जनता के सामने सही जानकारी रखने की अपील की।

चंडीगढ़ में अगस्त से जनवरी तक उत्सवों की धूम, तीन मैदान फाइनल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। शहरवासियों और पर्यटकों के लिए आने वाले महीनों में मनोरंजन और खरीदारी के कई अवसर मिलने वाले हैं। चंडीगढ़ नगर निगम ने शहर में शॉपिंग फेस्टिवल और अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए निगम ने तीन प्रमुख मैदानों को अंतिम रूप दिया है, जहां अगस्त से जनवरी तक अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगर निगम की योजना के अनुसार इन आयोजनों में शॉपिंग फेस्टिवल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खान-पान स्टॉल, हस्तशिल्प बाजार और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रम शामिल होंगे। इन मेलों के जरिए स्थानीय कारोबारियों, छोटे व्यापारियों और कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा और उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। निगम अधिकारियों के अनुसार आयोजन स्थलों पर लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य जरूरी सुविधाओं का प्रबंध किया जाएगा। बड़े स्तर पर होने वाले इन कार्यक्रमों में शहर के लोगों के साथ आसपास के क्षेत्रों से आने वाले आगंतुकों के शामिल होने की उम्मीद है।

फेस्टिवल सीजन को देखते हुए नगर निगम शहर में आकर्षक माहौल तैयार करने की योजना बना रहा है। अगस्त से शुरू होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला जनवरी तक जारी रहेगी। निगम का उद्देश्य इन आयोजनों के माध्यम से शहर में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और लोगों को मनोरंजन के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। नगर निगम जल्द ही आयोजन स्थलों, तारीखों और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी जारी करेगा। उम्मीद है कि ये आयोजन चंडीगढ़ को एक नए उत्सवी रंग में पेश करेंगे। इन आयोजनों को सफल बनाने के लिए नगर निगम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर तैयारियों को अंतिम रूप देगा। कार्यक्रमों के दौरान शहर की व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर भी विशेष योजना तैयार की जाएगी। निगम का प्रयास रहेगा कि लोगों को बेहतर सुविधाओं के साथ यादगार अनुभव मिल सके।

चंडीगढ़ में तेज रफ्तार मर्सिडीज ने दो युवकों को उड़ाया, नाबालिग चालक होने का दावा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही दोनों युवक कई फीट दूर सड़क पर जा गिरे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुर्घटना का पूरा घटनाक्रम दिखाई दे रहा है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत घायलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी तेज गति से चल रही थी। टक्कर के बाद चालक मौके से भागने की कोशिश करता दिखा। घटना के बाद यह दावा भी किया जा रहा है कि हादसे के समय कार एक नाबालिग चला रहा था। हालांकि पुलिस ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और सामने आए वीडियो की भी जांच की जा रही है, ताकि हादसे की पूरी सच्चाई सामने आ सके। वाहन को कब्जे में लेकर उसकी तकनीकी जांच भी कराई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि दुर्घटना के समय वाहन कौन चला रहा था और क्या उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस था। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में नाबालिग के वाहन चलाने या किसी प्रकार की लापरवाही की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम और अन्य लागू धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से सड़क पर यातायात नियमों का पालन करने और तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की अपील भी की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय सड़क पर सामान्य यातायात चल रहा था, लेकिन तेज रफ्तार कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी तथा घायलों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने तक किसी भी दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की जाएगी और सभी तथ्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई होगी। घटना के बाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें।

पीजीआई न्यूरो सेंटर में मरीजों को राहत, 200 क्षमता का वेटिंग हॉल तैयार

पीजीआई ने ट्रॉली शेड क्षेत्र को बदला वेटिंग हॉल में, मरीजों और तीमारदारों के लिए बढ़ाई बैठने की सुविधा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पीजीआई के एडवांस्ड न्यूरो साइंस सेंटर (एएनसी) में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को अब अपनी बारी के इंतजार में अस्पताल के बाहर खड़े रहने की परेशानी से राहत मिलेगी। मरीजों की बढ़ती संख्या और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रशासन ने बड़ा कदम उठाते हुए ट्रॉली शेड वाले क्षेत्र को खाली करवाकर उसे नए वेटिंग एरिया में बदल दिया है।

इस नए वेटिंग हॉल में अब करीब 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यहां मरीजों और उनके साथ आने वाले तीमारदारों के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सियां लगाई गई हैं। गर्मी और उमस से राहत देने के लिए पंखों की भी व्यवस्था की गई है। इससे पहले इस स्थान पर केवल लगभग 100 लोगों के बैठने की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन न्यूरो सेंटर में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या को देखते हुए इसकी क्षमता को दोगुना कर दिया गया है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि न्यूरो साइंस सेंटर में देशभर से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के साथ उनके परिजन भी घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करते हैं। ऐसे में बाहर खड़े रहने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीज और तीमारदार आराम से बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर सकेंगे।

एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव चौहान ने बताया कि मरीजों और तीमारदारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना अस्पताल प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से वेटिंग एरिया को विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुविधा और व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल के बाहर बने शेड को भी खाली करवा दिया गया है। इस क्षेत्र को जल्द ही पूरी तरह वातानुकूलित बनाया जाएगा, जिससे मरीजों और परिजनों को और अधिक आराम मिल सके। आने वाले समय में यहां सुविधाओं को और बढ़ाने की योजना भी बनाई जा रही है।

पीजीआई प्रशासन ने मरीजों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पहले से लागू टोकन प्रणाली को भी सुचारु बताया है। इस व्यवस्था के तहत मरीजों को अपनी बारी की जानकारी मिलती रहती है और अस्पताल परिसर में अनावश्यक भीड़ कम होती है। न्यूरो साइंस सेंटर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज जांच और इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीज भी शामिल होते हैं। कई बार लंबा इंतजार करना पड़ता है, जिसके कारण मरीजों और तीमारदारों को परेशानी होती थी। नए वेटिंग हॉल से इस समस्या में काफी कमी आने की उम्मीद है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के साथ-साथ उनके आराम और सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। नई व्यवस्था से पीजीआई आने वाले मरीजों और उनके परिवारों को राहत मिलेगी और अस्पताल में व्यवस्था भी बेहतर होगी। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भविष्य में भी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। नए वेटिंग एरिया से मरीजों और तीमारदारों को मौसम की परेशानी से राहत मिलेगी। पीजीआई की यह पहल मरीज केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भाजपा का पंजाब मिशन तेज, पीएम मोदी के दौरों से चुनावी तैयारी को मिलेगी रफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनाधार बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 जुलाई को प्रस्तावित पंजाब दौरा इसी अभियान का अहम हिस्सा माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, भाजपा इस बार पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पिछले पांच महीनों में दूसरा पंजाब दौरा होगा। इससे पहले वह एक फरवरी को जालंधर पहुंचे थे। इसके अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी पंजाब का दौरा कर चुके हैं। पार्टी नेताओं के लगातार दौरों को राज्य में संगठन विस्तार और चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे को लेकर शिरोमणि अकाली दल से भाजपा का करीब तीन दशक पुराना गठबंधन समाप्त हो गया था। इसके बाद भाजपा ने पंजाब में अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। पार्टी अब ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाने और नए मतदाताओं को जोड़ने की कोशिश कर रही है।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सहयोगी दलों के साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। भाजपा को सीमित सीटें मिली थीं और उसका मत प्रतिशत भी करीब छह से सात फीसदी के बीच रहा था। वहीं, आम आदमी पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार बनाई थी। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव किए और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की कवायद शुरू की। पार्टी का फोकस नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने और राज्य में अपना वोट बैंक बढ़ाने पर है। प्रधानमंत्री के आगामी दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है। पार्टी नेताओं का मानना है कि केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता से पंजाब में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। आने वाले समय में भाजपा की ओर से राज्य में और बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है।

भाजपा की रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्रीय नेताओं के लगातार पंजाब दौरे को चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और मतदाता संपर्क अभियान को तेज करने पर जोर दे रही है। संगठन स्तर पर बैठकों और कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा राज्य में अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि प्रधानमंत्री के दौरे से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा और चुनावी अभियान को नई दिशा मिलेगी।

जालंधर में दिनदहाड़े लूट, बाबा बनकर आए बदमाशों ने महिला के लूटे गहने

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। शहर में दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गुलाब देवी अस्पताल रोड स्थित रोज पार्क गुरुद्वारा साहिब के पास सब्जी खरीद रही एक महिला को बाबा के भेष में आए तीन बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोप है कि बदमाश महिला के गहने लूटने के बाद उसे कार से करीब 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गए। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, महिला रोज पार्क गुरुद्वारा साहिब के पास सब्जी खरीद रही थी। इसी दौरान लाल रंग की ऑल्टो कार में सवार तीन व्यक्ति वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ बदमाश बाबा के वेश में थे। उन्होंने महिला को किसी तरह बहकाने या बातों में उलझाने की कोशिश की। इसी दौरान उन्होंने महिला के पहने हुए गहने छीन लिए।

महिला ने जब इसका विरोध किया तो बदमाशों ने कथित तौर पर उसे कार के साथ घसीटना शुरू कर दिया। महिला करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई और बाद में गिर गई। हादसे में उसके चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

लोगों ने दिनदहाड़े हुई इस वारदात को लेकर नाराजगी जताई और पुलिस से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। कार के नंबर और बदमाशों की गतिविधियों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में इस तरह की वारदातों से लोगों में डर का माहौल बन रहा है। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है।

राम मंदिर चंदा विवाद पर कांग्रेस हमलावर राठौर ने सुप्रीम कोर्ट निगरानी में मांगी जांच

कांग्रेस प्रवक्ता ने मांग की कि निधि से जुड़े सभी आरोपों की गहन जांच करवाई जाए

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाई गई निधि को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता राठौर ने अमृतसर पहुंचकर इस मामले में निशाना साधा और कहा कि चंदे से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करवाई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

राठौर ने कहा कि राम मंदिर देश के करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है। ऐसे में मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित की गई राशि को लेकर पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चंदे को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब जनता के सामने आना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी धार्मिक संस्था या बड़े अभियान से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों में स्पष्टता और जवाबदेही जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता हुई है तो उसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं पर भी सवाल उठाए। राठौर ने कहा कि जांच एजेंसियों को निष्पक्ष तरीके से काम करना चाहिए और मामले की वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखनी चाहिए। वहीं, कांग्रेस के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

भाजपा और मंदिर समर्थक संगठनों की ओर से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है। गौरतलब है कि राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर से लोगों ने सहयोग राशि दी थी। इसी निधि को लेकर समय-समय पर राजनीतिक दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप होते रहे हैं।

पंजाब में बदला मौसम का मिजाज, जालंधर-फिरोजपुर में बारिश से राहत

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

पंजाब में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह धूप निकलने के बाद दोपहर से पहले ही तेज हवाओं और घने काले बादलों के साथ कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। जालंधर और फिरोजपुर में हुई बारिश से उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया।

जानकारी के अनुसार, जालंधर में सुबह के समय तेज धूप थी, लेकिन कुछ ही समय बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला। आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। वहीं, फिरोजपुर में भी सुबह से बादल छाए हुए थे। करीब 11 बजे के बाद मौसम ने करवट ली और बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण वातावरण में ठंडक आई और पिछले कई दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली।

बारिश के बाद शहरों में मौसम काफी सुहावना हो गया। लोगों ने घरों से बाहर निकलकर बदले मौसम का आनंद लिया। वहीं, किसानों के लिए भी बारिश राहत लेकर आई है। खेती से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में होने वाली बारिश फसलों के लिए लाभदायक साबित होगी। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना बनी रह सकती है। लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने भी मौसम में बदलाव को देखते हुए सतर्क रहने की अपील की है। बारिश के बाद लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताई है।

जालंधर डीसी दफ्तर के पास संदिग्ध युवक का हंगामा पुलिसकर्मी की वर्दी पर हाथ डालने की कोशिश से मचा बवाल

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

शहर में उस समय हंगामा हो गया, जब डीसी दफ्तर के पास सड़क पर एक संदिग्ध युवक पुलिस मुलाजिम से उलझ गया। आरोप है कि युवक ने पुलिसकर्मी की वर्दी पर हाथ डालने की कोशिश की और उसका बैच तक उतार दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, पुलिस मुलाजिम किसी काम से डीसी कार्यालय के पास मौजूद था। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा और किसी बात को लेकर पुलिसकर्मी से बहस करने लगा। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और युवक ने कथित तौर पर पुलिसकर्मी के साथ अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ने पुलिस मुलाजिम की वर्दी पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान उसने

पुलिसकर्मी की वर्दी से बैच भी उतार दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन युवक काफी देर तक हंगामा करता रहा।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और युवक को काबू में किया। पुलिस ने युवक को रोककर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों की ओर से युवक की पहचान और उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वर्दी पर हाथ डालना और सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालना गंभीर मामला है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद आसपास के लोगों में चर्चा का माहौल रहा। लोगों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस कर्मचारियों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। वहीं, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून हाथ में लेने के बजाय पुलिस को सूचना दें। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। युवक के खिलाफ कार्रवाई जांच के बाद तय की जाएगी। पुलिस आसपास लगे कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि युवक के व्यवहार से कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया था। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए स्थिति को संभाला और किसी बड़े विवाद को होने से रोक लिया।

अधिकारियों के अनुसार, मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही युवक के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। मामले की जांच जारी है और जल्द स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों को जुटाया जा रहा है। युवक की पहचान, घटना के पीछे के कारण और उसके व्यवहार की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

तरनतारन में युवक की तेज हथियारों से हत्या, बुर्ज गांव के पास मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, तरनतारन

रविवार को हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बुर्ज गांव के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक की तेजधार हथियारों से हमला कर हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने बुर्ज गांव के नजदीक शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। बताया जा रहा है कि मृतक के खिलाफ जिले के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस

अब हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। जांच में पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है।

पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास लगे कैमरों की फुटेज और संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

अमृतसर-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर को मिली हरी झंडी, जल्द शुरू होगी सेवा

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। छेहर्टा से वाराणसी के बीच चलने वाली प्रस्तावित वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस अब 17 जुलाई से पटरी पर दौड़ेगी। पहले इस ट्रेन को 12 जुलाई से शुरू करने की योजना थी, लेकिन रेलवे ने कार्यक्रम में बदलाव करते हुए नई तारीख तय की है। ट्रेन का नाम संत रविदास एक्सप्रेस रखा गया है। इसका संचालन सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जालंधर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इसी दिन जालंधर के नए रेलवे स्टेशन के उद्घाटन का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है। छेहर्टा-वाराणसी संत रविदास एक्सप्रेस दोपहर 2:05 बजे छेहर्टा स्टेशन से रवाना होगी।

स्वास्थ्य मंत्री सहित अन्य को अदालत का नोटिस, महिला की शिकायत पर कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह, उनके बेटे और ऑफिस इंचार्ज समेत पांच लोगों को पटियाला कोर्ट ने समन जारी किया है। अदालत ने वर्ष 2025 से जुड़े एक मामले में सभी को 20 जुलाई को पेश होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई आम आदमी पार्टी की पूर्व जिला मंत्री की शिकायत के आधार पर की गई है। कोर्ट ने शिकायत पर सुनवाई के बाद संबंधित लोगों को नोटिस भेजा है। अब सभी पक्षों को अदालत में उपस्थित होकर मामले से जुड़े तथ्यों पर जवाब देना होगा। मामले में आगे की कार्रवाई सुनवाई के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और पक्षों के जवाब के आधार पर तय की जाएगी।अदालत के आदेश के बाद इस मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, अभी तक संबंधित पक्षों की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कोर्ट की अगली सुनवाई में मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

लाडोवाल टोल पर जत्थेबंदियों का प्रदर्शन, दो किलोमीटर लगा लंबा जाम

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

लाडोवाल टोल प्लाजा पर रविवार को सिख जत्थेबंदियों की ओर से चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई और करीब 2 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, सिख जत्थेबंदियां चेतन शर्मा की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर रोष जता रही थीं। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी लाडोवाल टोल प्लाजा पर पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने सड़क पर बैठकर वाहनों की आवाजाही रोक दी। प्रदर्शन के चलते टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन जाम में फंस गए। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी हुई। कुछ वाहन चालकों ने दूसरे रास्तों का सहारा लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि लंबे समय तक जाम रहने से काफी परेशानी हुई।

सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की और यातायात व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चेतन शर्मा की गिरफ्तारी को लेकर उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। टोल प्लाजा पर स्थिति को सामान्य करने के प्रयास जारी हैं। प्रदर्शन के चलते टोल प्लाजा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। अधिकारियों का कहना है कि बातचीत के माध्यम से मामले का समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जोगर पार्क में दर्दनाक घटना, कलाई काटने के बाद बेहोशी हालत में मिली युवती

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

शहर के जोगर पार्क में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती लहूलुहान हालत में मिली। युवती ने कथित तौर पर ब्लेड से अपनी कलाई की नस काट ली थी। पार्क में मौजूद लोगों ने इसकी सूचना तुरंत मददगार संस्था सहारा जनसेवा को दी। सूचना मिलते ही संस्था की टीम मौके पर पहुंची और युवती को प्राथमिक सहायता देने के बाद उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, युवती पार्क में घायल अवस्था में पड़ी हुई थी। उसके हाथ से काफी खून बह रहा था। आसपास मौजूद लोगों ने स्थिति को देखते हुए बिना देरी किए राहत कार्य शुरू किया। सहारा संस्था के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर युवती को संभाला और उसे एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने युवती का उपचार शुरू किया। फिलहाल उसकी हालत के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की सूचना पुलिस को भी दी

गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवती ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

घटना के बाद पार्क में मौजूद लोगों में चिंता का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिवार और समाज को लोगों की मानसिक परेशानियों को समझने तथा समय रहते मदद करने की जरूरत है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, युवती के बयान दर्ज करने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है।

सहारा संस्था ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को मानसिक तनाव या परेशानी में देखकर तुरंत सहायता उपलब्ध करवाएं, ताकि समय रहते उसकी मदद की जा सके। घटना के बाद पुलिस ने पार्क और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू कर दी है। युवती की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है।

सीमा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई, तरनतारन से 10 किलो हेरोइन बरामद

भारतेन्दु संवाददाता,तरनतारन। पंजाब के तरनतारन जिले में बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। सुरक्षा एजेंसियों ने ड्रोन के जरिए गिराई गई करीब 10 किलो हेरोइन की खेप बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 55 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, सीमा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए बीएसएफ और पुलिस की टीमों ने कार्रवाई की। जांच के दौरान उन्हें नशीले पदार्थ की खेप मिली, जिसे ड्रोन के माध्यम से भारत में भेजे जाने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने बरामद हेरोइन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों की ओर से आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और नशा तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पंजाब में सीमा पार से होने वाली तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।बीएसएफ और पुलिस की कार्रवाई से सीमा पार नशा तस्करी की साजिश नाकाम हुई है।

अबोहर में किसान की नहर में डूबने से मौत, मिर्गी दौरे की आशंका

भारतेन्दु संवाददाता, अबोहर

गांव सुखचैन में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 36 वर्षीय किसान की नहर में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान प्रेम कुमार पुत्र इमीलाल के रूप में हुई है। परिजनों ने आशंका जताई है कि मिर्गी का दौरा पड़ने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह घर के बाहर से गुजर रही नहर में जा गिरा।

जानकारी के अनुसार, प्रेम कुमार शनिवार को घर से बाहर गया था। काफी समय तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिवार के सदस्यों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान उसका कोई सुराग नहीं मिला। बाद में नहर के पास उसकी मौजूदगी को लेकर जानकारी मिली, जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर खोजबीन शुरू की। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को नहर से बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, प्रेम कुमार लंबे समय से मिर्गी की बीमारी से परेशान था। उन्हें आशंका है कि अचानक दौरा पड़ने के कारण वह नहर में गिर गया होगा। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रेम कुमार मेहनती किसान था और परिवार का सहारा था। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच में सहयोग करें। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की स्थिति स्पष्ट होगी।

विवाद

ट्रेन में नारों के दावे के बाद सुरक्षा एजेंसियां हुईं सतर्क,रेलवे परिसरों में निगरानी बढ़ाई

पीएम दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे, आतंकी पन्नू ने फिर उगला जहर

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

प्रधानमंत्री के पंजाब दौरे से पहले एक ट्रेन में खालिस्तानी समर्थक नारे लिखे होने का दावा सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इस मामले को लेकर आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से जुड़े गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसने इस घटना का जिक्र किया है।

जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में पन्नू ने ट्रेन में लिखे गए कथित खालिस्तानी नारों को लेकर दावा किया है। वीडियो में उसने खालड़ा का भी जिक्र किया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में रेलवे और स्थानीय पुलिस को भी अलर्ट किया गया है। अधिकारियों की ओर से ट्रेन और रेलवे परिसरों में सुरक्षा

व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पन्नू की ओर से जारी वीडियो को लेकर जांच एजेंसियां इसकी सत्यता और इसके पीछे जुड़े लोगों की पहचान करने में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की अफवाह या माहौल खराब करने वाली गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि खालड़ा के नाम और उससे जुड़े विषयों पर पहले भी विवाद सामने आते रहे हैं। इसी संदर्भ में बनी फिल्म 'सतलुज' को लेकर भी विवाद हुआ था और इसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। रेलवे स्टेशनों और प्रमुख स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। फिलहाल मामले में जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।सुरक्षा एजेंसियां सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री की भी निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि पंजाब में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। मामले की जांच लगातार जारी है।

बुलापुर गांव में अवैध धंधे का खुलासा, छापामारी में दो आरोपी गिरफ्तार और सामान बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, अमरगढ़

अमरगढ़ के नजदीकी गांव बुलापुर में खेतों के बीच बने एक मकान और पशुओं के बाड़े में कथित गौहत्या का मामला सामने आने से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में छह व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, थाना अमरगढ़ के एसएचओ सब इंस्पेक्टर जगसीर सिंह पुलिस टीम के साथ गांव नारीके कलां के पास गश्त कर रहे थे। इस दौरान पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी बीच गांव बुलापुर निवासी किसान सुखचरण सिंह ने पुलिस को सूचना दी कि गांव भुरथला मंडेर निवासी अमनदीप सिंह की करीब 19-20 बीघा जमीन बुलापुर में स्थित है, जहां एक मकान और पशुओं का बाड़ा बना हुआ है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, छापामारी के दौरान वहां से बड़ी मात्रा में मांस, गौवंश के अवशेष, कथित रूप से गौहत्या में इस्तेमाल किए गए औजार और दो जीवित गायें बरामद की गईं। पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में छह लोगों को नामजद किया गया है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। बरामद सामग्री को जांच के लिए भेजा गया है, ताकि मामले से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि की जा सके।

घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी लोग इस गतिविधि में शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सोशल मीडिया की बढ़ती लत और डिजिटल निर्भरता के बीच संतुलित जीवन की चुनौती

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। हाल ही में सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफार्म्स के सर्वर में आई तकनीकी खराबी ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि हम इस डिजिटल दुनिया पर कितने अधिक निर्भर हो चुके हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म कुछ घंटों के लिए ठप हुए तो मानो पूरी दुनिया की रफ्तार ही थम गई।

करोड़ों उपयोगकर्ता न तो अपने अकाउंट में लॉगिन कर पा रहे थे और न ही संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा था। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि लोगों की दिनचर्या का गहरा हिस्सा बन चुका है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब ने जहां लोगों को जोड़ने का काम किया है, वहीं इसके अत्यधिक उपयोग ने जीवनशैली को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन पर रहने से नींद की कमी, तनाव, मानसिक थकान और शारीरिक असंतुलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आज बड़ी संख्या में लोग अपने खान-पान और आराम के समय को भी सोशल मीडिया के लिए समर्पित कर देते हैं।

यह सवाल भी उठता है कि सोशल मीडिया आने से पहले लोग अधिक संतुलित और शांत जीवन जीते थे। आज स्थिति यह है कि कई लोग दिन-रात मोबाइल से जुड़े रहते हैं, जिससे पारिवारिक संवाद भी प्रभावित हो रहा है।

सबसे अधिक प्रभाव युवाओं पर देखा जा रहा है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की लत ने उनकी पढ़ाई, ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है। कई बार देखा गया है कि युवा पढ़ाई के बजाय रील्स, वीडियो और चैटिंग में अधिक समय बिताते हैं। कोरोना काल के दौरान ऑनलाइन शिक्षा ने मोबाइल उपयोग को और बढ़ा दिया, जिसका असर आज भी दिखाई देता है। लगातार स्क्रीन टाइम के कारण आत्मविश्वास में कमी, चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।

सोशल मीडिया का एक बड़ा नकारात्मक पक्ष इसका दुरुपयोग भी है। नकली आईडी, साइबर फ्रॉड, फर्जी प्रोफाइल और ऑनलाइन ठगी जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई लोग गलत जानकारी और भ्रामक कंटेंट का शिकार भी हो रहे हैं। इसके साथ ही अश्लील कंटेंट और अनुचित सामग्री की उपलब्धता बच्चों और किशोरों के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इंटरनेट का बिना नियंत्रण उपयोग आने वाले समय में गंभीर सामाजिक समस्या बन सकता है। सोशल मीडिया की बढ़ती लत ने पारिवारिक और सामाजिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। एक ही घर में रहने वाले लोग अब आमने-सामने संवाद करने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय बिताने लगे हैं, जिससे रिश्तों में दूरी और भावनात्मक जुड़ाव में कमी आ रही है। लोकप्रियता और फॉलोअर्स की होड़ में कई लोग अपनी निजी और पारिवारिक मर्यादाओं को भी नजरअंदाज कर रहे हैं।

लगातार स्मार्टफोन के उपयोग से गर्दन दर्द, आंखों की कमजोरी, नींद की कमी और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञ संतुलित उपयोग और सीमित स्क्रीन टाइम की सलाह देते हैं।

अभिभावक बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखें, जबकि स्कूल और समाज डिजिटल जागरूकता बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं। साथ ही सरकार को साइबर अपराधों और सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर सख्त नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून बनाने चाहिए। सोशल मीडिया ज्ञान और संवाद का सशक्त माध्यम है, लेकिन इसका जिम्मेदार उपयोग ही समाज और आने वाली पीढ़ियों के हित में है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। हाल ही में सोशल मीडिया कंपनी मेटा के सर्वर में आई तकनीकी खराबी ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि हम इस डिजिटल दुनिया पर कितने अधिक निर्भर हो चुके हैं। फेसबुक इंस्टाग्राम और अन्य मंच कुछ घंटों के लिए ठप हुए तो मानो पूरी दुनिया की रफ्तार ही थम गई।

करोड़ों उपयोगकर्ता न तो अपने खाते में लॉगिन कर पाए और न ही संदेशों का आदान प्रदान कर सके। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि सोशल मीडिया अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि लोगों की दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

सोशल मीडिया मंचों ने लोगों को जोड़ने और सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान में बड़ी भूमिका निभाई है लेकिन इसके अत्यधिक उपयोग ने जीवनशैली पर भी गहरा प्रभाव डाला है। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक मोबाइल स्क्रीन पर रहने से नींद की कमी तनाव मानसिक थकान और शारीरिक असंतुलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

सादा जीवन और उच्च विचार ही सफल सार्थक जीवन का सच्चा आधार

मानव जीवन की सच्ची सफलता धन, पद और बाहरी चमक-दमक से नहीं मापी जाती। असली मापदंड यह है कि व्यक्ति भीतर से कितना शुद्ध, ईमानदार और ऊंचा सोचने वाला है। हमारे संतों, महापुरुषों और चिंतकों ने इसी सत्य को समझकर कहा है कि सादा जीवन उच्च विचार ही मानव जीवन का आधार है। यह केवल कहने की बात नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण पद्धति है। सादगी बाहरी जीवन को संतुलित रखती है और उच्च विचार भीतर की आत्मा को दिशा देते हैं। जब दोनों का मेल होता है तभी मनुष्य सच्चे अर्थों में मनुष्य कहलाता है।

सादा जीवन का अर्थ गरीबी या अभाव नहीं है। इसका अर्थ है अनावश्यक इच्छाओं पर नियंत्रण रखना, दिखावे से दूर रहना और अपनी जरूरतों को सीमित रखना। जो व्यक्ति कम में संतुष्ट रहना सीख जाता है वही वास्तव में धनवान है। सादा जीवन मन को शांत और स्थिर रखता है। जब घर में सजावट सीमित हो, भोजन में सादगी हो, पहनावे में दिखावा न हो, तो मन इधर-उधर नहीं भटकता। समय, ऊर्जा और धन व्यर्थ की चीजों में नष्ट नहीं होते। महात्मा गांधी इसका सबसे बड़ा उदाहरण थे। वे खादी पहनते थे, जमीन पर सोते थे और सादा भोजन करते थे लेकिन उनके विचार इतने ऊंचे थे कि पूरी दुनिया ने उनके सामने सिर झुकाया। आज के समय में उपभोक्तावाद ने लोगों को वस्तुओं का गुलाम बना दिया है। नया फोन, बड़ी गाड़ी, ब्रांडेड कपड़े इनके पीछे भागते-भागते व्यक्ति अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है। सादा जीवन इस दौड़ से बाहर निकालकर व्यक्ति को अपने अंदर झाँकने का अवसर देता है।

उच्च विचार का अर्थ सोच का दायरा बड़ा होना है। स्वार्थ, ईर्ष्या, घृणा और छोटे-छोटे फायदे की सोच से ऊपर उठकर समाज, देश और मानवता के बारे में सोचना ही उच्च विचार है। उच्च विचार वाला व्यक्ति दूसरों की मदद में सुख पाता है। वह सच बोलता है, मेहनत पर भरोसा करता है और कठिनाइयों में भी धैर्य नहीं खोता। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, मदर टेरेसा जैसे लोगों का जीवन सादा था, पर उनके विचार इतने ऊँचे थे कि उन्होंने लाखों लोगों को प्रेरणा दी। उच्च विचार के बिना सादगी भी निष्प्राण हो जाती है। कोई व्यक्ति जंगल में जाकर सादा रह सकता है, लेकिन यदि उसकी सोच संकीर्ण है तो वह समाज के लिए अनुपयोगी रहता है। उच्च विचार ही सादगी को अर्थ और दिशा देते हैं। सादा जीवन और उच्च विचार एक-दूसरे के पूरक हैं। सादा जीवन बाहरी अनुशासन देता है और उच्च विचार आंतरिक बल प्रदान करते हैं। जब जीवन में दिखावा और विलासिता बढ़ जाती है तो मन भौतिक चीजों में उलझ जाता है। ऊँची सोच के लिए मन का खाली और शांत होना जरूरी है। जैसे साफ दर्पण में ही स्पष्ट प्रतिबिंब दिखता है, वैसे ही सादा जीवन में ही उच्च विचार पनपते हैं।

रश्मि शर्मा
अध्यापिका, घुमारवीं, जिला बिलासपुर

आज के प्रतिस्पर्धी और दिखावे से भरे दौर में 'सादा जीवन, उच्च विचार' का सिद्धांत पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया ने लोगों में दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ाई है, जिसके कारण तनाव, आर्थिक बोझ और रिश्तों में दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे समय में सादगी और सकारात्मक सोच जीवन को संतुलित बनाने का मार्ग दिखाती है।

इस सिद्धांत का अर्थ केवल सादा रहन-सहन नहीं, बल्कि ऊंचे आदर्शों, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी को अपनाना भी है। विद्यार्थी पढ़ाई और कौशल पर ध्यान देकर, गृहस्थ अनावश्यक खर्च रोककर तथा नेता जनसेवा को प्राथमिकता देकर इसे जीवन में उतार सकते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> **अपने** अनुभव का साहित्य किसी दर्शन के साथ नहीं चलता, वह अपना दर्शन पैदा करता है।
> **-कमलेश्वर**

संपादकीय

हर दिन को बनाएं सफल और यादगार

हर नया दिन अपने साथ नई संभावनाएं नई चुनौतियां और कुछ नया सीखने का अवसर लेकर आता है। जो व्यक्ति अपने दिन की शुरुआत सही ढंग से करता है वह न केवल अपने कामों को समय पर पूरा कर पाता है बल्कि मानसिक रूप से भी अधिक शांत आत्मविश्वासी और ऊर्जावान रहता है। इसके विपरीत बिना किसी योजना के दिन की शुरुआत अक्सर भागदौड़ तनाव और समय की कमी का कारण बन जाती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हर व्यक्ति अपने दिन की तैयारी सोच-समझकर करे ताकि उसका पूरा दिन व्यवस्थित और सफल बन सके। किसी भी दिन की सबसे बड़ी ताकत हमारी सोच होती है। सुबह उठते ही यदि मन में सकारात्मक विचार हों तो पूरे दिन उसका प्रभाव दिखाई देता है। जागने के बाद कुछ क्षण स्वयं के लिए निकालें और यह विश्वास रखें कि आज का दिन अच्छा रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर चिंता करने के बजाय अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। सकारात्मक सोच आत्मविश्वास बढ़ाती है और कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। दिन की अच्छी शुरुआत का पहला कदम समय पर उठना है। देर से जागने पर जल्दबाजी शुरू हो जाती है जिससे पूरा कार्यक्रम प्रभावित होता है। यदि आप रोज एक निश्चित समय पर उठने की आदत बना लेते हैं तो शरीर की जैविक घड़ी संतुलित रहती है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। सुबह का शांत वातावरण मन को एकाग्र करने और योजनाएं बनाने के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

सफल दिन की तैयारी केवल सुबह से नहीं बल्कि पिछली रात से शुरू होती है। यदि नींद पूरी नहीं होगी तो थकान चिड़चिड़ापन और एकाग्रता की कमी पूरे दिन महसूस होगी। अधिकांश वयस्कों के लिए सात से आठ घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद आवश्यक मानी जाती है। सोने से पहले मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरणों का कम उपयोग करना भी अच्छी नींद में सहायक होता है। सुबह हल्का व्यायाम तेज चाल से चलना योग या प्राणायाम शरीर और मन दोनों के लिए लाभदायक है। इससे रक्त संचार बेहतर होता है शरीर में ऊर्जा आती है और मानसिक तनाव कम होता है। नियमित व्यायाम से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। यदि समय कम हो तो केवल पंद्रह से बीस मिनट का व्यायाम भी दिनभर ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन माना जाता है। संतुलित नाश्ता शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है और काम करने की क्षमता बढ़ाता है। नाश्ते में फल दूध दही अंकुरित अनाज दलिया या अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल किए जा सकते हैं। खाली पेट घर से निकलने की आदत लंबे समय में स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

दिन की तैयारी का सबसे प्रभावी तरीका है कि सुबह या एक रात पहले अपने आवश्यक कार्यों की सूची बना लें। सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दें और उन्हें पहले पूरा करने का प्रयास करें। इससे समय का सही उपयोग होता है और किसी आवश्यक कार्य के छूटने की संभावना कम हो जाती है। सूची बनाने से लक्ष्य स्पष्ट रहते हैं और कार्यों को पूरा करने पर आत्मसंतोष भी मिलता है। हर व्यक्ति को चौबीस घंटे ही मिलते हैं लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनका उपयोग कैसे किया जाता है। अनावश्यक बातों सोशल मीडिया और बिना उद्देश्य के समय बिताने से बचें। हर कार्य के लिए एक निश्चित समय निर्धारित करें। समय का सम्मान करने वाला व्यक्ति जीवन में अधिक अनुशासित और सफल बनता है। आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं लेकिन दिन की शुरुआत सोशल मीडिया से करना कई बार ध्यान भंग कर देता है। सुबह उठते ही समाचार संदेश या सामाजिक माध्यम देखने के बजाय पहले अपनी दिनचर्या पूरी करें। डिजिटल माध्यमों का उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार करें ताकि समय और ऊर्जा दोनों की बचत हो सके।

सिर्फ शारीरिक रूप से स्वस्थ होना पर्याप्त नहीं है। मानसिक शांति भी उतनी ही आवश्यक है। ध्यान प्रार्थना या कुछ मिनट शांत बैठकर गहरी सांस लेना मन को स्थिर करता है। यदि किसी बात को लेकर चिंता हो तो उसे मन में दबाने के बजाय किसी विश्वसनीय व्यक्ति से चर्चा करें। स्वस्थ मन ही स्वस्थ निर्णय ले सकता है। चाहे आप छात्र हों कर्मचारी हों या व्यवसायी कार्यस्थल का साफ और व्यवस्थित होना बहुत महत्वपूर्ण है। बिखरा हुआ वातावरण काम में बाधा डालता है जबकि व्यवस्थित स्थान एकाग्रता बढ़ाता है। आवश्यक दस्तावेज पुस्तकें या उपकरण पहले से तैयार रखने से समय की बचत होती है। हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करें। यह कोई नई जानकारी नई भाषा नई तकनीक या कोई प्रेरणादायक पुस्तक हो सकती है। लगातार सीखने की आदत व्यक्ति को बदलते समय के साथ आगे बढ़ने में मदद करती है। ज्ञान जितना बढ़ता है आत्मविश्वास भी उतना ही मजबूत होता है।

दिनभर की व्यस्तता के बीच कुछ समय अपने शौक और रुचियों के लिए अवश्य निकालें। संगीत सुनना पुस्तक पढ़ना बागवानी करना चित्र बनाना या परिवार के साथ समय बिताना मानसिक ताजगी देता है। जीवन केवल काम तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसमें संतुलन भी होना चाहिए। हर दिन हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कभी अचानक कोई समस्या सामने आ सकती है। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय धैर्य और समझदारी से निर्णय लेना चाहिए। असफलता या कठिनाई को सीखने का अवसर मानने वाले लोग आगे चलकर अधिक मजबूत बनते हैं। रात को सोने से पहले कुछ मिनट यह सोचें कि दिनभर कौन से कार्य पूरे हुए और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। अगले दिन की प्राथमिकताएं तय करें और आवश्यक तैयारी पहले से कर लें। यह आदत धीरे-धीरे आपको अधिक संगठित और आत्मविश्वासी बना देगी।

-शिवांश धाकड़

तीन दशक की आर्थिक प्रगति के बाद भी विकास के लाभों का समान वितरण अब भी बड़ी चुनौती

सन् 1991 में आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों को अपनाने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। उद्योग, निवेश, निर्यात और कॉरपोरेट क्षेत्र का विस्तार हुआ तथा देश वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरा। हालांकि, तीन दशकों बाद यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंच पाया है।

राकेश डोगरा
गांव कौना हल्दरा, पालमपुर

वास्तविकता यह है कि आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ बेरोजगारी, आय असमानता, कृषि संकट और महंगाई जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। एक ओर बड़ी कंपनियों और संपन्न वर्ग की संपत्ति में वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर बड़ी आबादी आज भी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवनयापन की बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए केवल आर्थिक विकास दर को सफलता का पैमाना नहीं माना जा सकता। विकास तभी सार्थक होगा जब उसके लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

जीडीपी की चमक और आमजन की हकीकत : भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, लेकिन ज्ष्ठक्क का आकार ही वास्तविक विकास का पूर्ण संकेत नहीं है। ज्ष्ठक्क कुल आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है, जबकि प्रति व्यक्ति आय जीवन स्तर का बेहतर सूचक है। देश में विकास के बावजूद आय असमानता, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। कॉरपोरेट मुनाफा और संपत्ति में वृद्धि के बीच आम नागरिक की आय और जीवन गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं दिखता। इसलिए विकास का मूल्यांकन केवल ज्ष्ठक्क से नहीं, बल्कि रोजगार, आय वितरण और जीवन स्तर के आधार पर होना चाहिए।

अनुसंधान का खर्च सरकार उठाए, लाभ कौन ले? : किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था की ताकत अनुसंधान एवं विकास पर निर्भर करती है, लेकिन भारत इस क्षेत्र में अभी भी पीछे है। देश अपने का केवल लगभग 0.65 पर खर्च करता है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 2त्न है। भारत में अनुसंधान व्यय का अधिकांश हिस्सा सरकार वहन करती है, जबकि निजी क्षेत्र की भागीदारी कम है। इसके विपरीत विकसित देशों में उद्योग अनुसंधान में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह स्थिति प्रश्न उठाती है कि जब विकास का लाभ निजी क्षेत्र को मिलता है, तो नवाचार की जिम्मेदारी भी उसी की अधिक क्यों नहीं है।

रोजगारविहीन विकास की चुनौती : भारत में आर्थिक विकास के साथ रोजगार सृजन का अनुपात कमजोर रहा है। वृद्धि के बावजूद युवाओं में बेरोजगारी, शिक्षित बेरोजगारी और असंगठित क्षेत्र में असुरक्षित रोजगार गंभीर समस्या बने हुए हैं। इसी कारण इसे रोजगारविहीन विकास कहा जाता है। बड़ी युवा आबादी के बावजूद यदि विकास सम्मानजनक रोजगार नहीं दे पाता, तो उसकी सार्थकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

श्रम सुधार या श्रमिकों की कीमत पर विकास? : हाल के वर्षों में लागू चार श्रम संहिताओं को सरकार निवेश और उद्योगों के लिए सरल सुधार मानती है, लेकिन ट्रेड यूनियन इसे श्रमिक हितों पर खतरा बताते हैं। उनका कहना है कि इससे अनुबंध आधारित रोजगार बढ़ेगा और श्रमिकों की सौदेबाजी शक्ति कमजोर होगी। साथ ही, मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर करने की आशंका से ग्रामीण मजदूरों की स्थिति प्रभावित हो सकती है। यह बहस विकास बनाम श्रमिक सुरक्षा के संतुलन पर केंद्रित है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : अवसर या चुनौती? कृत्रिम बुद्धिमत्ता चौथी औद्योगिक क्रांति का आधार बन रही है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन में बड़े बदलाव ला सकती है, लेकिन इसका उपयोग मुख्यत: स्वचालन और लागत घटाने में होने से रोजगार के अवसर सीमित हो सकते हैं। यदि तकनीकी लाभ केवल कुछ वर्गों तक सीमित रहे, तो असमानता बढ़ेगी। इसलिए ड्ढ का उपयोग समावेशी विकास और रोजगार सृजन की दिशा में होना आवश्यक है।

समावेशी विकास की आवश्यकता : भारत को आर्थिक विकास की आवश्यकता है, इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन विकास को केवल ज्ष्ठक्क वृद्धि तक सीमित कर देना एक बड़ी भूल होगी। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में विकास का वास्तविक उद्देश्य रोजगार, आय, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के अवसरों का विस्तार होना चाहिए। यदि सरकार अनुसंधान का खर्च उठाए, श्रमिक अधिक असुरक्षित होते जाएं, निजी क्षेत्र नवाचार में सीमित निवेश करे और तकनीकी प्रगति का लाभ कुछ बड़े कॉरपोरेट समूहों तक सिमट जाए, तो विकास का मॉडल पुनर्विचार की माँग करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मॉडल से अभिनेत्री बनीं उर्वशी शर्मा

उर्वशी शर्मा

उर्वशी शर्मा का जन्म 13 जुलाई 1984 को दिल्ली में हुआ। उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और अपनी खूबसूरती तथा आकर्षक व्यक्तित्व के दम पर जल्द ही मनोरंजन जगत में पहचान बना ली। वर्ष 2007 में फिल्म 'नकाब' से बॉलीवुड में पदार्पण करने वाली उर्वशी ने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

इसके बाद उन्होंने 'बाबर', 'खट्टा मीठा' और 'चक्रधार' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने कई विज्ञापनों और संगीत वीडियो में भी काम किया। वर्ष 2012 में उन्होंने अभिनेता और उद्योगपति सचिन जे. जोशी से विवाह किया, जिसके बाद उन्होंने रैना जोशी नाम भी अपनाया। विवाह के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाकर अपने परिवार और निजी जीवन को प्राथमिकता दी।

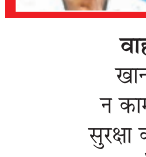
कविता

मोबाइल का प्रयोग न करें

मुकेश विग, किशन निवास
ठोडो मोड़, सोलन

वाहन चला रहे हों या पैदल कहीं जा रहे हों,
खाना खाते समय भी फोन से दूरी बनाए रखें।
न काम से बड़ी कोई मजबूरी, न कोई बहाना करें,
सुरक्षा को प्राथमिकता दें, मोबाइल का प्रयोग न करें।
जब मौसम हो खराब और बिजली चमक रही हो,
चाहे घर में हों या कहीं बाहर सफर कर रहे हों।
सावधानी का साथ लेकर खुद की रक्षा करें,
ऐसे समय में मोबाइल का प्रयोग न करें।
मंदिर जा रहे हों, ध्यान में मन लगा रहे हों,
या स्नान करते हुए अपने कार्य में व्यस्त हों।
एकाग्रता और मर्यादा का सदैव सम्मान करें,
इन पलों में मोबाइल का प्रयोग न करें।
पानी हो या ऊंची ढलान, सेल्फी का न रखें ध्यान,
क्षणिक शौक में डालकर जोखिम में अपनी जान।

श्रीनगर गोलीबारी : इतिहास के पन्नों में दर्ज एक अहम घटना

13 जुलाई 1931 जम्मू कश्मीर के इतिहास की सबसे चर्चित और संवेदनशील तिथियों में से एक मानी जाती है। इस दिन श्रीनगर की तत्कालीन केंद्रीय जेल के बाहर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में 22 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस घटना ने न केवल तत्कालीन रियासत की राजनीति को प्रभावित किया बल्कि आने वाले दशकों में जम्मू कश्मीर के सामाजिक और राजनीतिक विमर्श की दिशा भी बदल दी। लंबे समय तक इस दिन को जम्मू कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। हालांकि बाद के वर्षों में इस दिन की सरकारी मान्यता में बदलाव आया लेकिन इतिहास में इसका महत्व आज भी बना हुआ है।

बचन सिंह घटवाल
मस्सल (नगरोटा बगवां)

बीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में जम्मू कश्मीर रियासत पर महाराजा हरि सिंह का शासन था। उस समय रियासत में सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों को लेकर विभिन्न वर्गों में असंतोष बढ़ रहा था। विशेष रूप से कश्मीर घाटी के एक बड़े वर्ग द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था रोजगार शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े मुद्दे उठाए जा रहे थे। इसी पृष्ठभूमि में कई सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगीं।

इसी दौर में अब्दुल कादिर नाम के एक व्यक्ति का नाम चर्चा में आया। उन पर सरकार विरोधी भाषण देने और लोगों को भड़काने का आरोप लगाया गया। प्रशासन ने उन्हें गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा शुरू किया। मुकदमे की सुनवाई श्रीनगर की केंद्रीय जेल परिसर में की जा रही थी। इस सुनवाई को देखने और अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में लोग जेल के बाहर एकत्र होने लगे।

13 जुलाई 1931 को भी हजारों लोग जेल के बाहर मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों और ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार वातावरण तनावपूर्ण था। प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती की थी। इसी दौरान नमाज के समय अजान देने को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। इसके बाद भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस ने भीड़ पर गोली चला दी।

गोलीबारी में 22 लोगों की मृत्यु हो गई जबकि अनेक अन्य घायल हुए। यह घटना पूरे जम्मू कश्मीर में तेजी से फैल गई और व्यापक जनआक्रोश देखने को मिला। कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए और प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने पड़े। इस घटना ने रियासत की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया।

13 जुलाई की घटना के बाद महाराजा हरि सिंह की सरकार पर प्रशासनिक सुधारों का दबाव बढ़ा। जनता की मांगों और बढ़ते असंतोष को देखते हुए सरकार ने जांच की प्रक्रिया शुरू की। बाद में प्रशासनिक सुधारों तथा जनता की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से कई कदम उठाए गए। इन्हीं घटनाओं के बाद जम्मू कश्मीर में राजनीतिक संगठनों की भूमिका भी अधिक सक्रिय होती गई।

इतिहासकारों का मानना है कि 13 जुलाई 1931 की घटना ने संगठित राजनीतिक आंदोलनों को नई ऊर्जा दी। इसके बाद कश्मीर में राजनीतिक नेतृत्व अधिक प्रभावशाली रूप में सामने आया। आने वाले वर्षों में कई राजनीतिक संगठन बने और जनता के अधिकारों लोकतांत्रिक भागीदारी तथा प्रशासनिक सुधारों की मांग अधिक मुखर होती गई। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हालांकि इस घटना की व्याख्या को लेकर अलग अलग मत भी मौजूद हैं। कुछ इतिहासकार इसे तत्कालीन शासन के विरुद्ध जनआंदोलन का महत्वपूर्ण पड़ाव मानते हैं जबकि कुछ अन्य इसे कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति और प्रशासनिक विफलता के संदर्भ में देखते हैं। आधुनिक समय में भी इस घटना को लेकर राजनीतिक और ऐतिहासिक बहस जारी रहती है। विभिन्न पक्ष अपने अपने दृष्टिकोण के अनुसार इसकी व्याख्या करते हैं।

स्वतंत्रता के बाद जब जम्मू कश्मीर भारत का हिस्सा बना तब भी 13 जुलाई का महत्व लंबे समय तक बना रहा। कई दशकों तक इस दिन को सरकारी अवकाश के रूप में मनाया जाता था और श्रीनगर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। राजनीतिक दल सामाजिक संगठन और आम नागरिक इस अवसर पर उन 22 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते थे जिनकी मृत्यु 1931 की गोलीबारी में हुई थी।

वर्ष 2019 में जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन और नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू होने के बाद सरकारी अवकाशों की सूची में परिवर्तन किया गया। इसके साथ ही 13 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मिलने वाला आधिकारिक अवकाश समाप्त कर दिया गया। इसके बावजूद अनेक राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन आज भी इस दिन को ऐतिहासिक महत्व के साथ याद करते हैं और अपने अपने तरीके से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

इतिहास के अध्ययन में यह समझना आवश्यक है कि किसी भी घटना का मूल्यांकन उसके समय की सामाजिक राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाता है। 13 जुलाई 1931 की घटना भी ऐसी ही एक ऐतिहासिक घटना है जिसने जम्मू कश्मीर की राजनीति समाज और प्रशासन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। इसने शासन और जनता के बीच संबंधों लोकतांत्रिक अधिकारों तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे प्रश्नों को केंद्र में ला दिया।

आज जब इस घटना को इतिहास के पन्नों में देखा जाता है तो यह केवल एक गोलीकांड भर नहीं बल्कि उस दौर की जटिल परिस्थितियों का प्रतीक भी दिखाई देती है। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि संवाद पारदर्शिता और न्यायपूर्ण प्रशासन किसी भी समाज की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। इतिहास हमें अतीत की घटनाओं से सीख लेकर वर्तमान और भविष्य को अधिक शांतिपूर्ण तथा लोकतांत्रिक बनाने की प्रेरणा देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर
प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

रामपुर में भीषण हादसा, खड़े ट्रक से टकराई कार चार लोगों की मौत

एजेंसी, रामपुर। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के टांडा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर चीख पुकार मच गई। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों को निकालने के लिए वाहन को काटना पड़ा।

पुलिस के अनुसार कार में कुल सात लोग सवार थे जो उत्तराखंड के रामनगर स्थित जिम कार्बेट पार्क घूमने जा रहे थे। रास्ते में रामपुर जिले के टांडा इलाके में यह हादसा हुआ। दुर्घटना में अभिषेक अग्निहोत्री उम्र 30 वर्ष कार्तिक उम्र 24 वर्ष नीरज उम्र 24 वर्ष और गुलबुद्दीन उम्र 35 वर्ष की मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे में घायल हुए तीन लोगों को तत्काल उपचार के लिए रामपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर कर दिया गया।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई हो सकती है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। हादसे के बाद पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता को उजागर करता है।

न्यूज ब्रीफ

अलीगढ़ में युवती से दुष्कर्म आरोप मामले में भाजपाइयों का थाने में हंगामा

एजेंसी, अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना सासनीगेट क्षेत्र में एक युवती के परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि युवती को मथुरा में करीब 15 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस की ओर से तत्काल कदम न उठाए जाने से नाराज भाजपा कार्यकर्ता पूर्व मेयर शकुंतला भारती के नेतृत्व में थाने पहुंचे और विरोध जताया।

मजार पर धर्मांतरण दबाव के आरोप चार मौलवियों पर मुकदमा दर्ज

एजेंसी, कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र स्थित शहजादपुर गांव की एक मजार पर धर्मांतरण के दबाव के आरोपों के बाद पुलिस ने चार मौलवियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि झाड़-फूंक के नाम पर उससे पैसे लिए गए और बाद में कलमा पढ़कर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में पुलिस मुठभेड़ चार शातिर बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार तिलपता गोल चक्कर पर वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन कार सवार बदमाश पुलिस पर फायरिंग कर फरार होने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो बदमाश कार छोड़कर जंगल की ओर भाग गए और वहां भी गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया। वहीं तलाशी अभियान के दौरान दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

जौनपुर में जमीन के लिए खूनी, चाचा ने भतीजों पर कुल्हाड़ी से किया हमला

एजेंसी, जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सुबह जमीन बंटवारे को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। बरसठी थाना क्षेत्र के बारीगांव में एक चाचा ने अपने दो सगे भतीजों को कुल्हाड़ी से काट डाला। गंभीर हालत में दोनों को ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अब तहरीर के आधार पर कार्रवाई चल रही है। शाहपुर निवासी लालबहादुर सिंह के दो बेटे आनंद और सुभाष लगभग 25 वर्षों से बारीगांव में घर बनवाकर रह रहे थे।

कानपुर में गंगा किनारे मृत मिला मगरमच्छ सिर पर गंभीर चोट के मिले निशान

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में गंगा किनारे रविवार सुबह एक मगरमच्छ मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। करीब चार से पांच फीट लंबे मगरमच्छ के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जबकि शरीर पर भी जख्म दिखाई दिए। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना मटुक शहीद के भट्ठे के पास गंगा तट की है। जहां कुछ बच्चे नदी किनारे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान उनकी गेंद गंगा की ओर चली गई।

एपीके फाइल से मोबाइल हैक कर करते थे साइबर ठगी, गिरोह के 9 सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी, बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में साइबर क्राइम टीम, कोतवाली नगर और एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए नौ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य एपीके फाइल और अन्य एप्लीकेशन के माध्यम से लोगों के मोबाइल फोन हैक कर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। केजीएमयू के डॉ. सतीश को मिली अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप

उत्तर प्रदेश में विकसित की जाएंगी 'आयुष वाटिका' : आयुष मंत्री

एजेंसी, रामपुर। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने रविवार को वाराणसी में एक बगीचे में नारियल का पौधा रोपित कर अपील किया कि वे भी अपनी मां के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाएं। आयुष मंत्री ने बताया कि आयुर्वेद के सिद्धांत 'प्रकृत्या सह जीवितम्' अर्थात प्रकृति के साथ जीना है, को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश में 'आयुष वाटिका' विकसित की जाएंगी। आयुष वाटिका में तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, नीम, अर्जुन और बेल जैसे औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

प्रकृति संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर जोर, मंत्री नंदी ने किया पौधरोपण

समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें जनता : मंत्री नंदी

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने रविवार को लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण की मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और समृद्ध उत्तर प्रदेश का निर्माण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रयागराज के शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री नंदी ने कहा कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने युवाओं सहित सभी नागरिकों से इस जनअभियान का हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, हरित और समृद्ध प्रदेश का सपना साकार होगा। उन्होंने बताया कि हरिशंकरी के अंतर्गत बरगद, पीपल और पाकड़ के पौधे एक साथ लगाए जाते हैं। मान्यता है कि ये वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और प्राणवायु उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- ◆ 35 करोड़ पौधरोपण अभियान में शामिल हुए मंत्री नंदी
- ◆ शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में मंत्री नंदी ने किया पौधरोपण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रयागराज में 82 लाख 50 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने ऐतिहासिक शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में पौधरोपण कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंत्री नंदी ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ की। इसके बाद उन्होंने 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' के अंतर्गत हरिशंकरी पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और हरित उत्तर प्रदेश के संकल्प को सशक्त किया।

इस अवसर पर फाफामऊ विधायक गुरुप्रसाद मौर्य, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, चीफ कंजरवेटर मनोज कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद यादव, एडीआईओएस नीरज केसरी, मंडलीय सूचनाधिकारी इन्द्रमणि पाण्डेय, उद्यान अधीक्षक सिविल डिफेंस राकेश तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता रवि, कार्यक्रम संचालक डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी, गोरखा राइफल्स के जवान, स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राएँ तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

सपा-कांग्रेस करती है वोट बैंक की राजनीति : ब्रजेश पाठक

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को बाराबंकी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। जिला अस्पताल परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 'मां उपवन वाटिका' का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने फलदार और औषधीय पौधों का रोपण किया और लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ब्रजेश पाठक ने सपा और कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण के समय इन दलों ने विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गईं और अदालत में भगवान राम के जन्मस्थान को लेकर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा कि अब वही दल राजनीतिक लाभ के लिए जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने धनीपुर में प्रस्तावित मस्जिद के लिए एकत्र किए गए चंदे का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सवाल किया कि विपक्षी दलों ने इस चंदे के उपयोग को लेकर कभी जानकारी क्यों नहीं मांगी। इसके साथ ही उन्होंने मदरसों की फंडिंग को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि फंडिंग के स्रोतों में पारदर्शिता होना आवश्यक है। ब्रजेश पाठक ने आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस केवल तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं और जहां भी मदरसों से जुड़ी अनियमितताओं की खबरें सामने आती हैं, वहां विपक्ष सवाल नहीं उठाता।

यूपीपीएससी एलटी ग्रेड हिंदी प्रश्नपत्र में कबीर और प्रेमचंद रहे केंद्र में

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सहायक अध्यापक एलटी ग्रेड मुख्य परीक्षा में हिंदी विषय का प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों की गहन समझ और विषय पर पकड़ को परखने वाला रहा। परीक्षा में हिंदी साहित्य के इतिहास, भाषा विज्ञान, व्याकरण, आलोचना और काव्यशास्त्र से जुड़े प्रश्न पूछे गए। विशेषज्ञों के अनुसार प्रश्नपत्र केवल तथ्यों को याद करने पर आधारित नहीं था, बल्कि अभ्यर्थियों से साहित्यिक अवधारणाओं और रचनाकारों के योगदान को समझने की अपेक्षा की गई थी।

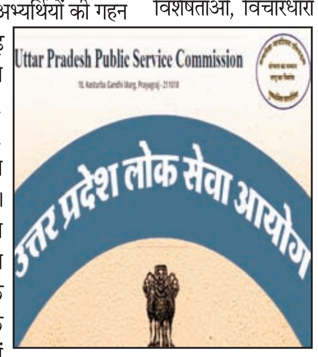

हिंदी विषय के प्रश्नपत्र में भक्ति काल और आधुनिक हिंदी साहित्य से विशेष महत्व दिया गया। कबीर, तुलसीदास, सूरदास, भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और प्रेमचंद जैसे प्रमुख साहित्यकारों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। इन प्रश्नों में केवल रचनाओं के नाम या जीवन परिचय तक सीमित जानकारी नहीं मांगी गई, बल्कि उनकी साहित्यिक विशेषताओं, विचारधारा और हिंदी साहित्य में उनके योगदान से संबंधित सवालों के माध्यम से अभ्यर्थियों की समझ का मूल्यांकन किया गया।

परीक्षा में भाषा विज्ञान से जुड़े प्रश्नों ने कई अभ्यर्थियों को चुनौती दी। हिंदी भाषा का विकास, भाषा की संरचना, ध्वनि विज्ञान, व्याकरण और भाषाई अवधारणाओं पर आधारित प्रश्नों ने प्रश्नपत्र को अधिक विश्लेषणात्मक बना दिया। वहीं काव्यशास्त्र और आलोचना से संबंधित प्रश्नों ने भी अभ्यर्थियों की तैयारी की वास्तविक परीक्षा ली।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में एसआईटी जांच अंतिम चरण में

एजेंसी, लखनऊ

चढ़ावा चोरी मामले में 15 जुलाई को सौंपेगी एसआईटी रिपोर्ट।

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के अंतिम चरण में पहुंच गया है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी आगामी 15 जुलाई को अपनी अंतिम रिपोर्ट उत्तर प्रदेश शासन को सौंपेगी। इस रिपोर्ट में मुख्य रूप से मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, निगरानी व्यवस्था की कमियां, वित्तीय लेनदेन में बरती गई लापरवाही तथा प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण शामिल होगा। हालांकि इस दौरान मंदिर ट्रस्ट द्वारा जमीन की खरीद-फरोख्त और निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं तथा कमीशनखोरी से संबंधित कई शिकायतें सामने आई, लेकिन एसआईटी ने उन्हें अपनी जांच के दायरे में शामिल नहीं किया है।

चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद मंदिर प्रबंधन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे थे। इसके बाद ट्रस्ट के अनुरोध पर 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। इस दल में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ रेंज की पुलिस महानिरीक्षक किरण एस तथा वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन को शामिल किया गया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी थी, जिसमें चोरी की घटना, सुरक्षा व्यवस्था की कमियां और निगरानी तंत्र की विफलता पर प्राथमिक निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए थे।

विस्तृत जांच के दौरान एसआईटी ने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और मंदिर प्रशासन से जुड़े कई लोगों के बयान दर्ज किए। साथ ही उपलब्ध दस्तावेजों, वित्तीय अभिलेखों, सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी रिकॉर्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों का भी परीक्षण किया गया। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना रहा कि चढ़ावे की सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई, जिम्मेदारी किस स्तर पर तय होती है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को पुनरावृत्ति रोकने के लिए किन सुधारात्मक कदमों की आवश्यकता है।

मायके जाने की जिद पर पत्नी की नाक काटी, सास ने लिया बदला

एजेंसी, वाराणसी।

लखीमपुर खीरी जिले के ईसानगर थाना क्षेत्र के गांव ढखेरवा में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मायके जाने की बात को लेकर पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में पत्नी ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पति ने गुस्से में आकर पत्नी की पिटाई की और दांतों से उसकी नाक काट दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिवार में तनाव फैल गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट की स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार गांव ढखेरवा निवासी श्रवण कुमार कश्यप की पत्नी प्रीती कश्यप अपनी चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए मायके जाना चाहती थीं। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। प्रीती का आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद पति ने उसके साथ मारपीट की और हमला कर दिया। घायल अवस्था में प्रीती ने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलने के बाद प्रीती के पिता बनवारी, मां श्रीदेवी और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसके बाद दोनों परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई।

चंदौली में बढ़ी बुनकरों की परेशानी सरकार से लगाई राहत की गुहार

एजेंसी, चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में जरी-जरदोजी और बुनकरी से जुड़े कारीगर लंबे समय से आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। दुल्हीपुर क्षेत्र के सथकोहरी गांव के कारीगरों ने अपनी समस्याओं को लेकर सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि पिछले करीब 20 वर्षों से उनकी मजदूरी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है, जबकि इस दौरान महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है। ऐसे में परिवार का भरण-पोषण करना उनके लिए कठिन होता जा रहा है।

कारीगरों के अनुसार जरी-जरदोजी का काम बेहद मेहनत और समय मांगता है। एक भारी जरीदार साड़ी तैयार करने में दो से तीन कारीगरों को लगातार कई दिनों तक काम करना पड़ता है। इसके बावजूद उन्हें मेहनत के बदले बहुत कम पारिश्रमिक मिलता है। स्थानीय कारीगर असरारुल ने बताया कि तीन दिन तक लगातार मेहनत करने के बाद भी केवल 300 से 350 रुपये तक की मजदूरी मिलती है। उनका कहना है कि इतनी कम आय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद मामले में नया मोड़, हाईकोर्ट ने तलब किया जवाब

एजेंसी, वाराणसी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े मामले में नया मोड़ सामने आया है। इस प्रकरण को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। मामला उस रिट याचिका से जुड़ा है जिसमें याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों की ओर से उन पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ झूठा मामला दर्ज कराने का दबाव बनाया गया और ऐसा करने से इनकार करने पर उन्हें धमकियां दी गईं।

याचिकाकर्ता रामाशंकर दीक्षित ने उच्च न्यायालय में दायर याचिका में आरोप लगाया कि 18 फरवरी 2026 को तीन अज्ञात लोग उनसे मिले थे। आरोप है कि इन लोगों ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराने के बदले लाखों रुपये देने का प्रस्ताव रखा। याचिकाकर्ता का कहना है कि जब उन्होंने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार किया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी दी गई।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन को देने के बाद उनके आवास पर सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। हालांकि याचिकाकर्ता का दावा है कि बाद में कुछ सुरक्षाकर्मियों ने भी उन पर अपना बयान बदलने का दबाव बनाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें न्यायालय का रुख करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति जे जे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और संबंधित पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा है।

विकास

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

आज से शुरू होगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, आधे घंटे में पूरा होगा सफर

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी लखनऊ और औद्योगिक नगरी कानपुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए सोमवार से बड़ी राहत मिलने जा रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, जिसके बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। एक्सप्रेसवे के चालू होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा पहले की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने उद्घाटन से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और सड़क को यातायात के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया गया है।

करीब 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे का निर्माण लगभग 3,600 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। आधुनिक तकनीक से तैयार इस मार्ग पर चार बड़े पुल, 25 छोटे पुल, चार फ्लाईओवर, पैदल यात्रियों के लिए 11 अंडरपास तथा हल्के वाहनों के लिए 13 अंडरपास बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे को इस प्रकार विकसित किया गया है कि वाहन अधिकतम 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सुरक्षित रूप से चल सकें।

इसके शुरू होने के बाद लखनऊ से कानपुर का सफर लगभग 30 से 35 मिनट में पूरा किया जा सकेगा, जबकि पहले इस दूरी को तय करने में एक घंटे या उससे अधिक समय लग जाता था। इससे यात्रियों के समय में लगभग 60 प्रतिशत तक की बचत होने का अनुमान है।

एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से पहले भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सड़क की सफाई, रंग-रोगन, सीसीटीवी कैमरों की जांच, नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण पूरा कर लिया है। पूरे मार्ग पर यातायात प्रबंधन और निगरानी के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिल सके। आवश्यकता पड़ने पर त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद रोडवेज बसों के संचालन की भी तैयारी की जा रही है। परिवहन निगम ने बताया है कि इस मार्ग पर साधारण, इलेक्ट्रिक और डबल डेकर बसें चलाने की योजना है। हालांकि एक्सप्रेसवे पर अधिक टोल शुल्क होने के कारण बसों के किराए में कुछ वृद्धि हो सकती है।

लखनऊ-कानपुर सफर होगा आसान

इस परियोजना का लाभ केवल लखनऊ और कानपुर तक सीमित नहीं रहेगा। दोनों शहरों के बीच स्थित कई कस्बों और आसपास के जिलों के लोगों को भी तेज और बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। इससे व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। माल परिवहन की गति बढ़ने से औद्योगिक क्षेत्र को भी लाभ मिलेगा और ईंधन की बचत के साथ परिवहन लागत में कमी आने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले एमएलएम गिरोह का पर्दाफाश

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पुलिस ने एक मल्टी लेवल मार्केटिंग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जिस पर युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे वसूलने और उन्हें नेटवर्क मार्केटिंग से जोड़ने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान मौके से बड़ी संख्या में युवक युवतियां मिले, जो कंपनी की ट्रेनिंग ले रहे थे।

जानकारी के अनुसार वाराणसी पुलिस की साइबर क्राइम टीम और रोहनिया पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए रोहनिया क्षेत्र के अखरी चौकी अंतर्गत औढ़े बछांव गांव में किराए की इमारत में चल रहे महादेव इंटरप्राइजेज के कार्यालय पर छापा मारा। पुलिस को मौके पर करीब 200 युवक युवतियां मिले। इनमें उत्तर प्रदेश के अलावा झारखंड बिहार और मध्य प्रदेश के लोग भी शामिल थे।

- ◆ नौकरी झांसे में फंसे युवक युवतियां, पुलिस ने बचाया

पुलिस के अनुसार इस नेटवर्क को संचालित करने वाले 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि युवाओं को कार्यालय कृषि कार्य और बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया गया था। उन्हें हर महीने 25 हजार रुपये तक वेतन मिलने का भरोसा दिलाकर 30 से 35 हजार रुपये जमा कराए गए थे।

पीड़ित युवाओं ने पुलिस को बताया कि उन्हें कंपनी से जुड़ने के बाद नए लोगों को जोड़ने के लिए कहा जाता था। साथ ही यह भी बताया गया कि जब तक उनके माध्यम से तीन नए सदस्य नहीं जुड़ेंगे तब तक उन्हें वेतन नहीं मिलेगा और जमा की गई राशि वापस नहीं की जाएगी।

यमुनानगर में टायर शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग, धमकी भरा पर्चा छोड़ फरार

भारतेंदु संवाददाता, यमुनानगर

शहर थाना क्षेत्र की रामपुरा कॉलोनी में स्थित टायर व्यापारी ईशान सभरवाल के शोरूम पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। वारदात के बाद हमलावर शोरूम के बाहर धमकी भरा पर्चा चिपकाकर मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, वारदात देर रात हुई। सुबह जब शोरूम खोला गया तो वहां गोलियों के निशान और बाहर चिपका धमकी भरा पर्चा देखकर कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बदमाश किस दिशा से आए और वारदात को अंजाम देने के बाद किस ओर फरार हुए। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों में चिंता का माहौल है, जबकि पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की वैज्ञानिक तरीके से जांच कराई जा रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान हो सके। व्यापारियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

यमुनानगर में कोरिया भेजने के नाम पर युवक से एजेंट ने ठगे 9 लाख रुपए

वर्क परमिट वीजा दिलाने का दिया था भरोसा, वियतनाम भेजकर वापस लौटना पड़ा युवक को

भारतेंदु संवाददाता, यमुनानगर

दक्षिण कोरिया भेजने और नौकरी लगवाने का झांसा देकर युवक से करीब 8.95 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि इमिग्रेशन कंपनी के निदेशक और एक एजेंट ने वर्क परमिट वीजा दिलाने का भरोसा देकर रकम ली, लेकिन युवक को विदेश भेजने के बाद भी वादा पूरा नहीं किया। इस मामले में शहर जगाधरी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में ग्रीन विहार कॉलोनी निवासी इकराम अली ने बताया कि उसकी मुलाकात सेक्टर-17 स्थित ग्रीन होटल में करण कपूर नामक व्यक्ति से हुई थी। करण कपूर ने खुद को विदेश भेजने का काम करने वाला एजेंट बताया और उसकी मुलाकात मोहाली स्थित एलीगैस एंड इमिग्रेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नवीन कुमार से करवाई।

शिकायतकर्ता के अनुसार, दोनों आरोपितों ने उसके बेटे इमरान को दक्षिण कोरिया में नौकरी दिलाने और वर्क परमिट वीजा लगवाने का भरोसा दिया। इसके लिए करीब 10 लाख रुपये खर्च होने की बात कही गई। आरोप है कि 12 मई 2026 को उसने दोनों आरोपितों को 4.50 लाख रुपये का चेक दिया।

इसके बाद आरोपितों ने उसे दिल्ली बुलाया और विदेश भेजने की प्रक्रिया शुरू करने का दावा किया। इकराम अली का आरोप है कि आरोपितों ने उसके बेटे को दक्षिण कोरिया भेजने की जगह वियतनाम भेज दिया। वहां पहुंचने के बाद उसे कोई एजेंट नहीं मिला और नौकरी या वीजा से जुड़ी कोई व्यवस्था नहीं की गई। परेशान होकर युवक को किसी तरह वापस भारत लौटना पड़ा।

शिकायतकर्ता ने बताया कि जब उसने आरोपितों से अपने पैसे वापस मांगे तो उन्होंने रकम लौटाने के बजाय कथित तौर पर धमकी दी। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित नवीन कुमार और करण कपूर के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी ने बताया कि मामले से जुड़े दस्तावेजों और लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर पूरे मामले की सच्चाई पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पेपर देने जा रही बीए छात्रा की ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौत

भारतेंदु संवाददाता, हिसार। अग्रोहा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीए की एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब पिता-पुत्री मोटरसाइकिल पर सवार होकर छात्रा को परीक्षा दिलाने के लिए परीक्षा केंद्र जा रहे थे। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा अपने पिता के साथ सुबह घर से परीक्षा देने के लिए निकली थी। दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर अग्रोहा की ओर जा रहे थे। रास्ते में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। छात्रा को गंभीर चोटें आईं, जबकि उसके पिता भी घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को सड़क से उठाकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने छात्रा की हालत गंभीर देखते हुए उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं घायल पिता का उपचार अस्पताल में जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दुर्घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए। प्रारंभिक जांच के आधार पर ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। छात्रा की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। छात्रा की असमय मौत से गांव और शैक्षणिक संस्थान में भी शोक की लहर फैल गई। परिचितों ने बताया कि वह पढ़ाई में मेहनती थी और अपने भविष्य को लेकर कई सपने संजोए हुए थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने और सड़क सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

न्यूज ब्रीफ

पंचकूला निगम में 590 करोड़ का घोटाला बड़े ट्रांजेक्शन से खाते खाली

भारतेंन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के सरकारी विभागों से जुड़े 590 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में नए खुलासे सामने आए हैं। सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार नगर निगम पंचकूला और नगर परिषद कालका के खातों से कई बड़े ट्रांजेक्शन के जरिए करोड़ों रुपये निकाले गए। जांच में सामने आया कि सरकारी खातों में 22 बार सेंधमारी कर रकम को अलग-अलग माध्यमों से स्थानांतरित किया गया। चार्जशीट के अनुसार कथित घोटाले को अंजाम देने के लिए आयुक्त और वरिष्ठ लेखा अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षरों वाले चेकों का इस्तेमाल किया गया। राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजने के बजाय पहले बैंक के जनरल लेजर (जीएल) खाते में स्थानांतरित की जाती थी। इसके बाद विभिन्न खातों में रकम भेजी गई। सीबीआई पूरे मामले की जांच कर रही है और कथित फर्जी दस्तावेजों, बैंकिंग प्रक्रियाओं में हेरफेर तथा तकनीकी खामियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

हरियाणवी गाने की रील ने बढ़ाया विवाद यूजर्स की तीखी प्रतिक्रिया

भारतेंन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरियाणवी गाने 'भोला-भोली' पर बनाई गई एक रील को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद छिड़ गया है। रील में प्रदीप बूरा अपनी पत्नी पूजा हुड्डा को गंगा नदी के बीच उठाए हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोगों ने वीडियो की सराहना की, जबकि कई यूजर्स ने धार्मिक आस्था और स्थान की गरिमा का हवाला देते हुए आपत्ति जताई। एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि 'इन पर इमरान हाशमी ज्यादा सूट करते हैं।' इसके बाद यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, इस मामले में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई या आधिकारिक शिकायत की पुष्टि नहीं हुई है। वीडियो लगातार सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया जा रहा है और इस पर बहस जारी है।

बहादुरगढ़ में मानसून की जोरदार दस्तक 100 मिमी बारिश दर्ज

भारतेंन्दु संवाददाता, बहादुरगढ़। जुलाई के पहले 10 दिनों में ही 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज होने से इस बार मानसून पूरी रफ्तार में दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 11 वर्षों में यह दूसरा अवसर है, जब महीने के शुरुआती 10 दिनों में ही बारिश का आंकड़ा 100 एमएम के पार पहुंच गया है। लगातार हो रही वर्षा से मौसम सुहावना बना हुआ है और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। किसानों के लिए यह बारिश लाभदायक मानी जा रही है, हालांकि कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई है। मौसम विभाग ने रविवार को भी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने और मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की अपील की है। लगातार बारिश से शहर के कई हिस्सों में जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।

मामूली कहासुनी के बाद बेटे ने पिता की ईंट मारकर की हत्या

भारतेंन्दु संवाददाता, अंबाला। अंबाला कैंट के महेश नगर थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद बेटे द्वारा पिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी बेटे गगन को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार शनिवार-रविवार की रात किसी बात को लेकर पिता हरविंदर सिंह और बेटे के बीच विवाद हुआ। विवाद के बाद हरविंदर सिंह घर से बाहर निकल गए। करीब 45 मिनट बाद गगन उन्हें तलाशते हुए बाहर पहुंचा, जहां दोनों के बीच दोबारा बहस हो गई। आरोप है कि गुस्से में गगन ने ईंट उठाकर पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भिवानी के स्कूल हॉस्टल में छात्र की संदिग्ध मौत

भारतेंदु संवाददाता, भिवानी। जिले के देवराला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के हॉस्टल में 10वीं कक्षा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। गांव धनाना निवासी छात्र दीपांशु शनिवार देर रात हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी विद्यालय पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छात्र की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

हरियाणा के गांव में हेपेटाइटिस का कहर 25 से ज्यादा बच्चे बीमार, छात्रा की मौत

भारतेंदु संवाददाता, कैथल

हरियाणा के एक गांव में हेपेटाइटिस के संदिग्ध प्रकोप से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव में 25 से अधिक बच्चे बीमार बताए जा रहे हैं, जबकि एक छात्रा की मौत हो चुकी है। कई अन्य बच्चों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और हालात का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही थी, जिसके कारण बच्चों की तबीयत बिगड़नी शुरू हुई। मृतक छात्रा की मां ने दावा किया कि उनकी बेटी की मौत गंदा पानी पीने से हुई, जबकि उनका बेटा भी इसी बीमारी से पीड़ित होकर अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार

अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में सर्वे शुरू कर प्रभावित बच्चों की सूची तैयार की है। साथ ही पेयजल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को केवल उबला या स्वच्छ पानी पीने, साफ सफाई बनाए रखने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अस्पताल पहुंचने की सलाह दी है।

प्रशासन का कहना है कि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। एहतियात के तौर पर गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं और चिकित्सा दल लगातार लोगों की जांच कर रहे हैं। प्रभावित बच्चों के इलाज की निगरानी भी की जा रही है।

महेंद्रगढ़ के बुजुर्ग का अनोखा दावा, गर्मी में भी ओढ़ते दो कंबल

भारतेंदु संवाददाता, नारनौल

जिले के एक बुजुर्ग अपने अनोखे शारीरिक स्वभाव और ठंड सहने की क्षमता के कारण इलाके में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनका दावा है कि भीषण गर्मी के दिनों में भी उन्हें ठंड लगती है और वे रात में दो कंबल ओढ़कर सोते हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में भी उन्हें सामान्य लोगों की तरह ठंड महसूस नहीं होती।

इसी वजह से गांव के लोग उन्हें मजाकिया अंदाज में 'मौसम विभाग' कहकर बुलाते हैं। बुजुर्ग का कहना है कि यह स्थिति कई वर्षों से बनी हुई है। उनका दावा है कि जब गर्मियों में लोग तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान रहते हैं, तब भी उन्हें ठंड का एहसास होता है। इसके विपरीत सर्दियों में वे बिना किसी परेशानी के काफी देर तक खुले वातावरण में रह लेते हैं। उनका यह भी कहना है कि उन्होंने कई बार बर्फ पर लेटकर भी समय बिताया है और उन्हें इससे कोई विशेष दिक्कत नहीं हुई।

उनकी इस अनोखी आदत को देखने और सुनने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि मौसम चाहे जैसा भी हो, बुजुर्ग का रहन-सहन हमेशा अलग दिखाई देता है। यही कारण है कि लोगों ने उन्हें प्यार से 'मौसम विभाग' का नाम दे दिया है। हालांकि चिकित्सकों का मानना है कि शरीर में तापमान का असामान्य अनुभव कई कारणों से हो सकता है। ऐसी स्थिति होने पर चिकित्सकीय जांच कराना आवश्यक होता है, ताकि इसके पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाया जा सके। फिलहाल महेंद्रगढ़ के यह बुजुर्ग अपने अनोखे दावे और जीवनशैली के कारण क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

बहादुरगढ़ के 12 प्लॉट खरीदारों को रेरा से राहत, बिल्डर देगा 1.13 करोड़ मुआवजा

भारतेंदु संवाददाता, बहादुरगढ़

बहादुरगढ़ की एक आवासीय परियोजना से जुड़े 12 प्लॉट खरीदारों को हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा), पंचकूला से बड़ी राहत मिली है। रेरा ने बिल्डर द्वारा खरीदारों से की गई 79.30 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग को अवैध करार देते हुए उसे निरस्त कर दिया। साथ ही बिल्डर को परियोजना में हुई देरी के कारण प्रभावित खरीदारों को 1.13 करोड़ रुपये से अधिक का विलंब मुआवजा देने के आदेश जारी किए हैं।

रेरा के आदेश के अनुसार, बिल्डर निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना पूरी कर खरीदारों को प्लॉट का कब्जा देने में विफल रहा। इसके बावजूद खरीदारों पर अतिरिक्त भुगतान का दबाव बनाया गया। मामले की सुनवाई के दौरान खरीदारों ने दस्तावेजों और तथ्यों के आधार पर अपनी शिकायत प्राधिकरण के समक्ष रखी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद रेरा ने अतिरिक्त मांग को नियमों के

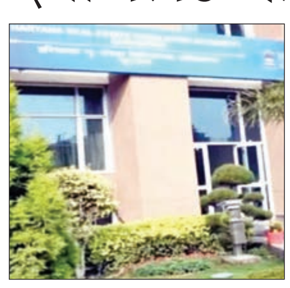

विपरीत मानते हुए खारिज कर दिया। प्राधिकरण ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि परियोजना में अनावश्यक देरी के लिए खरीदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

इसलिए उन्हें नियमानुसार विलंब मुआवजा दिया जाना चाहिए। आदेश के अनुसार बिल्डर को निर्धारित अवधि के भीतर मुआवजा राशि का भुगतान करना होगा तथा प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना होगा। इस फैसले के बाद प्रभावित खरीदारों ने राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि लंबे समय से वे न्याय की प्रतीक्षा कर रहे थे और अब रेरा के निर्णय से उन्हें अपने अधिकारों की रक्षा होने का भरोसा मिला है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला अन्य रियल एस्टेट परियोजनाओं के खरीदारों के लिए भी महत्वपूर्ण उदाहरण साबित हो सकता है।

रेरा ने यह भी स्पष्ट किया कि रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और खरीदारों के हितों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कोई बिल्डर नियमों का उल्लंघन करता है या अनुचित वित्तीय मांग करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेरा ने अपने आदेश में यह भी कहा कि परियोजना से जुड़े सभी खरीदारों के अधिकारों की रक्षा करना प्राधिकरण की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि आदेश का निर्धारित समय में पालन नहीं किया गया तो बिल्डर के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खरीदारों ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। प्राधिकरण ने कहा कि आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित बिल्डर के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

मसूरी में महिला इंजीनियर मौत मामले में पति पर शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, हरियाणा। मसूरी में एक महिला इंजीनियर की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस मामले की जांच पुलिस विभिन्न पहलुओं से कर रही है। जानकारी के अनुसार, महिला इंजीनियर का शव मसूरी के एक होमस्टे के कमरे में फर्श पर पड़ा मिला था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच और पूछताछ के बाद पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतका के परिजनों में शोक का माहौल है।

हिसार में लिफ्ट में फंसकर युवक की गर्दन कटी,कई फीट दूर जाकर गिरी

भारतेंदु संवाददाता, हिसार

शहर में एक बेहद दर्दनाक हादसे में एक युवक की लिफ्ट में फंसने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसा लिफ्ट के संचालन के दौरान हुआ।

जानकारी के अनुसार, युवक पहली बार एक दुकान पर किसी काम से आया था। इसी दौरान वह भवन में लगी लिफ्ट का उपयोग करने लगा। बताया जा रहा है कि किसी तकनीकी खराबी या लापरवाही के कारण वह लिफ्ट में बुरी तरह फंस गया। हादसा इतना भयावह था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद भवन में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान होने के बाद उसके परिजनों को सूचना दी गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भवन में लगी लिफ्ट की तकनीकी स्थिति, रखरखाव और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

यदि जांच में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने व्यावसायिक भवनों में लगी लिफ्टों की नियमित जांच और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पुलिस ने भवन में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे के सही कारणों का पता तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

नारनौल में वाहन की टक्कर से दिल्ली के डेयरी फार्म कर्मचारी हुई की दर्दनाक मौत

भारतेंदु संवाददाता, नारनौल

जिले में राजस्थान सीमा के निकट हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, मृतक दिल्ली में एक डेयरी फार्म पर नौकरी करता था।

वह किसी निजी कार्य से अपने घर आया हुआ था। शनिवार को वह वापस लौट रहा था। इसी दौरान राजस्थान सीमा के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायल को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने मृतक की पहचान के बाद परिजनों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए बुलाया।

पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि दुर्घटना करने वाले वाहन और चालक की पहचान की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने, गति सीमा का सख्ती से पालन कराने तथा आवश्यक चेतावनी संकेत लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। साथ ही आसपास के मार्गों पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। प्रशासन ने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, सावधानीपूर्वक वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। मामले की जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फतेहाबाद में ठेका लूटकांड के इनामी बदमाश गिरफ्तार

एक ही रात दो शराब ठेकों पर वारदात, पुलिस ने तकनीकी जांच से तीन आरोपियों को दबोचा

भारतेंदु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस ने रुपावाली और खासवा गांव के शराब ठेकों पर एक ही रात हुई लूट की दो सनसनीखेज वारदातों का सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं और मामले में आगे भी अहम खुलासे होने की संभावना है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिकंदर पुत्र रूपा सिंह निवासी रत्ताखेड़ (जाखल), विजय उर्फ चांदी पुत्र लक्ष्मण सिंह उर्फ लच्छा निवासी कुलरिया (जिला मानसा) तथा जश्न सिंह उर्फ राठा पुत्र सोनी सिंह निवासी कुलरिया (जिला मानसा) के रूप में हुई है। तीनों को अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड हासिल किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से एक ही रात में रुपावाली और खासवा गांव स्थित शराब ठेकों को निशाना बनाया। देर रात ठेकों पर पहुंचकर उन्होंने कर्मचारियों को डराया-धमकाया और नकदी सहित अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और खुफिया सूचना के आधार पर

आरोपियों की पहचान कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई।

लगातार की गई कार्रवाई के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। प्रारंभिक जांच में इनके अन्य जिलों में भी आपराधिक मामलों से जुड़े होने की आशंका है।

पूछताछ के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा लूटी गई रकम और अन्य सामान कहां छिपाया गया है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। साथ ही लूट में इस्तेमाल किए गए वाहन और हथियारों की बरामदगी के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने विश्वास जताया कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फतेहाबाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। अधिकारियों का कहना है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि संगठित अपराध में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। लूट से जुड़े साक्ष्य जुटाने और फरार साथियों तक पहुंचने के लिए विभिन्न स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

दिल्ली में अवैध कब्जों पर सख्ती, डीडीए ने जारी की नई एसओपी

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण रोकने के लिए डीडीए का नया आदेश,72 घंटे में हटेगा अवैध निर्माण

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी कर ली है। डीडीए ने इसके लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इस एसओपी के तहत सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण या कब्जे की पहचान होने के बाद 72 घंटे के भीतर कार्रवाई करने का प्रावधान किया गया है। डीडीए के अनुसार, नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराना और कार्रवाई की प्रक्रिया को तेज करना है। अब संबंधित विभागों को अतिक्रमण की जानकारी मिलने के बाद तुरंत जांच करनी होगी और अवैध निर्माण की पुष्टि होने पर निर्धारित समय सीमा के अंदर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू करनी होगी। नई एसओपी में अतिक्रमण की पहचान, जांच, नोटिस जारी करने और कार्रवाई की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सरकारी जमीन पर कब्जे के मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। कार्रवाई के दौरान नियमों और कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

डीडीए का कहना है कि दिल्ली में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे लंबे समय से एक बड़ी समस्या रहे हैं। ऐसे कब्जों के कारण विकास कार्यों में बाधा आती है और सार्वजनिक संपत्तियों का नुकसान होता है। नई एसओपी लागू होने के बाद अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और तेज होने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, डीडीए की टीमें नियमित रूप से सरकारी जमीनों का निरीक्षण करेंगी

और अवैध गतिविधियों पर नजर रखेंगी। ड्रोन सर्वे, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से अतिक्रमण की पहचान को और मजबूत किया जाएगा। नई नीति के तहत स्थानीय अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। यदि किसी क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों को समय पर कार्रवाई करनी होगी। इससे जवाबदेही बढ़ेगी और अतिक्रमण रोकने में मदद मिलेगी।

डीडीए ने साफ किया है कि सरकारी भूमि जनता की संपत्ति है और इसे किसी भी तरह के अवैध कब्जे से सुरक्षित रखना जरूरी है। नई एसओपी के माध्यम से प्रशासन का लक्ष्य है कि अवैध निर्माण पर तुरंत रोक लगाई जाए और सरकारी जमीन को सुरक्षित रखा जाए।

भारत विरोधी नेटवर्क तोड़ने की तैयारी,विदेशों में बैठे अपराधी रडार पर

एजेंसी ,नई दिल्ली

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने विदेशों में छिपकर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले गैंगस्टर्स और अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। इस अभियान को 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' नाम दिया गया है। इसके तहत विदेशों में बैठे ऐसे अपराधियों की पहचान की जा रही है, जो भारत में हिंसा, रंगदारी, हथियारों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल हैं।

सुरक्षा एजेंसियां इस ऑपरेशन के माध्यम से उन गैंगस्टर्स के नेटवर्क को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, जो विदेशों में बैठकर भारत में अपने गुर्गों के जरिए वारदातों को अंजाम दिलाते हैं। जांच एजेंसियां इन अपराधियों की गतिविधियों, संपर्कों और आर्थिक नेटवर्क की जानकारी जुटा रही हैं। इसके बाद उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

विदेशी गैंगस्टर्स पर भारत का ऑपरेशन ग्लोबल हंट

कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, कई अपराधी विदेशों में शरण लेकर कानून से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया तेज की जा रही है। रेड कॉर्नर नोटिस के जरिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की मदद से फरार अपराधियों को पकड़ने और उन्हें भारत वापस लाने का प्रयास किया जाता है। इस अभियान में विभिन्न सुरक्षा और जांच एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ काम कर रही हैं। एजेंसियों का फोकस उन लोगों पर है, जो संगठित अपराध को बढ़ावा दे रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। इसके अलावा विदेशों में मौजूद उनके सहयोगियों और वित्तीय नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि विदेशों में बैठे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से भारत में सक्रिय उनके नेटवर्क को कमजोर किया जा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

सरकारी स्कूलों में सुधार का नया प्लान एडीसी करेंगे निरीक्षण

एजेंसी ,नई दिल्ली। सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अब हर जिले में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्कूलों में मौजूद कमियों की पहचान कर उन्हें जल्द दूर करने के लिए विशेष योजना तैयार की गई है। एडीसी नियमित रूप से स्कूलों का निरीक्षण करेंगे और व्यवस्थाओं की रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेजेंगे। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सुधारना, विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और शिक्षकों की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाना है। निरीक्षण के दौरान स्कूल भवन, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, डिजिटल सुविधाएं और विद्यार्थियों की उपस्थिति जैसी व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यदि किसी स्कूल में कोई कमी पाई जाती है तो उसे दूर करने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के अंदर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए जाएंगे। इससे स्कूलों में होने वाले कार्यों की निगरानी मजबूत होगी और लापरवाही पर भी रोक लगेगी। प्रशासन का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर निगरानी बेहद जरूरी है। एडीसी की सक्रिय भूमिका से सरकारी स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सकेगा। इस व्यवस्था से स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलने की उम्मीद है।

कोर्ट का सख्त फैसला, पत्नी हत्याकांड में पति को आजीवन कारावास

एजेंसी, नई दिल्ली । साल 2022 में चरित्र पर शक के चलते पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। इस मामले में अदालत ने आरोपी पति को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए न सिर्फ अपराध की गंभीरता पर टिप्पणी की, बल्कि दंपति की बेटी की स्थिति पर भी चिंता जताई, जो अब माता-पिता दोनों के सहारे से वंचित होकर कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने को मजबूर है। अदालत ने कहा कि पति द्वारा किए गए इस अपराध ने एक परिवार को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। एक ओर जहां महिला की जान चली गई, वहीं दूसरी ओर मासूम बेटी का भविष्य भी प्रभावित हुआ। कोर्ट ने माना कि ऐसे अपराधों का असर केवल पीड़ित व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत पेश किए, जिसके आधार पर अदालत ने उसे दोषी करार दिया। कोर्ट ने हत्या को गंभीर अपराध बताते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई और कहा कि कानून अपने अनुसार सख्त कार्रवाई करेगा। फैसले के दौरान अदालत ने समाज में बढ़ते शक और हिंसा की प्रवृत्ति पर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को संदेह के आधार पर किसी की जान लेने का अधिकार नहीं है। इस मामले में न्यायालय का फैसला पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत रत्न प्रणब मुखर्जी को सम्मान, राजघाट में बनेगा स्मारक

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न से सम्मानित प्रणब मुखर्जी की समाधि के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह समाधि दिल्ली के राजघाट परिसर में बनेगी। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के योगदान और उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रणब मुखर्जी की समाधि के लिए राजघाट स्थित राष्ट्रीय स्मृति स्थल परिसर में स्थान निर्धारित किया गया है। इसी परिसर में देश के कई पूर्व प्रधानमंत्रियों और प्रमुख नेताओं की समाधियां पहले से मौजूद हैं। अब प्रणब मुखर्जी का स्मारक भी इसी क्षेत्र में बनाया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद कर सकेंगी। प्रणब मुखर्जी देश के 13वें राष्ट्रपति थे और उन्होंने वर्ष 2012 से 2017 तक देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले वह केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार भी संभाल चुके थे। वित्त, रक्षा और विदेश मंत्रालय जैसे अहम विभागों में उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। भारतीय राजनीति में उन्हें एक अनुभवी रणनीतिकार और कुशल प्रशासक के रूप में जाना जाता था। उनके लंबे राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण फैसलों और नीतियों में उनकी भूमिका रही।

ग्रेटर नोएडा की राह होगी आसान हिंडन पुल को जोड़ने का काम शुरू

एजेंसी ,नई दिल्ली

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए जल्द ही बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा शुरू हो सकती है। प्राधिकरण ने हिंडन नदी पर बने नए पुल को मुख्य मार्गों से जोड़ने का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को अगले चार महीनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल के चालू होने के बाद दोनों शहरों के बीच आवागमन पहले से अधिक आसान और तेज हो जाएगा। इस पुल के बनने से आसपास के सेक्टरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

अभी कई लोगों को लंबी दूरी तय कर दूसरे रास्तों से गुजरना पड़ता है, जिससे समय और ईंधन दोनों की खपत होती है। नई कनेक्टिविटी मिलने के बाद यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। प्राधिकरण ने पुल को

जोड़ने वाले संपर्क मार्गों का निर्माण और अन्य जरूरी कार्य तेज कर दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि काम की नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि तय समय सीमा के अंदर परियोजना पूरी की जा सके। इसके अलावा सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जरूरी इंतजाम भी किए जा रहे हैं। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ती आबादी और यातायात को देखते हुए इस पुल को महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। इसके शुरू होने से क्षेत्र में विकास को भी गति मिलने की संभावना है और लोगों को रोजाना के सफर में राहत मिलेगी।

दिल्ली का इलेक्ट्रिक मिशन,टू-व्हीलर्स को बदलना होगा सबसे बड़ा कदम

एजेंसी ,नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति में दोपहिया वाहनों का बदलाव सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। दिल्ली सरकार की योजना के तहत आने वाले समय में पेट्रोल और डीजल वाहनों को कम करके इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। नीति के मुताबिक अप्रैल 2028 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनुमति देने का लक्ष्य रखा गया है।

क्रिसिल रेटिंग्स का कहना है कि दोपहिया वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी बढ़ाना आसान नहीं होगा। इसकी मुख्य वजह कीमत, बैटरी की लागत, चार्जिंग सुविधाओं की उपलब्धता और उपभोक्ताओं की चिंताएं हैं। एजेंसी के अनुसार इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए मजबूत चार्जिंग नेटवर्क

इलेक्ट्रिक स्कूटर-बाइक अपनाने पर बड़ा फोकस

और बेहतर तकनीक की जरूरत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन इसके लिए चरणबद्ध तरीके से तैयारी करनी होगी। दोपहिया वाहन बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जाते हैं, इसलिए इनके इलेक्ट्रिक विकल्पों को अपनाने की गति नीति की सफलता में अहम भूमिका निभाएगी। सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी, चार्जिंग स्टेशन और अन्य सुविधाओं पर काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बैटरी तकनीक में सुधार होता है और कीमतें कम होती हैं तो इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को तेजी से अपनाया जा सकता है। क्रिसिल ने यह भी संकेत दिया कि नीति लागू करने से पहले बाजार की तैयारियों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी होगा।

लॉजिस्टिक कंपनी से लाखों का सामान गायब

एजेंसी, नई दिल्ली। बल्लभगढ़ की एक निजी लॉजिस्टिक कंपनी से दिल्ली-एनसीआर के लिए भेजा गया लाखों रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान लापता होने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रबंधक के अनुसार, गायब हुए सामान की कुल कीमत करीब सवा नौ लाख रुपये बताई जा रही है। सामान की डिलीवरी के दौरान गड़बड़ी का पता चलने के बाद कंपनी ने इसकी शिकायत पुलिस से की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सामान को तय स्थान तक पहुंचना था, लेकिन वह रास्ते में ही गायब हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सामान की बरामदगी और घटना में शामिल लोगों की पहचान के लिए जांच की जा रही है। कंपनी से जुड़े कर्मचारियों और परिवहन व्यवस्था की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस जल्द मामले का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

करोड़ों की ज्वेलरी चोरी का खुलासा दिल्ली पुलिस ने आरोपी दबोचा

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की एंटी-स्नैचिंग सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब एक करोड़ रुपये मूल्य के चोरी हुए सोने, चांदी और हीरे के आभूषण बरामद किए हैं। इस मामले में बिहार के सीतामढ़ी निवासी दीपक शर्मा नामक एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से चोरी की वारदातों में सक्रिय था और उस पर कई मामलों में संलिप्त होने का संदेह है। गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने कई अहम खुलासे किए, जिनके आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर चोरी के आभूषण बरामद किए। बरामद सामान में सोने के हार, कंगन, अंगूठियां, चांदी के आभूषण तथा हीरे जड़े कीमती गहने शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद किए गए अधिकांश आभूषण हाल के महीनों में हुई चोरी की घटनाओं से जुड़े हो सकते हैं। अब इनकी पहचान कर वास्तविक मालिकों को वापस सौंपने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जांच के दौरान पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी अकेले काम करता था या उसके साथ कोई संगठित गिरोह भी सक्रिय था। उसके मोबाइल फोन, बैंक खातों और संपर्कों की भी जांच की जा रही है ताकि चोरी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और जल्द ही कुछ अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ की जा सकती है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राजधानी में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई से चोरी के कई मामलों के खुलासे की उम्मीद है और पीड़ितों को उनका कीमती सामान वापस दिलाने की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी।

2027 रण की तैयारी में अखिलेश की सपा,मजबूत उम्मीदवारों की तलाश तेज

एजेंसी ,नई दिल्ली

समाजवादी पार्टी (सपा) उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है। पार्टी ने चुनावी रणनीति के तहत पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को केंद्र में रखते हुए उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सपा नेतृत्व इस बार टिकट वितरण में विशेष सावधानी बरतने की तैयारी कर रहा है, ताकि मजबूत और जनता के बीच सक्रिय चेहरों को मैदान में उतारा जा सके।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में संभावित दावेदारों का सर्वे कराया जाएगा। इस सर्वे में जनता की राय, पार्टी कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया और क्षेत्र में उम्मीदवार की सक्रियता को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। सपा ऐसे नेताओं को प्राथमिकता देना चाहती है जिनकी छवि साफ हो, जो

नोएडा में सात ओवरलोड ट्रक सीज, 8.50 लाख का जुर्माना

लंबे समय से संगठन के साथ जुड़े हों और जिनकी क्षेत्र में मजबूत पकड़ हो। सपा का मानना है कि विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लिए सही उम्मीदवारों का चयन बेहद महत्वपूर्ण होगा। इसी कारण पार्टी जल्दबाजी में टिकट देने के बजाय जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाकर फैसला लेने की योजना बना रही है। पीडीए समीकरण के तहत पार्टी विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्रतिनिधित्व देने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि चुनावी तैयारी केवल जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं होगी, बल्कि उम्मीदवार की लोकप्रियता, संगठन क्षमता और जनता से जुड़ाव को भी महत्व दिया जाएगा। सपा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की दिशा में भी काम कर रही है।

दिल्ली में गूंजी भरत तिवारी एनकाउंटर की आवाज, परिजनों का धरना शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की गूंज अब दिल्ली तक पहुंच गई है। न्याय की मांग को लेकर भरत तिवारी के परिजन राजधानी दिल्ली पहुंच गए हैं और जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरना देकर सरकार तथा प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि भरत तिवारी का पुलिस एनकाउंटर फर्जी था और उन्हें आत्मसमर्पण करने के बावजूद गोली मारी गई।

परिवार का कहना है कि इस पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जिन पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए हैं, उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर न्याय की मांग उठाई और कहा कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। परिजनों का कहना है कि उन्हें अब भी न्याय व्यवस्था पर भरोसा है और इसी उम्मीद के साथ वे दिल्ली पहुंचे हैं। मामले को लेकर कई सामाजिक संगठनों और

अधिवक्ताओं ने भी परिवार का समर्थन किया है। उनका कहना है कि न्यायिक जांच के साथ-साथ पूरे घटनाक्रम की पारदर्शी पड़ताल होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस बीच परिवार ने सरकार से मांग की है कि जांच पूरी होने तक संबंधित पुलिसकर्मियों को सेवा से अलग किया जाए और निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराई जाए। दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि मामले में न्यायिक जांच की प्रक्रिया जारी है और सभी तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। भरत तिवारी एनकाउंटर मामला पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में बना हुआ है और अब दिल्ली में शुरू हुए इस प्रदर्शन के बाद इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी नई चर्चा मिल रही है।

विदेश से मिल रहे थे आदेश, दिल्ली पुलिस ने बिश्नोई गैंग के 3 शूटर पकड़े

दिल्ली पुलिस ने बिश्नोई गैंग की बड़ी साजिश की नाकाम, 3 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तीन वांछित शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। लंबे समय से इनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी और खुफिया जानकारी मिलने के बाद विशेष अभियान चलाकर इन्हें दबोच लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं, जिनके आधार पर पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क विदेश में बैठे गैंग के संचालकों और हैंडलरों से जुड़े हुए थे। जांच में पता चला है कि आरोपियों को इंटरनेट आधारित संचार माध्यमों और एन्क्रिप्टेड एप्लिकेशन के जरिए निर्देश दिए जाते थे। उन्हें संभावित निशानों की जानकारी, हथियारों की

बिश्नोई गैंग के 3 शूटर दिल्ली पुलिस ने दबोचे

व्यवस्था और वारदात के तरीके भी विदेश से बताए जाते थे। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी संगठित अपराध से जुड़े कई मामलों में पहले से वांछित थे। इनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप दर्ज बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हथियार, कारतूस, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए हैं। जब्त सामग्री की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से एक बड़ी आपराधिक साजिश को समय रहते विफल कर दिया गया है। अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ के आधार पर उनके सहयोगियों, वित्तीय स्रोतों और विदेश में बैठे संचालकों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने और संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

गुरुग्राम को मिला 7 एकड़ में बना अत्याधुनिक जिला कोर्ट परिसर

एजेंसी ,नई दिल्ली

गुरुग्राम को रविवार को आधुनिक सुविधाओं से लैस नया जिला न्यायालय परिसर मिल गया। लगभग सात एकड़ क्षेत्र में बने इस विशाल कोर्ट परिसर का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। उद्घाटन समारोह में न्यायपालिका, प्रशासन और बार एसोसिएशन से जुड़े अनेक अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस नए न्यायालय परिसर के शुरू होने से न्यायिक कार्यों को अधिक व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। साथ ही वादकारियों, अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

नए जिला न्यायालय परिसर को आधुनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। भवन में विशाल अदालत कक्ष, डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन की व्यवस्था, आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल, पर्याप्त प्रतीक्षालय, अधिवक्ताओं के लिए अलग चैंबर, पुस्तकालय, बैठक कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय बनाए गए हैं। परिसर में दिव्यांगजनों के लिए रैंप और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है, ताकि सभी लोगों को न्यायालय तक आसान पहुंच मिल सके। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए परिसर में सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश नियंत्रण प्रणाली और पर्याप्त पार्किंग की सुविधा विकसित की गई है। हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिसर में खुले स्थान, पौधारोपण और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह न्यायालय परिसर भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है और इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी।

जेएंडके में 'ऑपरेशन लोटस' पर सियासी संग्राम तेज

उमर अब्दुल्ला का बड़ा आरोप, भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश का दावा

◆ उमर अब्दुल्ला के आरोप से गरमाई राजनीति भाजपा ने साधी चुप्पी

विधानसभा के आंकड़ों के बीच 'ऑपरेशन लोटस' पर छिड़ी बहस।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में उस समय नई हलचल पैदा हो गई जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी उनकी सरकार को गिराने के लिए कथित रूप से 'ऑपरेशन लोटस' चला रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को तोड़ने और सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई कि क्या वास्तव में जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सरकार किसी संकट का सामना कर रही है या यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। पार्टी ने 56 सीटों पर चुनाव लड़ा और 42 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके बाद उसे सहयोगी दलों और समर्थक विधायकों का साथ मिला, जिसके आधार पर सरकार का गठन हुआ और उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने 62 सीटों पर चुनाव लड़कर 29 सीटें जीतीं और विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वर्तमान विधानसभा में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 48 विधायकों का है। विधानसभा की कुल क्षमता 95 सदस्यों की है, जिनमें 90 निर्वाचित सदस्य और पांच उपराज्यपाल द्वारा नामित सदस्य शामिल हैं। उपलब्ध चुनावी आंकड़ों के अनुसार भाजपा के पास 29 निर्वाचित विधायक हैं। ऐसे में यदि वह सरकार बनाना चाहती है तो उसे बहुमत तक पहुंचने के लिए अन्य दलों या निर्दलीय विधायकों के पर्याप्त समर्थन की आवश्यकता होगी। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के विधायकों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री का कहना है कि कुछ विधायकों से संपर्क कर उन्हें सरकार के खिलाफ जाने के लिए कथित रूप से प्रलोभन दिए जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। उनके बयान के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई और विभिन्न दलों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं।

क्या खतरे में है उमर अब्दुल्ला सरकार?

भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को निराधार और राजनीतिक बताया है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि सरकार की अपनी नीतियों और प्रशासनिक चुनौतियों से ध्यान हटाने के लिए इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। भाजपा का कहना है कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है और किसी भी प्रकार की अवैध या अनैतिक राजनीतिक गतिविधि का समर्थन नहीं करती।

सरकार पर संकट की अटकलें तेज

वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। चुनाव के बाद सहयोगी दलों और समर्थक विधायकों के समर्थन से पार्टी ने सरकार बनाई और उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री बने। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है। सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा 48 सीटों का है, जबकि भाजपा के पास अपने दम पर इससे काफी कम विधायक हैं।

जम्मू-कश्मीर में सत्ता को लेकर संग्राम

मुख्यमंत्री के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें पूरी तरह निराधार बताया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है और सरकार गिराने की किसी भी साजिश में शामिल नहीं है। पार्टी का आरोप है कि सरकार अपनी प्रशासनिक चुनौतियों और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान दे रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की स्थिरता का अंतिम निर्णय विधानसभा के पटल पर बहुमत से ही होता है।

लेह से कारगिल तक बदला प्रशासनिक नक्शा

लद्दाख में प्रशासनिक बदलाव 17 नई तहसीलों को मंजूरी

17 नई तहसीलों के गठन से लद्दाख में शासन होगा और मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख प्रशासन ने राजस्व और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी तथा जनकेंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 17 नई तहसीलों के गठन को मंजूरी प्रदान की है। इस फैसले के बाद केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में तहसीलों की कुल संख्या 15 से बढ़कर 32 हो जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इस पुनर्गठन से शासन व्यवस्था को जमीनी स्तर तक मजबूत करने में मदद मिलेगी और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राजस्व एवं अन्य सरकारी सेवाएं पहले की तुलना में अधिक आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

लद्दाख का भौगोलिक क्षेत्र अत्यंत विशाल तथा दुर्गम है। ऊंचे पर्वतीय इलाकों और लंबी दूरी के कारण लोगों को तहसील कार्यालयों तक पहुंचने में कई बार घंटों और कभी-कभी पूरा दिन लग जाता है। ऐसे में प्रशासनिक कार्यों के लिए नागरिकों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नई तहसीलों के गठन से इन समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। लोगों को प्रमाण पत्र, भूमि अभिलेख, नामांतरण, राजस्व संबंधी मामलों तथा अन्य सरकारी सेवाओं के लिए कम दूरी तय करनी पड़ेगी।

अमरनाथ यात्रा के 11वें जत्थे में 9,153 श्रद्धालु रवाना

बालटाल और पहलगाम मार्ग के लिए निकला अमरनाथ यात्रियों का 11वां जत्था

2.30 लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके दर्शन।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की वार्षिक यात्रा पूरे उत्साह और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जारी है। रविवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से 9,153 श्रद्धालुओं का 11वां जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुचारु यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा, चिकित्सा और यातायात प्रबंधन के इंतजाम किए हैं। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ विभिन्न एजेंसियां लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अधिकारियों के अनुसार इस जत्थे में कुल 9,153 श्रद्धालु शामिल हैं, जिनमें 2,345 महिलाएं और 18 बच्चे भी हैं। सभी यात्रियों को 359 वाहनों के माध्यम से दो अलग-अलग काफिलों में रवाना किया गया। पहला काफिला सुबह 2:44 बजे जम्मू से गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जिसमें 3,429 श्रद्धालु शामिल थे। दूसरा काफिला सुबह 3:35 बजे अनंतनाग जिले के नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। इस काफिले में 5,724 श्रद्धालु सवार थे। दोनों मार्गों पर सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी के बीच वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई।

यात्रा के दौरान जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं के काफिलों के साथ सुरक्षा बलों के वाहन भी चल रहे हैं और मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा चिकित्सा सहायता के लिए एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार केंद्र और स्वास्थ्यकर्मियों को भी तैयार रखा गया है। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस और नागरिक प्रशासन लगातार समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष और त्वरित प्रतिक्रिया दल भी सक्रिय हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। तीन जुलाई से शुरू हुई यात्रा में अब तक 2.30 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद प्रशासन यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए हुए है। यात्रा मार्ग पर भोजन, पेयजल, विश्राम, चिकित्सा और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

बिश्नाह पुलिस ने बचाए 9 गोवंशीय पशु

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बिश्नाह पुलिस ने अवैध रूप से ले जाए जा रहे 9 गोवंशीय पशुओं को सुरक्षित बचाते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार थाना बिश्नाह की टीम नियमित गश्त और जांच के दौरान रत्लाल से रिंग रोड के रास्ते मीरां साहिब की ओर जा रहे बिना पंजीकरण नंबर वाले लाल रंग के स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रॉली में 9 गोवंशीय पशु मिले जिनमें 2 गाय और 7 बैल शामिल थे। पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने सभी गोवंशीय पशुओं को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर उन्हें आवश्यक देखभाल के लिए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पशुओं के अवैध परिवहन की आशंका जताई जा रही है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जेएंडके में विवादित किताबों पर बड़ा एक्शन, प्रकाशक गिरफ्तार

अलगाववाद के महिमामंडन के आरोप, तीन प्रकाशकों पर कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आपत्तिजनक सामग्री वाली विवादित किताबों के प्रकाशन और वितरण के मामले में काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन प्रकाशकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई जम्मू और दिल्ली में एक साथ चलाए गए तलाशी अभियान के बाद की गई। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन पुस्तकों के प्रकाशन, वितरण और सरकारी संस्थानों तक पहुंचने की प्रक्रिया में किन-किन लोगों की भूमिका रही।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है और आने वाले दिनों में अन्य लोगों से भी पूछताछ तथा अतिरिक्त गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

यह मामला उस समय सामने आया जब सरकारी पुस्तकालयों में उपलब्ध दो पुस्तकों की सामग्री को लेकर आपत्तियां उठाई गईं। आरोप है कि इन पुस्तकों में कुछ ऐसे व्यक्तियों का उल्लेख और प्रस्तुतीकरण किया गया है जिन्हें अलगाववादी विचारधारा से जोड़कर देखा जाता है।

प्रकाशकों की भूमिका जांच के घेरे में

जांच एजेंसियों का कहना है कि इन पुस्तकों में दी गई सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से गंभीर जांच का विषय है। प्रारंभिक जांच के आधार पर चार जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में जिन दो पुस्तकों का उल्लेख किया गया है उनमें 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' तथा 'ग्रेट पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' शामिल हैं। पहली पुस्तक के लेखक हिलाल अहमद और संतोष मीणा हैं, जबकि इसका प्रकाशन जम्मू स्थित ओबेरॉय बुक सर्विस द्वारा किया गया।

सीआईके ने तीन प्रकाशकों को पकड़ा

एजेंसियां इन पुस्तकों की सामग्री, संपादन प्रक्रिया, प्रकाशन की अनुमति और वितरण व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए प्रकाशकों में जम्मू स्थित ओबेरॉय बुक सर्विस के इंदरपाल तथा नोएडा स्थित डॉमिनेंट पब्लिशर्स के अमरदीप सिंह और गिरीश अरोड़ा शामिल हैं।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था का सीआईएसएफ महानिदेशक ने लिया जायजा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में जारी पवित्र अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने पहलगाम स्थित नुनवन बेस कैंप का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उनके साथ सीआईएसएफ के अतिरिक्त महानिदेशक (उत्तर) सुधीर कुमार भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने यात्रा मार्ग पर तैनात सुरक्षा बलों की तैयारियों, निगरानी तंत्र, संचार व्यवस्था तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने महानिदेशक को यात्रा से जुड़े सुरक्षा प्रबंधों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए बनाए गए इंतजामों की जानकारी भी दी।

निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने नुनवन बेस कैंप में स्थापित प्रवेश नियंत्रण प्रणाली, चेक पोस्ट, संचार केंद्र, सीआरपीएफ कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी केंद्र और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों से यात्रा मार्ग पर लागू मानक संचालन प्रक्रिया, भीड़ प्रबंधन की रणनीति, संवेदनशील स्थानों की निगरानी तथा तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुरक्षित बनाए रखने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

प्रवीर रंजन ने यात्रा मार्ग पर तैनात जवानों से सीधे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा देश की सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है, इसलिए सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने सभी जवानों को हर समय पूरी सतर्कता बनाए रखने, निर्धारित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बिश्नाह में पत्रकारों से अभद्र व्यवहार के विरोध में सड़क पर प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, बिश्नाह। बिश्नाह क्षेत्र में डायरेक्टर अर्बन लोकल बॉडीज के दौरे के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया जब सड़क जाम की स्थिति को लेकर मौजूद पत्रकारों ने उनसे सवाल पूछे। आरोप है कि इसी दौरान डायरेक्टर के साथ मौजूद एक व्यक्ति पत्रकारों से उलझ गया और उनके साथ धक्का-मुक्की करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई और पत्रकारों में नाराजगी फैल गई।

घटना से आक्रोशित पत्रकार सड़क पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों का कहना था कि समाचार संकलन के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के अधिकारों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति अक्सर स्थानीय विधायक के साथ देखा जाता है और उसके खिलाफ निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने पत्रकारों से बातचीत कर मामले की जांच का भरोसा दिलाया। हालांकि प्रदर्शनकारी पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपित व्यक्ति के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बना रहा।

अनंतनाग में दो मंजिला मकान में भीषण आग, सिलेंडर फटने से दो भाई झुलसे

रिहायशी मकान में आग से हड़कंप, दमकल की तत्परता से आसपास के घर बचे।

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले के चीनी चौक इलाके में एक दो-मंज़िला रिहायशी घर में भीषण आग लगने से आसमान में धुएं के गुबार छा गए जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई और गैस सिलेंडर फटने से दो भाई घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग के ज़िला फायर हेडक्वार्टर को आग लगने की सूचना देने वाली कई कॉल मिलीं। हेडक्वार्टर अनंतनाग और सिटी फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। स्थानीय लोगों की मदद से फायरफाइटर्स ने आग पर काबू पाने और उसे आस-पास की इमारतों में फैलने से रोकने के लिए ज़ोरदार अभियान चलाया। अभियान के दौरान घर के अंदर एक गैस सिलेंडर फट गया जिससे एक ही परिवार के दो भाई घायल हो गए। घायलों की पहचान ज़ीशान फिरदौस पिता फिरदौस अहमद हाफ़िज़ के तौर पर हुई है जो बुरी तरह झुलस गए थे और उन्हें बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल भेजा गया।

वही दूसरे भाई की पहचान आकिब फिरदौस पिता फिरदौस अहमद हाफ़िज़ के तौर पर हुई है जिन्हें मामूली चोटें आई उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि आग दो-मंज़िला रिहायशी घर में लगी थी। एहतियात के तौर पर मदद के लिए मट्टन फायर स्टेशन को भी बुलाया गया था लेकिन स्थिति नियंत्रण में आने के बाद उन्हें वापस बुला लिया गया।

पहलगाम में पहाड़ से गिरी चट्टान टेंट दबने से मजदूर की मौत

चंदनवाड़ी में पहाड़ से गिरी चट्टान, मजदूर की जान गई।

भारतेंदु संवाददाता, पहलगाम। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। यह घटना चंदनवाड़ी के ईदगाह इलाके में देर रात उस समय हुई जब पहाड़ से अचानक एक बड़ी चट्टान खिसककर नीचे आ गिरी और वहां लगे एक टेंट को अपनी चपेट में ले लिया। टेंट के अंदर सो रहे मजदूर को गंभीर चोटें आईं और अस्पताल ले जाने के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

मृतक की पहचान शबीर अहमद शाह के रूप में हुई है, जो अनंतनाग जिले के ऐशमुकाम का निवासी था। वह चंदनवाड़ी क्षेत्र में मजदूरी का कार्य करता था और अन्य श्रमिकों के साथ अस्थायी टेंट में रह रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात के समय अचानक तेज आवाज सुनाई दी। जब लोग बाहर निकले तो देखा कि पहाड़ से गिरी विशाल चट्टान टेंट पर आ गिरी थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और मलबे में फंसे शबीर को बाहर निकाला।

परेशानी अमरनाथ गुफा के बदलते मौसम पर वैज्ञानिकों की चेतावनी, समय से पहले पिघला बाबा बर्फानी

पांच दिन में अंतर्ध्यान हुए बाबा बर्फानी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाला बाबा बर्फानी का हिम शिवलिंग इस वर्ष यात्रा शुरू होने के मात्र पांच दिनों के भीतर ही पिघल गया। इस घटना ने श्रद्धालुओं के साथ-साथ मौसम वैज्ञानिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों का भी ध्यान आकर्षित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि कम बर्फबारी, बढ़ता तापमान, बदलते मौसम का स्वरूप और मानवीय गतिविधियों का बढ़ता दबाव इस स्थिति के प्रमुख कारण हो सकते हैं। उनका मानना है कि हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं और अमरनाथ गुफा का परिवेश भी इससे अछूता नहीं है।

मौसम विज्ञानी सोनम लोटस के अनुसार इस वर्ष शीतकाल के दौरान सामान्य से कम बर्फबारी हुई, जिसके कारण गुफा के भीतर बनने वाले हिम शिवलिंग को पर्याप्त प्राकृतिक आधार नहीं मिल सका। सर्दियों में होने वाली बर्फबारी और लंबे समय तक बनी रहने वाली ठंड हिम शिवलिंग के निर्माण और उसके लंबे समय तक सुरक्षित रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन इस बार मौसम अपेक्षाकृत गर्म रहा और बर्फ कम जमी, जिससे शिवलिंग का आकार जल्दी प्रभावित हुआ।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमरनाथ गुफा के आसपास का तापमान भी पहले की तुलना में तेजी से बदल रहा है। दिन के समय कई बार तापमान 10 से 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसका सीधा असर हिम संरचनाओं पर पड़ता है। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण बर्फ तेजी से पिघलती है और हिम शिवलिंग का आकार कम होने लगता है। पिछले वर्ष भी हिम शिवलिंग लगभग दस दिनों तक ही सुरक्षित रह पाया था, जबकि इस बार यह अवधि घटकर केवल पांच दिन रह गई। इसे जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव का संकेत माना जा रहा है।

ग्लेशियर सिकुड़ने का दिखा असर

वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि अमरनाथ यात्रा के दौरान बढ़ती मानवीय गतिविधियां स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रही हैं। यात्रा मार्ग के विकास के लिए सड़क निर्माण, जनसुविधाओं का विस्तार, विभिन्न ढांचागत परियोजनाएं तथा चौबीसों घंटे चलने वाले जनरेटर स्थानीय वातावरण के तापमान को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्यों में प्रयुक्त भारी मशीनों से निकलने वाला धुआं और अन्य प्रदूषक भी प्राकृतिक संतुलन पर असर डालते हैं। इन सभी कारणों से गुफा के आसपास का सूक्ष्म जलवायु तंत्र धीरे-धीरे बदल रहा है। अमरनाथ यात्रा में हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही, अस्थायी शिविर, भोजनालय और अन्य व्यवस्थाओं के कारण क्षेत्र में मानव गतिविधि का दबाव भी बढ़ा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के उपाय प्रभावी ढंग से नहीं अपनाए गए तो इसका असर भविष्य में और अधिक गंभीर हो सकता है। इसलिए यात्रा के दौरान पर्यावरणीय मानकों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।

हिजबुल आतंकी इम्तियाज कंडू के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी

एसआईए को बड़ी सफलता, मोस्ट वांटेड आतंकी पर इंटरपोल का शिकंजा

शहीद पुलिसकर्मियों के मामले में एसआईए को मिली अहम सफलता।

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) को वर्ष 2013 के चर्चित आतंकवादी हमले की जांच में बड़ी सफलता मिली है। एजेंसी ने हिजबुल मुजाहिदीन के घोषित आतंकवादी इम्तियाज अहमद कंडू उर्फ फैयाज उर्फ सज्जाद के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस हासिल किया है। अधिकारियों के अनुसार कंडू उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर के क्रालतंग का रहने वाला है और वर्ष 2010 से प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय सदस्य तथा कमांडर रहा है।

भारत सरकार ने अक्टूबर 2022 में उसे आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया था। यह मामला 26 अप्रैल 2013 को सोपोर के ह्यगाम क्षेत्र के पीर मोहल्ला में पुलिस दल पर हुए आतंकी हमले से जुड़ा है, जिसमें ऑटोमैटिक हथियारों से लैस आतंकवादियों ने हमला कर जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार जवानों की शहादत का कारण बने थे।

यह उस समय सुरक्षा बलों पर हुए सबसे गंभीर हमलों में से एक माना गया था। पहले इस मामले की जांच तरजू पुलिस थाने में दर्ज की गई थी, जिसे बाद में वर्ष 2024 में एसआईए कश्मीर को सौंप दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

भराड़ी व सदर थाने में मारपीट व धमकी के मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने मारपीट, धमकी और विवाद से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में अभियोग दर्ज किए हैं। पुलिस थाना भराड़ी में अनीता कुमारी पत्नी नरेश कुमार निवासी लैहड़ी सरेल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मकान निर्माण के दौरान शैलेंद्र सिंह और उनकी पत्नी रीता वर्मा ने भूमि पर आकर उनके साथ मारपीट व धक्का-मुक्की की, जान से मारने की धमकी दी तथा निर्माणाधीन दीवार को नुकसान पहुंचाया। वहीं, इसी मामले में रीता वर्मा पत्नी शैलेंद्र सिंह की शिकायत पर क्रॉस मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान पुश्तैनी रास्ते को निर्माण सामग्री से बंद किया गया और विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज व धमकी दी गई। इसके अलावा पुलिस थाना सदर में दिनेश कुमार निवासी बंदला की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार निशांत कुमार ने घर के बाहर गाली-गलौज की और विरोध करने पर शिकायतकर्ता, उसकी माता व बीच-बचाव करने आई बुआ के साथ भी अभद्र व्यवहार किया, जिससे बुआ को चोटें आईं। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है।

श्री नयना देवी जी में श्रावण अष्टमी मेला आज से

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उत्तरी भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी में आयोजित होने वाला श्रावण अष्टमी मेला सोमवार से आरंभ होगा। मेले के सफल, सुरक्षित व सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त को मेला अधिकारी तथा एसडीएम श्री नयना देवी जी को सहायक मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को पुलिस मेला अधिकारी और डीएसपी श्री नयना देवी जी को सहायक पुलिस मेला अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मेले के दौरान कानून व व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र को 9 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में एक-एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और सेक्टर पुलिस अधिकारी की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था के लिए 400 से अधिक पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा मेले के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन में सहयोग देने की अपील की है।

बिलासपुर कॉलेज परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. श्याम लाल ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया व परीक्षा प्रबंधन को लेकर कॉलेज प्रशासन से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक और पारदर्शी पाई गईं, जिस पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. रीतु शर्मा ने उन्हें विजिटर्स रजिस्टर उपलब्ध कराया, जिसमें प्रो. श्याम लाल ने महाविद्यालय की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने वर्ष 1952 में स्थापित इस प्रतिष्ठित संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों की भी प्रशंसा करते हुए बीएससी गणित की छात्रा शगुन द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अंतर्गत तीसरा स्थान प्राप्त करने को उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल, परीक्षा केंद्र अधीक्षक प्रो. श्रवण कुमार और प्रो. अपर्णा शर्मा की परीक्षा संचालन में निभाई गई भूमिका की भी सराहना की।

राजकुमार होंगे बिलासपुर के नए एसडीएम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल का असर बिलासपुर जिले पर भी पड़ा है। सरकार की ओर से जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार राजकुमार को बिलासपुर का नया उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) नियुक्त किया गया है। राजकुमार अब बिलासपुर में एसडीएम के रूप में प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालेंगे। इससे पहले वे बिलासपुर में सहायक आयुक्त (एसी टू डीसी) के पद पर कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति से जिले के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

200 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमधरा वेल्फेयर फाउंडेशन द्वारा धर्मपुर की लंगहेड़ पंचायत में पौधरोपण किया गया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों, सदस्यों व गांव के युवाओं द्वारा मिलकर लगभग 200 पौधे लगाए गए। यह कार्य क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए किया गया। सभी ने मिलकर पर्यावरण को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। फाउंडेशन द्वारा लोगों को प्लास्टिक के कम उपयोग, जल संरक्षण और अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा ने कहा कि फाउंडेशन को हिमाचल प्रदेश में कार्य करते हुए लगभग एक वर्ष हो गया है। फाउंडेशन शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और नशे के खिलाफ लड़ाई में निरंतर अपनी सहभागिता में शामिल है। प्रयास यह है कि समाज के साथ मिलकर एक स्वच्छ और हरित हिमाचल का निर्माण करें। उन्होंने स्थानीय प्रशासन एवं वन विभाग का भी आभार व्यक्त किया।

राजीव गांधी वन संवर्धन योजना से हरित विकास को मिली नई गति, मंडी में 20 हेक्टेयर में लगे 16 हजार पौधे

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बदलते जलवायु परिदृश्य और पर्यावरण संरक्षण की बढ़ती आवश्यकता के बीच प्रदेश सरकार की राजीव गांधी वन संवर्धन योजना जनभागीदारी आधारित हरित विकास का प्रभावी मॉडल बनकर उभर रही है।

योजना के तहत महिला मंडलों और युवक मंडलों को पौधरोपण एवं पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपकर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण समुदायों को आजीविका के अवसर मिलने के साथ प्रदेश के वन क्षेत्र को भी मजबूती मिल रही है। मंडी वन मंडल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 8 महिला मंडलों और 2 युवक मंडलों के माध्यम से 20 हेक्टेयर क्षेत्र में 16,000 पौधे लगाए गए। वन विभाग ने पौधरोपण और संरक्षण कार्य के लिए प्रति हेक्टेयर 1.20 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की। अभियान में बान, देवदार, कचनार, शीशम, आंवला, बेहड़ा, रीठा, जामुन और पाजा जैसी स्थानीय प्रजातियों का रोपण किया गया। पौधों की आपूर्ति मंडी वन मंडल की विभिन्न नर्सरियों से की गई तथा माइक्रो प्लान के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से पौधरोपण सुनिश्चित किया गया।

योजना की सबसे बड़ी विशेषता स्थानीय महिला और युवक मंडलों की सक्रिय भागीदारी है। वन विभाग का मानना है कि स्थानीय समुदाय पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करेगा। वन वृत्त मंडी में वर्ष 2025-26 के दौरान 121.5 हेक्टेयर क्षेत्र के कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनके लिए 1.24 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई है। अब तक 102.5 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण पूरा किया जा चुका है तथा 74 महिला एवं युवक मंडलों को 1,22,857 पौधे वितरित किए गए हैं एकता युवक मंडल शांडला के अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार सहित विभिन्न महिला एवं युवक मंडलों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना पर्यावरण संरक्षण, जनसहभागिता और हरित हिमाचल के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

अब बच्चों की पीठ पर नहीं पड़ेगा ज्यादा बोझ, स्कूल बैग के वजन पर तय हुई सीमा

समय-सारिणी में होगा बदलाव, केवल जरूरी किताबें ही लानी होंगी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्कूल जाने वाले बच्चों के भारी बैग को लेकर लंबे समय से अभिभावकों और विशेषज्ञों की ओर से चिंता जताई जाती रही है। अब शिक्षा विभाग ने इस दिशा में कदम उठाते हुए स्कूल बैग के वजन को लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। जिला शिमला के उप निदेशक स्कूल शिक्षा (माध्यमिक) ने जिले के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व मुख्याध्यापकों को आदेश दिए हैं कि किसी भी विद्यार्थी के स्कूल बैग का वजन उसके शारीरिक वजन के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। शिक्षा विभाग ने यह निर्देश शिकायतों और उच्च स्तर से मिले आदेशों के बाद जारी किए हैं। विभाग का कहना है कि विद्यालय इस व्यवस्था को गंभीरता से लागू करें, जिससे विद्यार्थियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े और उनकी शारीरिक सेहत

पर प्रतिकूल असर न हो। जारी आदेश में विद्यालयों से कहा गया है कि वे अपनी समय-सारिणी इस प्रकार तैयार करें, जिससे विद्यार्थियों को प्रतिदिन केवल उसी दिन पढ़ाई के लिए आवश्यक पुस्तकें और कॉपियां ही स्कूल लानी पड़ें। स्कूलों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि छात्र अतिरिक्त किताबें, कॉपियां और अन्य अनावश्यक सामग्री अपने बैग में लेकर न आएं। विभाग का मानना है कि यदि रोजाना की पढ़ाई के अनुसार पुस्तकों का उपयोग होगा तो स्कूल बैग का वजन अपने आप कम होगा। आदेश में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की ओर से स्कूल बैग के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करने के लिए भी कहा गया है। विभाग ने सभी विद्यालयों से इन निर्देशों को नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाने पर जोर दिया है।

सभी स्कूलों से मांगी गई कार्रवाई रिपोर्ट

उपनिदेशक स्कूल शिक्षा (माध्यमिक), जिला शिमला ने सभी सरकारी और निजी विद्यालयों को निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही, इन आदेशों के अनुपालन में की गई कार्रवाई की एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) निर्धारित प्रारूप में तय समय के भीतर विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

अगस्त में होगी जिला सीनियर खो-खो प्रतियोगिता

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला एमेच्योर खो-खो एसोसिएशन बिलासपुर की बैठक जुखाला में जिला अध्यक्ष पवन ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं की तिथियों और आयोजन संबंधी निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि जिला स्तरीय सीनियर पुरुष व महिला खो-खो प्रतियोगिता अगस्त माह में आयोजित की जाएगी। इसके लिए सदर, स्वारघाट, झंडूता व घुमारवीं खंडों के प्रभारी भी नियुक्त किए गए। वहीं, हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ के सहयोग से पहली बार जिला स्तरीय अस्मिता महिला खो-खो लीग सितंबर में आयोजित होगी, जिसमें जिले की छह महिला टीमें भाग लेंगी। जिलाध्यक्ष पवन ठाकुर ने बताया कि एसोसिएशन नवंबर में बिलासपुर में सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए भी तैयार है। बैठक में एसोसिएशन के संचालन के लिए सदस्यों से स्वैच्छिक अंशदान लेने का भी निर्णय लिया गया।

बस में 2 किलो चरस ले जा रहा हरियाणा का युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश को 'चिट्टा-मुक्त' बनाने के संकल्प और एंटी-चिट्टा जन-आंदोलन के तहत स्पेशल टास्क फोर्स को नशे के खिलाफ अभियान में एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है।

एसटीएफ कुल्लू की टीम ने शनिवार देर रात गश्त के दौरान मनाली-हरिद्वार रूट पर चल रही एक वोल्वो बस से भारी मात्रा में चरस बरामद की है। चरस तस्करी का मामला उस दौरान सामने आया जब स्पेशल टास्क फोर्स की टीम देर रात नियमित गश्त और वाहनों की निगरानी पर थी। इसी दौरान टीम ने मनाली से हरिद्वार जा रही एक वोल्वो बस (नंबर: एचआर 47एच-0011) को चेकिंग के लिए रोका। बस की तलाशी लेने पर उसमें सवार हरियाणा के एक युवक के कब्जे से 2.006 किलोग्राम चरस बरामद की गई। एसटीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ कुल्लू डीएसपी हेमराज वर्मा ने बताया कि आरोपी की पहचान रिंकू ठाकुर (26) पुत्र महावी सिंह निवासी मकान नंबर 629, राम

चौक, हरी नगर (शिव मंदिर के पास), तहसील व थाना मॉडल टाउन, जिला पानीपत, हरियाणा के रूप में हुई है। एसटीएफ कुल्लू के डीएसपी हेम राज वर्मा ने बताया कि इस संबंध में स्पेशल टास्क फोर्स के नवस्थापित पुलिस थाना, मंडी में मामला (अभियोग) दर्ज कर लिया गया है। वर्मा ने बताया कि एसटीएफ इस पूरे मामले की गहनता से तफ्तीश कर रही है। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि यह नशा कहाँ से लाया गया था और इसकी डिलीवरी कहाँ की जानी थी। इस अवैध कारोबार में ड्रग मनी का लेन-देन किस माध्यम से हुआ। डीएसपी हेम राज वर्मा ने कहा कि नशा तस्करों के पूरे सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य चेहरों को भी बेनकाब किया जाएगा।

लाहलड़ी में गूंजा शहीदों का सम्मान बच्चों ने भाषण स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कारगिल के शहीदों की याद में गांव लाहलडी में ग्राम सुधार सभा के प्रांगण में रविवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ,भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़कर हिस्सा लिया,भारी बारिश होने के बाबजूद भी प्रतियोगिता में कुल 55 बच्चों ने हिस्सा लिया है। कार्यक्रम में एनआईटी के प्रोफेसर डॉ अश्विनी राणा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और बच्चों को करियर के बारे में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर सभी गांव वासी ने गांव के नायक स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व सैनिकों को भी नमन किया। भाषण प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए आयोजक सेवानिवृत अनिल कुमार ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में तीन से पांच वर्ष के बच्चों में पहला स्थान इशिता पटियाल ने हासिल किया। द्वितीय स्थान रुद्रिका ठाकुर, तृतीय स्थान मोनिका में हासिल किया। 6 से 11 वर्ष के बच्चों में पहला शिवांश आनंद दूसरा आरुषि जबकि 12 से 15 साल के प्रतियोगिता में पहला स्थान लोवेश ठाकुर दूसरा स्थान वंशिका और तीसरा रिधि कुमारी ने हासिल से किया।

16 से 18 वर्ष के प्रतियोगिता में पहला स्थान शिवानी दूसरा पालक और तीसरा यामिनी ने हासिल किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य डॉक्टर जगजीत सिंह, दिलीप सिंह, राजेंद्र पटियाल, देवदास शहंशाह, युद्ध वीर किशोर चंद्र, प्रकाश चंद, प्रकाश राणा, रविंदर इत्यादि मौजूद रहे।

ऊना में 77 .59 ग्राम चिट्टे के साथ चार काबू

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हिमाचल प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ऊना जिले में दो चरणों में कार्रवाई करते हुए कुल 77.59 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार 11 जुलाई को एसटीएफ की टीम ऊना जिले की अंब तहसील में गश्त पर थी। इसी दौरान टीम को विश्वसनीय सूचना मिली कि मुबारिकपुर क्षेत्र में चिट्टा की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर एसटीएफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध लोगों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 60.45 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार

कर उनके खिलाफ पुलिस थाना अंब में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच के दौरान आरोपियों से मिले सुरागों के आधार पर 12 जुलाई को एक और कार्रवाई की गई। एसटीएफ की टीम ने ग्राम तलवाड़ा में दो लोगों के घरों की कानूनी प्रक्रिया के तहत तलाशी ली। इस दौरान 17.14 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। इसके बाद दोनों लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया और बरामद मादक पदार्थ के संबंध में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि मामले की जांच जारी है। बरामद चिट्टा के स्रोत, इसकी आपूर्ति श्रृंखला, इससे जुड़े वित्तीय लेन-देन और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। प्रदेश पुलिस ने लोगों, विशेष रूप से युवाओं से अपील की है कि यदि चिट्टा या अन्य मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी कोई सूचना हो तो तुरंत 112 या निकटतम पुलिस थाना को इसकी जानकारी दें। पुलिस का कहना है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

एचपी शिवा परियोजना पर इस वित्तीय वर्ष खर्च होंगे 325 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में बागवानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एचपी शिवा परियोजना को प्रदेश के सात जिलों के 52 विकास खंडों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत लगभग 1,292 करोड़ रुपए है। यह जानकारी उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत करीब 6 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में 400 क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे लगभग 15 हजार किसान परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। परियोजना के माध्यम से किसानों को मीठा संतरा, अमरूद, अनार, लीची, आम, पलम और जापानी फल जैसे उपोष्णकटिबंधीय फलों की आधुनिक, व्यावसायिक और बाजार आधारित खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 1,140 हेक्टेयर क्षेत्र में फलदार पौधों का रोपण किया जा चुका है। परियोजना पर अब तक लगभग 330 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 325 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

बिलासपुर के लंझता में एचपी शिवा परियोजना के तहत तैयार हो रहा जापानी फल का क्लस्टर, 37 किसानों को मिलेगा लाभ

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के घुमारवीं उपमंडल की ग्राम पंचायत लंझता में बागवानी विभाग की एचपी शिवा परियोजना के तहत जापानी फल (पर्सिमन) का आधुनिक क्लस्टर विकसित किया जा रहा है। लगभग 3.5 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित इस क्लस्टर में 37 किसानों की भूमि पर इस वर्ष फरवरी माह में फ्यूू प्रजाति के 2,019 पौधे रोपित किए गए हैं।

परियोजना के पूर्ण रूप से क्रियाशील होने पर यह किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ बिलासपुर को प्रदेश के बागवानी मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बागवानी विभाग ने पौधों को 4×4 मीटर की दूरी पर वैज्ञानिक तरीके से लगाया है। प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग भी की गई है, जिससे भविष्य में पौधों की वृद्धि, उत्पादन और बाजार तक पहुंच की निगरानी

आसान होगी। इससे उत्पाद की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित होने के साथ किसानों को बेहतर विपणन और उचित मूल्य मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। यह बिलासपुर जिले का दूसरा तथा घुमारवीं उपमंडल का पहला जापानी फल क्लस्टर है। बगीचे के पूर्ण विकसित होने तक किसान बहुफसली खेती के तहत लहसुन, प्याज, मिर्च और गेहूं जैसी फसलें उगा रहे हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होने के साथ-साथ पौधों के बेहतर रखरखाव में भी सहायता मिल रही है। लाभान्वित किसान अंजलि ठाकुर ने बताया कि पहले उनकी भूमि अनुपयोगी पड़ी थी, लेकिन अब एचपी शिवा परियोजना के तहत 235 जापानी फल के पौधे लगाए गए हैं। सिंचाई की सुविधा मिलने से खेती आसान हुई है और भविष्य में अच्छी आय की उम्मीद है।

किसान राजकुमारी ने कहा कि पहले आवारा पशुओं और जंगली जानवरों के कारण खेती करना कठिन था। परियोजना के तहत की गई बाड़बंदी से अब पारंपरिक फसलों के साथ-साथ जापानी फल की खेती भी सुरक्षित हो गई है। वहीं किसान पवन कुमार ने बताया कि बागवानी विभाग के अधिकारी नियमित रूप से पौधों की देखभाल और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उनका विश्वास है कि अगले पांच से छह वर्षों में यह बगीचा सेब की तरह अच्छी आमदनी का स्रोत बनेगा।

राम चंदा चोरी मामले में 14 जुलाई को धर्मशाला में कांग्रेस करेगी भजन कीर्तन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। जिला कांगड़ा कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद अनुराग शर्मा ने जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आह्वान किया है कि वह 14 जुलाई को राम मंदिर चंदा चोरी के विरोध में होने वाले जिला कांग्रेस कमेटी के भजन कीर्तन में शामिल हों। रविवार को जारी एक प्रेस बयान में उन्होंने कहा है कि भाजपा ने संघ के साथ मिल कर लोगों की आस्था की चोरी की है, इस चोरी के खिलाफ कांग्रेस प्रदेश में एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। अनुराग शर्मा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा ही अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए लोगों की धार्मिक आस्था से खिलवाड़ किया।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ ने पुरानी पेंशन व एरियर भुगतान की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्थानीय निकाय सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की बैठक नगर परिषद के सभागार में जिला प्रधान किशोरी लाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संयुक्त संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष चेत राम वर्मा मुख्यातिथि तथा अतिरिक्त महासचिव देवेश्वर गौतम विशेषातिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक की शुरुआत दिवंगत सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। बैठक में प्रदेश मुख्य संयोजक अशोक शर्मा ने नगर परिषद के एनपीएस सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में लाने की मांग उठाई। हरि सिंह ने शहरी निकायों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लंबित एरियर का शीघ्र भुगतान तथा सेवा के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर नियुक्ति देने की मांग की। बैठक में कृष्ण लाल चौधरी, जोगिंदर, दीपचंद, ओंकार चंदेल, रामपाल, शकुंतला वर्मा, ऋषि राम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत छतर, विकास खंड द्रंग, जिला मंडी, हि.प्र.

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत छतर विकास खण्ड ढंग जिला मण्डी हि.प्र. द्वारा वर्ष 2026-2027 के लिए विभिन्न विकास कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यकतानुसार अधिकृत विक्रेताओं से मुहरबद (सील्ड) निविदाएं (कुटेशने) पुनः आमंत्रित की जाती है। ये निविदाएं दिनाक 22-07-2026 सांय 05:00 बजे से पूर्व ग्राम पंचायत छतर के कार्यालय में पहुँच जानी चाहिए। उक्त तिथी तक प्राप्त निविदाएं दिनांक 23-07-2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय ग्राम पंचायत छतर में पदाधिकारियों की गणपूर्ति व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष (यदि उपस्थित हो) खोली जाएंगी। प्रशासनिक कारणों से इस तिथि में बदलाव करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। इस दशा में सूचना समाचार पत्रों में प्रदर्शित नहीं की जाएगी। सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पट पर प्रदर्शित की जाएगी। ग्राम पंचायत को इस अवधि हेतु निम्नलिखित सामग्री की आवश्यकता रहेगी।

सामग्री का विवरण:- 1. रेत क्रशर, रेत खड्ड-प्रति घन फुट, 2. बजरी क्रशर 10mm, 20mm, 40mm बजरी खड्ड-प्रति घन फुट, 3. सीमेंट / बोल्डर पत्थर-प्रति घन फुट, 4. पत्थर (कट स्टोन)-प्रति पत्थर, 5. ईंट मिट्टी के भट्टे की-प्रति ईंट (9X4.5X4 ईंच), 6. टाइल्स-प्रति पीस/प्रति साईज, 7. JCB मशीन द्वारा मिट्टी कटान व ब्रेकर-प्रति घन मीटर/(हार्ड/सॉफ्ट रॉक)/प्रति घंटा, 8. सामग्री ढुलान (सीमेंट जोगिन्दर नगर से ग्राम पंचायत छतर रोड से कार्य स्थल तक उतराई व चढ़ाई सहित) ट्रैक्टर/जीप/अन्य वाहन द्वारा-प्रति किलोमीटर/प्रति बैग, 9. शटरिंग लोहा व लकडी-प्रति वर्ग फुट, व रनिंग फुट, 10. लकडी व एल्यूमीनियम फिटिंग्स व डोर विंडो-प्रति वर्ग फुट/रनिंग फुट, 11. प्लाई बोर्ड शीट / Other फैंसी शीटिंग / फ्लैश Sheets-आइटम वार/प्रति घन फुट/वर्ग फुट, 12. कलर कोटेड रूफ शीट्स आदि व सीलिंग शीट्स-आइटम वार/साइज वार, 13. Furniture Items (Table - Chairs, सोफासेट, मैट, लैक्चर स्टेंड, इत्यादि सभी फर्नीचर वस्तुएं-प्रति आईटम पूर्ण विविरण सहित, 14. वैल्डिंग वर्क्स-प्रति किलो/क्विंटल, 15. मिक्सर मशीन-प्रति दिन/प्रति घंटा, 16. पेंटर-प्रति दिन/स्क्वेयर फुट, 17. साइन बोर्ड (2x3)/ वाल राइटिंग/पेंटिंग-साइज वार/अन्य, 18. इलेक्ट्रिकल फिटिंग सामग्री व लेबर-आइटम वार/प्रति पांइट, 19. टेंडनो-विभिन्न रजिस्टर, कागज इत्यादि सभी आइटम, 20. लैपटॉप, कम्प्यूटर, प्रिंटर इत्यादि- आईटम वार व कम्पनी वार।

नियम व शर्ते :- 1. निविदाता (आपूर्तिकर्ता) के पास अपना पंजीकरण पेन संख्या, TIN NO/CST/GST NO. होना आवश्यक है। 2. रेत/बजरी व पत्थर आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से जारी M/X FORM प्राप्त करना होगा जिसके लिए चयनित निविदाता (आपूर्तिकर्ता) की निविदा के चयन उपरांत ग्राम पंचायत छतर को शपथ पत्र एक सप्ताह के भीतर देना होगा। M/X FORM उपलब्ध न करवाने पर सामग्री की अदायगी नहीं की जाएगी। 3. निविदा पर दर स्पष्ट अंकित होनी चाहिए Overwriting होने की दशा में निविदा रद्द की जाएगी। 4 सभी कार्य का लेन देन सरकार के प्रावधानो अनुसार होगा। 5 सामग्री की आपूर्ति HPPWD की Specification के अनुरूप होगी। 6. रेत, बजरी, पत्थर, ईंटें इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल जहाँ तक वाहन योग्य सड़क है तक करवानी होगी तथा ग्राम पंचायत के पूरे क्षेत्राधिकार में एक ही रेट देय होगा। 7. अनुमोदित निविदादाता को सामग्री की आपूर्ति से पूर्व सामग्री की गुणवत्ता की जाँच सक्षम तकनीकी कर्मचारी से करवानी होगी। अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी। 8. अनुमोदित निविदादाता यदि सामग्री की आपूर्ति समयानुसार नहीं कर पाता है तो उसकी सामग्री की राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा। 9. किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत / अस्वीकृत / रद्द करने, समान दर रहने की स्थिति में, एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए, आपूर्ति आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवत्ता के चयन तथा समय पर सामग्री न देने की स्थिति में निविदा किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 10. सामग्री खरीद का अंतिम मूल्य / निर्णय विभाग की Justification व अनुमोदित निविदाओं के साथ Negotiation अनुसार ही किया जाएगा।

सचिव/प्रधान
कार्यालय ग्राम पंचायत छतर, विकास खंड द्रंग, जिला मंडी, हि.प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत चनौर
विकास खंड देहरा, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत चनौर विकास खंड देहरा, जिला कांगड़ा हि.प्र. द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अधिकृत विक्रेताओं से बंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदाएं दिनांक 22-07-2026 अपराह्न 5 बजे तक ग्राम पंचायत के कार्यालय में जमा की जाएंगी। निविदाएं दिनांक 25-07-2026 को प्रातः 11:00 बजे के बाद ग्राम पंचायत की निर्माण कमेटी द्वारा या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष पंचायत कार्यालय में खोली जाएंगी। जो सप्लायर उक्त दिनांक को अनुपस्थित रहेगा उनकी निविदाएं बिना खोले ही रद्द कर दी जाएंगी।

क्र. सं., सामग्री का विवरण, मात्रा जिसमें मूल्य वांछित है:- 1. रेत (क्रशर / धुला / प्लांट) - प्रति घन फुट, 2. रेत डस्ट प्रति घन फुट, 3. बजरी क्रशर (10एमएम) प्रति घन फुट, 4. बजरी क्रशर (20एमएम) - प्रति घन फुट, 5. बजरी क्रशर (40एमएम) प्रति घन फुट, 6. सोलिंग - प्रति घन फुट, 7. बोल्डर पत्थर - प्रति घन फुट, 8. टूटा पत्थर - प्रति घन फुट, 9. पक्की ईंट (अव्वल) - प्रति ईंट, 10. जेसीबी मशीन द्वारा कटान- प्रति घंटा दर से, 11. लोकल फेरा - प्रति चक्कर, 12. शटरिंग स्टील - प्रति वर्ग फुट, 13. शटरिंग लकड़ी - प्रति वर्ग फुट, 14. मिक्सचर प्रति दिन - प्रति दिन तेल सहित

नियम व शर्तें- 1) निविदादाता के पास एम फार्म व अपना GST Tin No. नंबर होना आवश्यक है जिसकी प्रतिलिपि निविदा के साथ संलग्न हो (2) ठेकेदार / आपूर्तिकर्ता को खनन विभाग से हस्ताक्षरित एम-फार्म जमा करवाने होंगे (3) निर्माण सामग्री कार्यस्थल तक उपलब्ध करवानी होगी (4) ग्राम पंचायत के समस्त क्षेत्र अधिकार में एक ही मूल्य देय होगा व अस्वीकृत सामग्री की अदायगी देय नहीं होगी (5) किसी भी निविदा को कारण बताए स्वीकृत / अस्वीकृत करने, सामान दर रहने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओं के लिए कार्य आदेश निर्गत करने, सामग्री की गुणवत्ता के चयन तथा समय पर सामग्री न देने की स्थिति में निविदा किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। (6) सामग्री लेने का अंतिम मूल्य / निर्णय ग्राम पंचायत/विभाग की Justification व पारित निविदादाताओं के साथ तर्कसंगत, (Negotiation) उपरांत किया जाएगा।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत चनौर
विकास खंड देहरा, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत कुण, विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी, हि.प्र.

निविदा सूचना

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत विकास कार्यों व मनरेगा कार्यों को सामग्री निविदाएं आमन्त्रित वारे। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि पंचायत के मनरेगा कार्यों व अन्य मद कार्यों निर्माण हेतु सामग्री की निविदाएं वित वित वर्ष 2026-27 के लिए आमन्त्रित की जानी उचित हैं। इसके अलावा पंचायत में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री की निविदा आमंत्रित करती है। पंचायत में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री की निविदा आमंत्रित करती है।

सामग्री का नाम :- 1. रेत, 2. बजरी, 3. ईंट, 4. पेवर, 5. रेत, बजरी, ईंट, पेवर सामग्री ढुलवान खच्चा/कुण शिल्ही दर्ल ठील फजैर राशि घार अवारली करेरी, 6. Cibs with इन्स्टेलेशन, 7. डस्टबीन (8) शैट्रिंग प्रति स्क्वेयर फुट कार्य स्थल तक, 9. सारिया प्रति किलोग्राम, 10. कटाई हेतु जेसीबी प्रति स्क्वेयर मीटर/प्रति घंटा, 11. सीमेंट बालीचौकी से वार्ड कुण-I, कुण-II, ठील फजैर वार्ड कुण -III, दर्ल वार्ड नं. 4 राशिघार, वार्ड नं. 5 अवारली करेरी with लोडिंग, अनलोडिंग, 12. सोलर लाईट with इन्स्टेलेशन

शर्तें:- 1. निविदा डाक द्वारा ही प्राप्त की जाएगी 2. निविदादाता कि पास GST नंबर व अपनी मोहर होना जरुरी है 3. निविदादाता को 100000 (एक लाख रुपए) अग्रिम धरोहर राशि FD के रुप में निविदा के साथ देनी होगी, इसके बिना निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगा। 4. निविदादाता अपने प्रपत्र के प्रिंटिड लेटर हेड पर ही निविदा आमंत्रित करे। 5. रेत, बजरी, पेवर, ईंट वाले निविदादाता निविदा के पास स्वयं की गाड़ी व (RC) की copy साथ लगानी होगी, नहीं तो निविदा स्वीकृत नहीं होगी। 6. ईंट, पेवर के लिए ISI सर्टिफिकेट कॉपी साथ लगाएं। यदि निविदादाताअगर सामग्री समय पर नहीं देता उसकी धरोहर राशि वापिस नहीं होगी। 7. यदि निविदादाता घटिया सामग्री देता है तो पंचायत को निविदा रद्द करने का पूर्ण अधिकार होगा। कोई अपील-दलील न होगी। 8. निविदा 24 जुलाई 2026 तक शाम पांच बजे पंचायत कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए तथा 25 जुलाई 2026 को निविदा पंचायत कार्यालय में ओपन की जाएगी।

सचिव/प्रधान
विकास खंड बालीचौकी, जिला मंडी, हि.प्र.

कार्यालय ग्राम पंचायत घाड़
विकास खंड भवारना, तह. पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

यह कि बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि ग्राम पंचायत घाड़ वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न मदों से किए जाने वाले विकास कार्यों हेतु सामग्री क्रय करने हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी हैं। सामग्री का विवरण निम्न प्रकार से है। 1. क्रैशर रेत-प्रति घन फुट, 2. क्रैशर बजरी-प्रति घन फुट, 3. क्रैशर गटका-प्रति घन फुट, 4. बोल्डर-प्रति घन फुट, 5. फाडा पत्थर-प्रति घन फुट, 6. ईंट अव्वल- प्रति ईंट, 7. ईंट दोम- प्रति ईंट, 8. कट स्टोन-प्रति पत्थर, 9. जेसीबी खुदाई कार्य-प्रति घंटा, 10. शटरिंग लकड़ी-प्रति वर्ग फुट, 11. शटरिंग लोहा-प्रति वर्ग फुट, 12. साईन बोर्ड सीमेंट लिखाई-प्रति वर्ग फुट, 13. दीवार पेंटिंग साईन बोर्ड-प्रति दीवार, 14. सीमेंट ढुलाई सरकारी सिद्धपुर से घाड़ सीमेंट स्टोर तक-प्रति बैग, 15. टाईल आईएसआई/पेवर टाईल व सीमेंट बैग लेबर लोडिंग व अनलोडिंग -प्रति बैग। नियम व शर्ते:- इच्छुक सप्लायर/फर्म दिनांक 21.07.26 तक शाम 5.00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत घाड़ में पंचायत प्रधान/सचिव के पास कुटेशन सीलबंद लिफाफे में पंजीकृत पत्र या स्वयं जमा करवाएं। सप्लायर/फर्म के पास अपना जीएसटी नं. होना चाहिए। रेट जीएसटी व FOR सहित होने चाहिए। सामग्री की मात्रा व गुणवत्ता सही होनी चाहिए। सप्लायर को सामग्री के साथ एम फार्म देने होंगे। फर्म व सप्लायर को अदायगी (तकनीकी मूल्यांकन) होने पर ही की जाएगी। किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत घाड़ का निर्णय अंतिम होगा। सप्लायर के द्वारा समय पर ही सामग्री सप्लाई की आपूर्ति ना करने पर बिना नोटिस के कुटेशन को रद्द करके फर्म/सप्लायर को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। कुटेशन के साथ रु.25000/- अग्रिम राशि /एफडी पंचायत में जमा करवानी होगी। कुटेशन दिनांक 25.07.2026 को पंचायत बैठक में प्रातः 11.00 बजे कमेटी के समक्ष खोली जाएंगी। प्रस्ताव सर्वसहमति से पास हुआ।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत घाड़
विकास खंड भवारना, तह. पालमपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

जॉर्जिना रोड्रिग्ज का खूबसूरत अंदाज

नई दिल्ली। जॉर्जिना रोड्रिग्ज एक स्पेनिश मॉडल और सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध व्यक्तित्व हैं। उनका जन्म 27 जनवरी 1994 को अर्जेंटीना में हुआ था। उन्होंने फैशन जगत में अपनी पहचान बनाई है। वह प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ अपने संबंधों के कारण भी चर्चा में रहती हैं।

फीफा विश्व कप सेमीफाइनल में अर्जेंटीना की इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के चौथे क्वार्टर फाइनल में रविवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब 16 जुलाई को दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का सामना इंग्लैंड से होगा। पहला सेमीफाइनल 15 जुलाई को स्पेन और फ्रांस के बीच खेला जाएगा।

कैनसस सिटी (अमेरिका) के कैनसस सिटी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका, क्योंकि दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना ने दो गोल दागकर शानदार जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा। जूलियन अल्वारेज के 112वें मिनट में शानदार गोल से अर्जेंटीना 2-1 से आगे हो गई। इसके बाद स्विट्जरलैंड ने बराबरी की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने (120+1वें मिनट में) गोल दागकर 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी।

अर्जेंटीना के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। 10वें मिनट में कप्तान लियोनेल मेसी की कॉर्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफटाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में स्विट्जरलैंड ने शानदार वापसी की। खेल के 67वें मिनट में डैन एनडोए ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड को बड़ा झटका लगा। स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को दूसरा येलो कार्ड मिलने के बाद रेफरी ने रेड कार्ड दिखाते हुए मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बावजूद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम ने निर्धारित समय तक अर्जेंटीना को बढ़त लेने का मौका नहीं दिया और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींचने में सफल रही। हालांकि, अल्वारेज और मार्टिनेज ने अतिरिक्त समय में गोल कर अर्जेंटीना को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया।

नॉर्वे को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड ने जूड बेलिंगहैम के बेहतरीन दो गोलों की बदौलत फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

मैच का फैसला निर्धारित 90 मिनट में नहीं हो सका। रेगुलर टाइम समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में बेलिंगहैम ने विजयी गोल दागकर इंग्लैंड को यादगार जीत दिलाई। नॉर्वे ने मैच का पहला गोल 36वें मिनट में किया। एंड्रियास श्जेल्डरुप ने गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड ने ज्यादा देर इंतजार नहीं किया और कुछ मिनट बाद जूड बेलिंगहैम ने बराबरी का गोल दाग दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। नतीजतन मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। एक्स्ट्रा टाइम की शुरुआत में ही जूड बेलिंगहैम ने 93वें मिनट में अपना दूसरा और मैच का निर्णायक गोल दागा। इस गोल के बाद इंग्लैंड ने बढ़त कायम रखी और आखिरकार 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा कि नतीजा शानदार रहा है। हम टूर्नामेंट की आखिरी चार टीमों में पहुंच गए हैं, जो हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। हालांकि, हमने कुछ गलतियां भी कीं। हमारी गति उतनी अच्छी नहीं थी और खेल में निरंतरता की कमी रही। आज किस्मत हमारे साथ थी।

स्पोर्ट्स विंडो

हैरी केन बोले-ट्रंप के साथ गोल्फ खेलना 'अविश्वसनीय' अनुभव था

एजेंसी, मियामी, (अमेरिका)। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलना अनोखा और 'अविश्वसनीय' अनुभव था। ट्रंप ने सप्ताह की शुरुआत में पत्रकारों को बताया था कि वह हैरी केन के साथ गोल्फ खेल चुके हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि केन एक शानदार खिलाड़ी है। मैंने उनके साथ गोल्फ खेला है और मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। वह एक अच्छे गोल्फर भी हैं। वह वास्तव में बहुत अच्छे हैं।' केन ने कहा कि यह घटना 18 महीने पहले फ्लोरिडा में हुई थी। वह 80 साल की उम्र में ट्रंप के गोल्फ खेलने के कौशल से ईर्ष्या करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी, केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका की फुटबॉल टीम को विश्व कप के राउंड ऑफ 32 तक पहुंचाने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका के तीन ग्रुप मैचों में से दो में शुरुआती लाइनअप में जगह बनाई और 24 जून को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 1-0 की जीत में बेंच से मैदान पर उतरे, जिसने इतिहास में पहली बार नॉकआउट राउंड में उनकी जगह पक्की कर दी। जब 28 जून को कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को टूर्नामेंट से बाहर हुआ तब वह एक अप्रयुक्त स्थानापन्न खिलाड़ी थे। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल प्लेयर्स यूनियन ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, 'जेडेन ने हाल ही में फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया था, जहां उन्होंने गर्व, साहस और विशिष्टता के साथ राष्ट्र की उम्मीदों का भार उठाया था। उनका निधन उनके परिवार, टीम के साथियों, क्लबों, फुटबॉल जगत और पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

अदिति एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 33वें स्थान पर

एजेंसी, एवियन-लेस-बैंस (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने तीसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया जिससे वह एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 33वें स्थान पर पहुंच गईं। अदिति ने पार-71 वाले कोर्स पर शुरुआती दो राउंड में एक समान 70 का स्कोर बनाया था। उन्होंने तीसरे राउंड में दो बोगी की और चार बर्डी बनाई। दक्षिण कोरिया की हेरान रियू ने तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 अंडर 60 का कोर्स-रिकॉर्ड बनाया जिससे उन्होंने 54-होल के बाद तीन शॉट की बढ़त हासिल कर ली।

नीरू का गोल्डन निशाना, विश्व कप में जीता पहला व्यक्तिगत स्वर्ण

एजेंसी, लोनाटो (इटली)। भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप 2026 की महिला ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का पदक खाता खोला। यह विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत पदक और करियर का दूसरा अंतरराष्ट्रीय पदक है। नीरू ने क्वालिफिकेशन में 125 में से 121 अंक जुटाकर फाइनल में जगह बनाई। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और शीर्ष तीन में स्थान पक्का किया। स्वर्ण के मुकाबले में उनका सामना फ्रांस की पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपियन कैरोल कॉर्मेनियर से हुआ। रोमांचक फाइनल में आखिरी दो शॉट से पहले दोनों निशानेबाज 25-25 अंकों की बराबरी पर थीं। निर्णायक क्षण में कॉर्मेनियर निशाना चूक गईं, जबकि नीरू ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए सटीक निशाना लगाया और स्वर्ण अपने नाम कर लिया। इटली की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन एरिका सेसा ने कांस्य पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिल्वाना स्टैंको फाइनल से सबसे पहले बाहर हो गईं। भारत की मनीषा कीर क्वालिफिकेशन में 10वें स्थान पर रहकर मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। पुरुष ट्रैप में भारतीय चुनौती निराशाजनक रही। काइनान चेनाई 71वें और पृथ्वीराज टोंडइमन 32वें स्थान पर रहे, जिससे कोई भी भारतीय फाइनल में नहीं पहुंच सका।

लॉर्ड्स की सम्मान पट्टिका पर नाम होना बेहद गर्व की बात : क्रांति गौड़

एजेंसी, लंदन

भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में पांच विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह प्रतिष्ठित लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। 22 वर्षीय क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट झटके और इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने पहली पारी में 115 रन की बढ़त हासिल की, जबकि दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बनाकर कुल बढ़त 269 रन की कर ली।

दिन का खेल खत्म होने के बाद क्रांति ने कहा, 'यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद गर्व का पल है। हर गेंदबाज का सपना पांच विकेट लेने का होता है। लॉर्ड्स में खेलते हुए मैं सोच रही थी कि अगर यह उपलब्धि हासिल हुई तो ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज होगा और टीम की जीत में भी योगदान मिलेगा।' क्रांति का पांचवां विकेट लॉरेन बेल के रूप में मिला। इस दौरान शेफाली वर्मा ने शानदार कैच लपका। उन्होंने बताया कि पहले स्लिप में स्नेह राणा ने भी बेहतरीन प्रयास किया था। 'मैं जश्न मनाने ही वाली थी, लेकिन साथियों ने रिप्ले और अंपायर के फैसले का इंतजार करने को कहा,' उन्होंने मुस्कराते हुए कहा। क्रांति ने पिछले वर्ष इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में भी छह विकेट लिए थे। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेना उनके लिए और भी खास है। साथ ही उन्होंने माना कि इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों का उन्हें पूरा फायदा मिला।

वेस्टइंडीज ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

एजेंसी, प्रोविडेंस। केसी कार्टी के 95 और शाइ होप के नाबाद 87 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराकर बढ़त बना ली। कार्टी अपना पांचवां वनडे शतक बनाने से पांच रन से चूक गए लेकिन उनकी और होप की 131 रन की साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने 267 रन का लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

होप ने शेरफान रदरफोर्ड (नाबाद 22) के साथ 31 गेंद में 45 रन की अटूट साझेदारी की। न्यूजीलैंड के लिए डेरिल मिशेल ने शतक लगाया जबकि विल यंग ने 49 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़े। इसके बाद हेनरी निकोल्स (27), माइकल ब्रेसवेल (29), मार्क चैपमैन (27), टॉम लैथम (25) और मिचेल सेंटनर (21) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। वेस्टइंडीज के लिए कार्टी और होप के अलावा सलामी बल्लेबाज अकीम आगस्ट ने 38 रन बनाए। वेस्टइंडीज को आखिरी 24 गेंद में 25, 18 गेंद में 19 और 12 गेंद में 13 रन की जरूरत थी। होप ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया और फिर एक रन लिया। रदरफोर्ड ने इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर छक्का लगाकर मैच खत्म कर दिया।

आईपीएल के आधार पर टीम का चयन नहीं करें : मांजरेकर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ब्रिटेन के दौरे में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिली हार के लिए खिलाड़ियों को दोष देने के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया और कहा कि टीम का चयन आईपीएल के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। मौजूदा चैंपियन भारत के लिए यह दौरा निराशाजनक रहा। आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद उसे पांच मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा।

मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, ''विदेशी धरती पर मिली इस पराजय के लिए खिलाड़ियों को आसानी से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन मुझे लगता है कि उन लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिन्होंने आईपीएल को बल्लेबाजों के लिए अनुकूल बना दिया है जिससे भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''चयनकर्ताओं के लिए चुनौती यह है कि वे आईपीएल के प्रदर्शन की दबाव में आए बिना ऐसे बल्लेबाजों का चयन करें जो विदेशों में अच्छा खेल सकते हैं। उन्हें ऐसे बल्लेबाजों की पहचान करके उन्हें ही भारत के लिए चुना चाहिए। भारत को अब टी20 क्रिकेट में अपने अधिकतर मैच विदेशों में खेलने हैं। अब घरेलू क्रिकेट का मजा खत्म हो चुका है।''

आईपीएल की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती रही है कि उसमें बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिचें तैयार की जाती हैं जिससे 'पावर-हिटिंग' को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा आईपीएल में बाउंड्री भी छोटी होती हैं। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम ने भी खेल को बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल बना दिया है।

अमेरिकी दखल जारी रहा तो नहीं खुलेगा होर्मुज जलडमरूमध्य : आईआरजीसी नेवी

एजेंसी, तेहरान

इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को 'अगले आदेश तक' बंद कर दिया गया है। आईआरजीसी के अनुसार, यह फैसला क्षेत्र में विदेशी सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए लिया गया है। संगठन का कहना है कि जब तक अमेरिका क्षेत्र में अपना सैन्य हस्तक्षेप बंद नहीं करता, तब तक जलडमरूमध्य बंद रहेगा।

ईरान की सरकारी समाचार सेवा प्रेसटीवी के मुताबिक रविवार को जारी बयान में आईआरजीसी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है और यह तब तक बंद रहेगा जब तक अमेरिका इस इलाके में अपना दखल बंद नहीं कर देता। किसी भी जहाज को इस जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत नहीं होगी। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इस स्थिति का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ किसी नए सैन्य अभियान के बहाने के रूप में किया गया, तो उसका 'कड़ा जवाब' दिया जाएगा।

आईआरजीसी ने यह भी कहा कि किसी भी संभावित टकराव की जिम्मेदारी अमेरिका, इजरायल और उन देशों की होगी जो ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अपने ठिकाने उपलब्ध कराते हैं।

बयान के अनुसार, हाल ही में एक जहाज द्वारा ईरानी निर्देशों की अनदेखी किए जाने और उसके ऑनबोर्ड ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिए जाने के बाद चेतावनी के तौर पर गोली चलाई गई थी। आईआरजीसी का दावा है कि इससे समुद्री सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हुआ।

आईआरजीसी ने दोहराया कि उसने पहले भी चेतावनी दी थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य में विदेशी हस्तक्षेप और शिपिंग मार्गों के 'गैर-कानूनी निर्धारण' का जवाब निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में किया मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को नई दिल्ली में मन्नम स्मृति मंडपम का उद्घाटन किया। यह मंडपम मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में एक स्मारक कक्ष है। कार्यक्रम का आयोजन नायर सर्विस सोसायटी की दिल्ली शाखा की ओर से किया गया। साथ ही उन्होंने समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम में मन्नथु पद्मनाभन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने 1914 में नायर सर्विस सोसाइटी की स्थापना की थी और केरल में नायर समुदाय के उत्थान के लिए सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और एनएसएस दिल्ली के अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने मन्नथु पद्मनाभन के सामाजिक न्याय, समानता, शिक्षा और सामुदायिक सेवा के प्रति आजीवन समर्पण को रेखांकित किया और कहा कि उनके आदर्श समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की ओर राष्ट्र के सफर को निरंतर प्रेरित करते हैं। उन्होंने मन्नम स्मृति मंडपम की स्थापना के माध्यम से उनकी विरासत को संरक्षित और आगे बढ़ाने में दिल्ली स्थित नायर सर्विस सोसायटी के प्रयासों की सराहना की।

इस दौरान उन्होंने मन्नम इंटरनेशनल सेंटर में भी समाज सुधारक मन्नथु पद्मनाभन की प्रतिमा के अनावरण और मन्नम स्मृति मंडपम के उद्घाटन के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत एक पौधा लगाया।

केंद्र सरकार देश में 10 सितंबर से चलाएगी 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार 10 से 19 सितंबर तक देशभर के तटीय क्षेत्रों में 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान चलाएगी। अभियान का उद्देश्य समुद्री तटों की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को बढ़ावा देना है। अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने वैज्ञानिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय, तकनीकी नवाचार और जनभागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न वैज्ञानिक विभागों को अलग-अलग नहीं, बल्कि एकीकृत तंत्र के रूप में कार्य करना चाहिए, ताकि अनुसंधान का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंच सके।

उच्च स्तरीय बैठक में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद समेत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, सीएसआईआर और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में अभियान की रणनीति के साथ-साथ विज्ञान मंत्रालयों की संचार योजना की भी समीक्षा की गई। अभियान में वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, स्वयंसेवकों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही वैज्ञानिक उपलब्धियों को वीडियो, डिजिटल अभियान, डॉक्यूमेंट्री, इन्फोग्राफिक्स और सफलता की कहानियों के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाने की योजना पर भी चर्चा हुई।

भारी बारिश-तूफान से रेल सेवाएं प्रभावित, कई प्रांतों में रेड-अलर्ट

चीन में 'बावी' का कहर, हजारों उड़ानें रद्द

एजेंसी, बीजिंग

टाइफून 'बावी' के पूर्वी चीन के तट से टकराने के बाद कई प्रांतों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के कारण 2,800 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जबकि कई क्षेत्रों में हाईस्पीड रेल सेवाएं भी अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं।

सरकारी मीडिया के अनुसार, टाइफून शनिवार को झेजियांग प्रांत में पहुंचा, जिसके बाद दक्षिणी और पूर्वी चीन के कई हिस्सों में भारी बारिश शुरू हो गई। इसका असर शंघाई, नानजिंग, हांग्झू, वुहान, शेनयांग, डालियान और चेंगदू समेत कई बड़े शहरों पर पड़ा है। फुजियान, झेजियांग, गुआंग्शी और हैनान के हवाई अड्डों पर बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुई हैं, जबकि बीजिंग के दोनों अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर कई उड़ानें विलंबित हैं। शंघाई पुडोंग और होंगकियाओ हवाई अड्डों की परिचालन क्षमता भी प्रभावित हुई है और करीब 30 प्रतिशत उड़ानें रद्द होने की आशंका जताई गई है। सुरक्षा के मद्देनजर कई रूटों पर हाईस्पीड ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया है।

चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट और टाइफून के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटों में झेजियांग, फुजियान, अनहुई, जियांग्शी, बीजिंग और हेबेई के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ क्षेत्रों में 250 से 500 मिमी और ताइवान के कुछ हिस्सों में 800 मिमी तक वर्षा हो सकती है। सरकार ने शंघाई समेत कई प्रांतों में आपातकाल लागू कर तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। मछली पकड़ने वाली नौकाओं को बंदरगाहों में रोक दिया गया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

नेपाल में फिर जेन-जी प्रदर्शन, 3 दिन में 3 आत्मदाह

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में युवाओं की नाराजगी एक बार फिर सड़कों पर दिखाई देने लगी है। पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया, जिनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। इन घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। राजधानी काठमांडू में युवा प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने सरकार पर युवाओं में भरोसा और उम्मीद जगाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जेन-जी नेपाल संगठन ने प्रधानमंत्री बालेन शाह पर जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के बजट और नीतियों में युवाओं के रोजगार व आय बढ़ाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। युवाओं का कहना है कि सरकार को रोजगार और अवसरों पर प्रभावी नीति बनानी चाहिए।

शाह ने दी 405 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, अहमदाबाद

अहमदाबाद में ऑक्सीजन पार्क, ई-बसों व सरकारी आवास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में 405 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साइंस सिटी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अहमदाबाद महानगरपालिका के 'मिशन फाइव मिलियन ट्री' अभियान की शुरुआत करते हुए शहर को अधिक हराभरा और प्रदूषणमुक्त बनाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर हेरिटेज पार्क और 101 ऑक्सीजन पार्क (अर्बन फॉरेस्ट) का लोकार्पण किया गया। ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए बीआरटीएस बेड़े में 80 नई वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें और एएमटीएस में 75 नई एसी बसें शामिल की गईं। इसके अलावा 60.68 करोड़ रुपए की लागत से बने 188 आधुनिक सरकारी आवासों का भी ई-लोकार्पण किया गया। अमित शाह ने भाड़ज, बोपल और वाडज में सामूहिक वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में एक ही दिन में 1.25 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि अहमदाबाद की तीनों लोकसभा सीटों पर 50 लाख पौधे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाया जा रहा है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन को देखते हुए शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाना समय की जरूरत है। शाह ने बताया कि गांधीनगर क्षेत्र में पहले 12 पार्क थे, जबकि अब 61 नए ऑक्सीजन पार्क विकसित किए गए हैं। पूरे अहमदाबाद में 101 ऑक्सीजन पार्क तैयार किए गए हैं। उन्होंने वर्ष 2029 तक क्षेत्र में हरियाली 20 प्रतिशत बढ़ाने का व्यक्तिगत संकल्प भी दोहराया।